शर्म्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 171 | गुवाहाटी | बुधवार, 11 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जस्टिस के. सिंह बने गौहाटी एचसी के मुख्य न्यायाधीश पेज 3
कंढावला मामला : छठे आरोपित आशुतोष भारद्वाज की जमानत याचिका पर ... पेज 4
मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश, बिजली बिल बकाये पर नहीं काटेंगे किसानों... पेज 5
मुख्यमंत्री गहलोत को इस्तीफा देना पड़ेगा : केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

### सुप्रभात

*राज्य का आधार अपनी इंद्रियों पर विजय पाना है।*
– आचार्य चाणक्य

### गुवाहाटी में जियो की ट्रू 5जी सेवा शुरू

# मोबाइल कनेक्टिविटी के एक नए युग की शुरुआत : सीएम

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को जनता भवन (असम सचिवालय) में आयोजित एक कार्यक्रम में गुवाहाटी में जियो की ट्रू 5जी सेवाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने गुवाहाटी में जियो की ट्रू 5जी सेवाओं की शुरुआत को ऐतिहासिक और मोबाइल कनेक्टिविटी के एक नए युग की शुरुआत बताया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि ट्रू 5जी लॉन्च ने असम के लोगों के लिए असीम अवसर खोले हैं और इसके परिणामस्वरूप राज्य की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत में 5जी सेवाओं के सफल लॉन्च के बाद अब गुवाहाटी में इसका लॉन्च करने के लिए टीम जियो असम को भी बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि 9500 करोड़ के अपने मौजूदा निवेश के अलावा, जियो ने असम में 5जी नेटवर्क की तैनाती के लिए प्रगति पर काम के लिए 2500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। यह असम के विकास के प्रति जियो की अपार प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि असम के हर कस्बे और ब्लॉक में जियो ट्रू 5जी सेवाओं को तेजी से उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी को बाढ़ और कोरोना काल के दौरान असम को उनके उदार समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि असम में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा निवेश राज्य में विकास को एक महत्वपूर्ण बूस्ट देता है। इस अवसर पर प्रदर्शित *क्लीनिक इन बैग* नामक स्वास्थ्य समाधान के बारे में बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा –शेष पृष्ठ दो पर

### तीन मैचों की शृंखला में मेजबान 1–0 से आगे

# कोहली का शतक भारत की विराट जीत

**गुवाहाटी।** विराट कोहली के करियर के 45वें एकदिवसीय शतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को गुवाहाटी के वर्षापाड़ा स्टेडियम में श्रीलंका को 67 रन से हराकर तीन मैच की शृंखला में 1–0 की बढ़त बनाई। कोहली ने दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 113 रन की पारी खेली, जिससे भारत ने छह विकेट पर 373 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कोहली ने 87 गेंद में 12 चौके और एक छक्का जड़ा। सलामी बल्लेबाजों कप्तान रोहित शर्मा (83) और शुभमन गिल (70) ने भी अर्धशतक जड़ने के अलावा पहले विकेट के लिए 143 रन जोड़कर भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। श्रीलंका की टीम इसके जवाब में कप्तान दासुन शनाका (नाबाद 108, 88 गेंद, 12 चौके और तीन छक्के) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका (72) के अर्धशतक के बावजूद आठ विकेट पर 306 रन ही बना सकी। शनाका ने कासुन रजिता (नाबाद 09) के साथ नौवें विकेट के लिए 100 रन की अटूट साझेदारी की। भारत की ओर से उमरान मलिक ने 57 रन देकर तीन जबकि मोहम्मद सिराज ने 30 रन देकर दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और उसने छठे ओवर में 23 रन तक दो विकेट गंवा दिए। पारी के चौथे ओवर में सिराज के खिलाफ अविष्का फर्नांडो (05) ने गेंद को हवा में लहराकर मिड ऑफ पर –शेष पृष्ठ दो पर

### न्यूज गैलरी

## मुख्यमंत्री हिमंत की मां को ले जा रही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की मां को लेकर जा रहा एक वाहन मंगलवार को मोरीगांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर मामूली रूप से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि शर्मा की मां मृणालिनी देवी और भाई दिगंत विश्व शर्मा एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुवाहाटी से कार्बी आंग्लांग जिले के डीफू जा रहे थे, तभी सिलसंग इलाके में तेज रफ्तार से जा रही एक गाड़ी ने ने उनके वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। जिला पुलिस –शेष पृष्ठ दो पर

## असम–बरौनी रिफाइनरी पाइपलाइन में छेद कर चोरी, हजारों लीटर तेल बर्बाद

**बेगूसराय ( हि.स. )।** असम से बिहार के बरौनी स्थित इंडियन ऑयल के रिफाइनरी में आने वाले कच्चे तेल का पाइपलाइन तेल चोर गिरोह के निशाने पर है। बीते रात भी अज्ञात चोरों ने पाइप लाइन में छेद कर हजारों लीटर तेल चोरी कर लिया है। घटना बरौनी रिफाइनरी से करीब 75 किलोमीटर दूर खगड़िया जिला के चौथम थाना क्षेत्र की है। जहां कि बकिया और लक्ष्मीपुर गांव के बीच स्थित एक खेत से गुजर रहे इंडियन ऑयल के पाइप लाइन में छेद कर तेल चोरी किया गया है। घटनास्थल के आसपास ट्रैक्टर की टायर के निशान मौजूद हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने हजारों लीटर कच्चा तेल चोरी किया है। चोरी करने के बाद छेद उसी तरह छोड़ दिए जाने के कारण हजारों लीटर –शेष पृष्ठ दो पर

## लखीमपुर में वन भूमि खाली कराने का अभियान शुरू

**लखीमपुर।** असम के लखीमपुर जिले में 450 हेक्टेयर वन भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार मंगलवार को इस अभियान की शुरुआत की गई। उनके अनुसार 2560.25 हेक्टेयर संरक्षित वन में से सिर्फ 29 हेक्टेयर भूमि ऐसी है जो अतिक्रमण मुक्त है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पावो संरक्षित वन के अंतर्गत आने वाली इस 450 हेक्टेयर भूमि को खाली करवाने में 500 परिवार प्रभावित होंगे। मंगलवार से शुरू हुए पहले चरण में 200 हेक्टेयर भूमि खाली करवाने का लक्ष्य रखा गया है। लखीमपूर एडिशनल सुप्रिटेंडेंट ऑफ पुलिस रूना निओग ने बताया कि 60 से अधिक एक्सेवेटर्स और ट्रेक्टर्स के साथ 600 सुरक्षाकर्मी सुबह –शेष पृष्ठ दो पर

## अब साल में दो बार होगी अग्निवीरों की भर्ती

**नई दिल्ली।** सेना की नई भर्ती योजना अग्निपथ के तहत नियुक्त हुए 19000 अग्निवीरों का पहला बैच प्रशिक्षण के बाद इस साल अगस्त महीने में अपनी–अपनी यूनिटों में मोर्चा संभालने के लिए तैनात हो जाएगा। जबकि 21000 अग्निवीरों के दूसरे बैच की ट्रेनिंग सेना इस साल एक मार्च से शुरू कर देगी और यह दूसरा बैच इसी साल अक्तूबर में अपनी यूनिट में तैनात हो जाएगा। सेना ने यह भी तय किया है कि 2023 से अब साल में दो बार मई और नवंबर महीने में अग्निवीरों की भर्ती होगी। अग्निवीरों के पहले बैच की सेना के अलग–अलग यूनिटों में प्रशिक्षण इस वर्ष पहली जनवरी से शुरू हो गई है और सेना ने इनकी ट्रेनिंग के लिए संबंधित ट्रेनिंग यूनिटों में इसके लिए विशेष प्रशिक्षण कोर्स डिजाइन –शेष पृष्ठ दो पर

### पीबीडी सम्मेलन का समापन

## राष्ट्रपति मुर्मू ने 27 प्रवासी भारतीयों को किया सम्मानित

**इंदौर ( हि.स. )।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण के साथ तीन दिवसीय 17वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीडीबी) सम्मेलन का मंगलवार को समापन हुआ। उन्होंने अंतिम दिन गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली समेत विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 27 प्रवासी भारतीयों को सम्मानित किया। समापन समारोह को विदेश मंत्री एस जयशंकर –शेष पृष्ठ दो पर

## 55 पैसेंजर्स को छोड़ दिल्ली गई फ्लाइट, इंतजार करते रहे यात्री

**मुंबई।** नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मंगलवार को गो फर्स्ट को कारण बताओ नोटिस जारी किया। गो फर्स्ट एक फ्लाइट ने सोमवार को 55 यात्रियों को टरमैक पर ही छोड़कर उड़ान भरी थी। डीजीसीए ने कहा कि इस मामले में समन्वय में कमी समेत कई गलतियां हुई हैं। इस कारण यह घटना हुई। इस बीच गो फर्स्ट ने यात्रियों से इस घटना को लेकर माफी मांगी है। एयरलाइन ने जांच का आदेश दिया है। घटना में शामिल सभी कर्मचारियों को हटा दिया गया है। गो फर्स्ट ने कहा कि एयरलाइन ने अगले 12 महीनों में सभी प्रभावित यात्रियों को किसी भी घरेलू क्षेत्र में यात्रा के लिए एक मुफ्त टिकट देने का फैसला किया है। गो फर्स्ट ने कहा कि पूछताछ जारी रहने –शेष पृष्ठ दो पर

## मिड डे मील में मिला सांप 30 से ज्यादा बच्चे बीमार

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के एक स्कूल में छात्रों को दी जाने वाली मिड डे मील में मरा हुआ सांप पाया गया है। इस खाने से 30 से ज्यादा बच्चे बीमार पड़े हैं। बच्चे अचानक उल्टी करने लगे। इसके बाद उन्हें रामपुरहाट मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। खाने बनाने वाले स्कूल के एक कर्मचारी ने दावा किया कि दाल से भरे एक कंटेनर में एक सांप मिला था। प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपांजन जाना ने बताया कि कई ग्रामीणों से मिड डे मील का खाना खाने के बाद बीमार पड़ने की शिकायत मिली थी। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों के जिला निरीक्षक इसकी जानकारी दे दी है, जो 10 जनवरी को आएंगे। –शेष पृष्ठ दो पर

## जोशीमठ : कुल 723 घरों में दरारें, 462 विस्थापित

### 24 घंटे एक्टिव मोड पर कंट्रोल रूम

**देहरादून ( हि.स. )।** जोशीमठ भू–धसाव के बाद प्रभावित परिवारों को पूरी तरह से घरों को खाली कराने की प्रकिया को तेज कर द गई है। अब तक कुल 723 घरों में दरारें आई हैं। इनमें 86 मकान असुरक्षित क्षेत्र में हैं। प्रशासन की ओर से 131 परिवारों के 462 सदस्यों को विस्थापित किया गया है। प्रभावित परिवारों को 15 लाख से अधिक धनराशि वितरित की गई है। जनपद आपदा प्रबंधन चमोली की ओर से जारी बुलेटिन के मुताबिक मंगलवार तक नौ वार्डों में कुल 723 मकानों में दरारें आई हैं। चार वार्डों में कुल 86 भवन असुरक्षित हैं। मंगलवार को 37 परिवार और इससे पहले 94 परिवारों को विस्थापित किया गया है। अब तक कुल 131 परिवारों के 462 सदस्यों को विस्थापित किया जा चुका है। जोशीमठ में 51 भवनों को राहत शिविर के लिए चिन्हित किया गया है, जिसमें 1425 लोगों की रहने की क्षमता है। जोशीमठ से बाहर पीपलकोटी में 20 भवनों को राहत शिविर के लिए चिन्हित किया गया है। जिनकी क्षमता 2205 लोगों की रहने की है। अब तक 63 लोगों लोगों को पांच हजार की दर से और भवन क्षतिग्रस्त भवन 1.30 लाख की दर से 15.65 लाख रुपए वितरित की गई है। मंगलवार को –शेष पृष्ठ दो पर

## सजा से बचने के लिए शिक्षक ने सजाई अपनी चिता

**भागलपुर।** चार साल पहले छात्रा से रेप करने और सजा से बचने के लिए मुर्दा बन चिता पर लेटने वाले शिक्षक नीरज मोदी को कोर्ट ने 14 साल की सजा सुनाई है। ये फैसला सोमवार को पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश एडीजे लवकुश कुमार की कोर्ट ने सुनाया है। कोर्ट ने उसके ऊपर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर उसे 6 महीने की जेल और काटनी होगी। छात्रा को डालसा (डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेस अथॉरिटी) से तीन लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा। बहस में सरकार की ओर से पॉक्सो के विशेष लोक अभियोजन नरेश प्रसाद राम और जयकरण गुप्ता शामिल हुए। नीरज मोदी ने पिछले साल अक्तूबर में कोर्ट में सरेंडर किया था। शिक्षक नीरज मोदी मधुरा सिमानपुर –शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# गणतंत्र दिवस को लेकर कोकराझाड़ में बैठक

**कोकराझाड़ ( हि.स. )।** आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर मंगलवार को कोकराझाड़ जिला निर्वाचन कार्यालय के सभाकक्ष में जिला उपायुक्त वर्णाली डेका की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। उपायुक्त वर्णाली डेका ने उपस्थित सभी सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों जैसे पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरण, सम्मान, विभिन्न विभागों द्वारा झांकी प्रदर्शन, बच्चों के खेल कूद, उपायुक्त इलेवन और बीटीसी इलेवन के बीच प्रीति क्रिकेट मैच के साथ-साथ सामान्य कार्यक्रम- प्रभात फेरी, देशभक्ति गीत आदि का आयोजन गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान आयोजित किया जाएगा। सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराना, शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित करना और सरकारी उच्चतर माध्यमिक और बहुउद्देशीय स्कूल, कोकराझाड़ के खेल के मैदान में राष्ट्रीय ध्वजारोहण होगा। बैठक में उपायुक्त द्वारा विभिन्न विभागों को कार्यक्रम की तैयारी के सुचारू संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने सभी विभागों के प्रमुखों से आह्वान किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके कार्यालय परिसरों और अधीनस्थ कार्यालयों, स्कूलों, संस्थानों आदि में अत्यधिक सावधानी और उचित तरीके से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए। इसी तरह ध्वज को उतारने के मामले में पालन किए जाने वाले प्रोटोकॉल और उचित सम्मान देने का निर्देश दिया। बैठक में तिरंगा के साथ सेल्फी, देशभक्ति गीत आदि पर ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित किया जाएगा।

# जर्मनी के सांसदों के ताइवान दौरे पर भड़का चीन, तइपे भेजे 57 फाइटर विमान

**बीजिंग।** चीन और ताइवान के बीच तनाव चरम पर है। जर्मनी के सांसदों के ताइवान दौरे से नाराज चीन ने ताइवान पर हमले का अभ्यास किया है। चीन की सेना ने रविवार को बड़े स्तर पर संयुक्त लड़ाकू अभ्यास किए और ताइवान की ओर 57 युद्धक विमान तथा नौसैनिक पोत भेजे। चीन और ताइवान, दोनों के रक्षा मंत्रालयों ने यह जानकारी दी। यह अभ्यास ऐसे वक्त हुआ जब सोमवार को जर्मनी के सांसदों का एक समूह ताइवान पहुंचा। इस समूह की अगुवाई जर्मनी की संसद की रक्षा समिति की प्रमुख मैरी एग्नेस स्ट्रैक जिमरमेन कर रही हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अभ्यास सोमवार को भी जारी है। मंत्रालय ने कहा कि चीन की हरकत ने ताइवान जलडमरूमध्य में और आसपास के जल क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित किया है। जर्मनी के सांसद ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन तथा ताइवान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख और *मेनलैंड अफेयर्स काउंसिल* से मिलेंगे जो चीन से संबंधित मुद्दों को देखती है। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में चीन ने ताइवान की ओर युद्धक विमान और पोत भेज कर ताइवान की सेना पर दबाव बनाया है। चीन इस द्वीप पर अपना दावा करता है, जो गृह युद्ध के बाद 1949 में मुख्यभूमि से अलग हो गया था। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार सुबह एक बयान में कहा कि रविवार को सुबह छह बजे से सोमवार को सुबह छह बजे के बीच 24 घंटों में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने 57 युद्धक विमान और चार पोत ताइवान की ओर भेजे । बता दें कि साल 2022 ताइवान के लिए काफी तनावभरा साल रहा है। अगस्त 2022 में पूर्व अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान क्या पहुंची, चीन का पारा सांतवे आसमान पर पहुंच गया। उस समय भी चीन ने आक्रामक तरीके से मिलिट्री ड्रिल को अंजाम दिया था। कई हफ्तों तक चले उस युद्धाभ्यास को चीन का शक्ति प्रदर्शन कहा गया था। ताइवान ने भी साफ कर दिया था कि वह किसी से डरने वाला नहीं है।

# लायंस जिलापाल ने लायंस अर्पण का औपचारिक दौरा किया

**गुवाहाटी ( नसं )।** लायंस जिला 322 के जिलापाल बी एस राठौड़ ने लायंस क्लब आफ गुवाहाटी अर्पण का औपचारिक दौरा करके उनके कार्य प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर लायंस अर्पण की अध्यक्षा मंजू चौधरी की अध्यक्षता में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसकी संयोजिका मधु सिवोटिया थी। इस अवसर पर जिलापाल का स्वागत बिहू नृत्य प्रस्तुत करके किया गया। लायंस अर्पण की सचिव मधु पटवारी द्वारा शाखा का प्रतिवेदन पढ़कर शाखा की गतिविधि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पूर्व जिलापाल राजकुमार रिंगानिया द्वारा सन 2019-20 और सन 2020-21 वर्ष के लिए लायंस क्लब अर्पण को एक्सीलेंट अवार्ड प्रदान किया गया। इसके अलावा बंदना बगड़िया को लायंस जिला उत्कृष्ट पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में लायंस जिला की प्रथम महिला लेखा राठौड़, लायंस जिला के उपाध्यक्ष (द्वितीय) सीमा गोयंका के अलावा जीएसटी समन्वयक आनंद अय्यर, जीएमटी मनोज भजनका, शर्मिला सैकिया, प्रीति अग्रवाल के अलावा अन्य कई सदस्याए उपस्थित थी।

# उल्लास महिला समिति का आहार सबके लिए कार्यक्रम आयोजित

**गुवाहाटी ( नसं )।** उल्लास महिला समिति ने चंद्रकांता घोड़ावत की अध्यक्षता में मकर सक्रांति पर आठ गांव एटी रोड गोल बिल्डिंग के पास दोपहर को करीब 150 लोगों का खाना खिलाया। इस कार्यक्रम मे मंत्री संजना मालू, कोषाध्यक्ष मंजू बेगवानी, पुखराज गोलछा, मंजू दुगड़ वीणा चोराडीया, राजू पुगलिया, राजश्री दुगड़, मंजू सेठिया, गुलाब दुगड़, सुषमा सुराणा उपस्थित थी।

# अधिकारियों के बिना अनुमति के छुट्टी लेने वाले शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

**रंगिया ( निसं )।** कामरूप जिले के विद्यालय निरीक्षक ने जिले के उच्च और उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यक्षों तथा और प्रधानाध्यापकों को पत्र भेजकर सूचित किया है कि सम्बंधित अधिकारियों की बिना अनुमति लिए स्कूल नहीं आने वाले अध्यक्ष, प्रधानाध्याप और शिक्षकों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पत्र में कहा गया है कि कुछ स्कूल के अध्यक्ष, प्रधानाध्यापक और अन्य शिक्षक अधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना स्कूलों से अनुपस्थित रहे हैं। ऐसे शिक्षकों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पत्र में यह भी कहा गया है कि असम सेवा (आचरण) नियम 1965 के तहत संबंधित अधिकारियों की अनुमति के बिना स्कूल के घंटों के दौरान ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पत्र में स्कूल से पूर्व प्रवेशिका परीक्षा के बाद परीक्षा में बैठने के लिए प्रार्थियों को पढ़ाने सहित स्कूल से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने के लिए भी कहा गया है।

# पृष्ठ एक का शेष

## मोबाइल कनेक्टिविटी के ...

कि यह सुविधा जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में काफी मदद कर सकती है। मुख्यमंत्री ने कामाख्या मंदिर में मुफ्त 5जी सेवाएं प्रदान करने के लिए जियो की सराहना की और कहा कि इससे आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को काफी मदद मिलेगी और पर्यटन की दृष्टि से भी यह एक स्वागत योग्य कदम है। डॉ. शर्मा ने कहा कि इससे दुनिया को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की सफल प्रगति के बारे में एक मजबूत संदेश भी मिला है। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि 5जी तकनीक भारतीयों के लिए जबरदस्त अवसर लाती है और इसका शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, विनिर्माण और उद्योग आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कार्यक्रम में रिलायंस इंडस्ट्रीज के ग्रुप प्रेसिडेंट तरुण झुनझुनवाला, रिलायंस जियो के स्टेट बिजनेस हेड प्रदीप चंदा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर कुमार सिन्हा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

## असम-बरौनी रिफाइनरी ...

कच्चा तेल बर्बाद भी हो गया। मंगलवार को जब तक प्रशासन को जानकारी मिलती, तब तक आसपास के लोग हजारों लीटर तेल अपने घर उठाकर लेकर चले गए हैं, वहीं बड़े पैमाने पर खेत में भी तेल फैल गया है। कंपनी के चौकीदार की सूचना पर पहुंचे असम ऑयल डिविजन एवं इंडियन ऑयल पाइपलाइन के कर्मी मौके पर पहुंचकर रिसाव बंद करने का प्रयास कर रहे हैं। छेद बंद करने के लिए तेल सप्लाई का फोर्स कम कर दिया गया है। चौकीदार की मानें तो चोरों के द्वारा पाइपलाइन में छेद कर तेल चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद उसे खुला छोड़कर भागने से बड़े पैमाने पर तेल रिसाव हुआ है। बताया जा रहा है कि आसपास के लोग मंगलवार को जब बहियार गए तो वहां काफी दूर तक खेतों में तेल फैला देखकर हड़कंप मच गया। आसपास के ग्रामीणों को जो बर्तन मिला वही लेकर घटनास्थल की ओर दौड़ पर तथा बड़े पैमाने पर तेल उठा कर घर ले जाने लगे। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, इसके बाद प्रशासन और विभाग को मामले की सूचना दिया गया। उल्लेखनीय है कि असम से बरौनी तेल शोधक कारखाना (बरौनी रिफाइनरी) को कच्चा तेल आपूर्ति असम ऑयल डिवीजन के वर्मा सेल तेल कंपनी द्वारा जमीन के अंदर बिछाए गए पाइप लाइन के माध्यम से की जाती है। इस पाइपलाइन पर लंबे समय से चोरों की नजर है तथा बरौनी से असम के बीच बराबर रात के अंधेरे में पाइप लाइन में छेद कर बड़े पैमाने पर कच्चा तेल की चोरी की जाती है। विगत छह नवंबर को भी इसी पाइपलाइन में साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के सनहा-सादपुर रोड में 1126 पिलर नंबर के समीप रात में गड्ढा खोदकर पाईप से कच्चा तेल निकालकर चोर छेद को बंद किए बगैर फरार हो गए थे। 2006 में तो तेल चोरों के कारण रिसाव होने से भयंकर आग लग गई थी।

## लखीमपुर में वन भूमि...

से इस काम में लगे हुए हैं। अभियान सुबह से शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। अभी तक हमें किसी भी प्रकार के विरोध का सामना नहीं करना पड़ा है। उम्मीद है कि अभियान बिना किसी रुकावट के पूरा हो जाएगा। सुरक्षाबल पिछले कुछ दिनों से इलाके पर नजर रख रहे थे और अवैध कब्जेदारों से उनके घर खाली करने के लिए कह दिया गया था। अधिकारिक सूत्रों की मानें तो मोघुली गांव की 200 हेक्टेयर जमीन मंगलवार को खाली करवा ली जाएगी। इस इलाके में 299 परिवार रहते हैं। इसके अतिरिक्त आधासोना गांव की 250 हेक्टेयर जमीन को मंगलवार शाम या बुधवार को खाली करवाया जाएगा। नोटिस मिलने के बाद अधिकतर लोगों ने घर खाली कर दिए हैं। डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर अशोक कुमार देव चौधरी ने बताया कि 701 परिवारों ने पिछले तीन दशकों से पावो संरक्षित वन क्षेत्र पर अतिक्रमण कर रखा था। इन अवैध कब्जेदारों में राज्य के विभिन्न इलाकों के साथ ही ऐसे स्थानीय लोग भी हैं जो बाढ़ या भूस्खलन के कारण अपना स्थान छोड़कर यहां आ गए हैं। उन्होंने बताया कि लोगों ने पहले भूमि के मालिकाना हक संबंधी दस्तावेज पेश किए थे जिन्हें वर्तमान सरकार ने खारिज कर दिया था। गांव वालों का आरोप है कि पावो संरक्षित वन की सीमा में 2017 के बाद से बार-बार मनचाहा बदलाव किया गया है। डिस्ट्रिक्ट डिप्टी कमिश्नर सुमित सत्तावन कहते हैं कि अतिक्रमण वाले इलाके में रहने वाले लोगों को वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की तरफ से दो साल पहले इलाका खाली करने के लिए नोटिस दिया गया था। 7 सितंबर को नाओवैसा के सर्किल ऑफिसर खुद अतिक्रमण करने वालों से मिले थे और उन्हें जगह खाली करने के लिए कहा था।

## अब साल में दो...

किया है। अग्निवीरों का प्रशिक्षण काल 24 से लेकर 31 हफ्ते का है जो पूर्व में जवानों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण के मुकाबले अपेक्षाकृत छोटा जरूर है मगर कोर्स को इस सघन तरीके से डिजाइन किया गया है कि इनकी सैन्य दक्षता में किसी तरह की कमी न रह जाए। इस ट्रेनिंग के बाद अग्निवीर जिस यूनिट में तैनात किए जाएंगे वहां भी उनके काम के अनुरूप सात हफ्ते की आन जॉब ट्रेनिंग दी जाएगी। सेना के अनुसार वर्ष 2022 के लिए 40000 अग्निवीरों की भर्ती के लिए देश भर में 96 भर्ती रैलियां हुईं और 19000 अग्निवीरों के पहले बैच की ट्रेनिंग बेहद उत्साहजनक माहौल में शुरू हो गई है। 21000 अग्निवीरों के दूसरे बैच की ट्रेनिंग एक मार्च से शुरू होगी जिसमें 100 महिला अग्निवीरों का पहला बैच भी शामिल है। महिला अग्निवीरों का पहला बैच भी अक्तूबर में अपनी यूनिट में डियूटी संभाल लेगा। सेना को उम्मीद है कि अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया का सिलसिला शुरू होने के बाद अगले कुछ सालों के दौरान भारतीय सेना में सैनिकों की औसत उम्र मौजूदा 32 साल से घटकर 26 साल हो जाएगी। सेना में अग्निवीरों की भर्ती केवल चार साल के लिए ही है और हर साल भर्ती होने वाले अग्निवीरों में से चार साल बाद जरूरी मानकों पर खरे उतरने वाले केवल 15 फीसद को ही सेना में बतौर जवान के रूप में स्थायी नियुक्ति मिलेगी।

## राष्ट्रपति मुर्मू ने 27...

प्रसाद और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संबोधित किया। सम्मानित प्रवासी भारतीय- डॉ. मोहम्मद इरफान अली, गुयाना के पहले मुस्लिम राष्ट्रपति, डॉ. अमल कुमार मुखोपाध्यायो, आंत्रप्रेन्योर व साइंटिस्ट, जर्मनी, अशोक कुमार तिवारी, फाउंडर, शयाना फार्म, एलीएलसी, उज्जबेकिस्तान, डॉ. देवनचंद्रभोस शरमन, डॉक्टर और राजनीतिज्ञ, सूरीनाम, प्रोफेसर संजीव मेहता, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, भूटान, डॉ. वैकुंटम अय्यर लक्ष्मणन, शिक्षाविद, वैज्ञानिक और अन्वेषक, कनाडा, प्रो. जगदीश चेन्नुपति, भौतिकी के प्रोफेसर, ऑस्ट्रेलिया, डॉ. राजगोपाल, बिजनेस स्कूल में मार्केटिंग के प्रोफेसर, मेक्सिको, शिवकुमार नदेसन, चेयरमैन, प्रेस इंस्टिट्यूट, श्रीलंका, संजयकुमार शिवभाई पटेल, एमडी, जोआईटी सुपर मार्केट श्रृंखला, दक्षिणी सूडान, डॉ. एलेक्जेंडर मलाइकेल जॉन, विशेषज्ञ डॉक्टर और लेक्चरर, ब्रूनेई, डॉ. कन्नन अंबलम, मैनेजमेंट के असिसटेंट प्रोफेसर, इथियोपिया, राजेश सुब्रमण्यम, प्रेसीडेंट, सीईओ और डायरेक्टर, फेडेक्स कॉर्पोरेशन, अमेरिका, अमित लाठ, शारदा ग्रुप ऑफ कंपनीज के सीईओ व एमडी, पोलैंड, चंद्रकांत बाबूभाई पटेल, जाने माने बिजनेसमैन, यूके, प्रोफेसर दिलीप लौंडो, फिलॉसफी के प्रोफेसर, ब्राजील, सिद्धार्थ बालचंद्रन, बिजनेसमैन, फाउंडर बुइमर्क ट्रेडिंग कंपनी, यूएई, डॉ. दर्शनसिंह धालीवाल, भारतीय अमेरिकी बिजनेसमैन, अमेरिका, परमानंद सुखुमल दासवानी, मानद वाणिज्यदूत, रिपब्लिक ऑफ कांगो, डॉ. अर्चना शर्मा, सीनियर साइंटिस्ट, जिनेवा सीईआरएन लैब, जिनेवा, स्विट्जरलैंड, रीना विनोद पुष्करणा, सेलिब्रिटी शेफ और आंत्रप्रेन्योर, इजराइल, मोहनलाल हीरा, गांधी वाक समिति के अध्यक्ष और संस्थापक सदस्य, दक्षिण अफ्रीका, मकसूदा सरफी श्योतानी, प्रोफेसर, कोमात्सु यूनिवर्सिटी, जापान, जोगिंदर सिंह निज्जर, अध्यक्ष, क्रोएशियन इंडियन सोसाइटी, क्रोएशिया, न्यायमूर्ति फ्रेंक आर्थर सीपरसाद, न्यायमूर्ति, सुप्रीम कोर्ट, टीएंडटी, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, पीयूष गुप्ता, सीईओ और डायरेक्टर, डीबीएस ग्रुप, सिंगापुर और प्रो. रांजी प्रसाद, फ्यूचर टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर, डेनमार्क।

## 55 पैसेंजर्स को ...

तक संबंधित सभी कर्मचारियों को रोस्टर से हटा दिया गया है। नियामक ने गो फर्स्ट के जवाबदेह प्रबंधक/मुख्य संचालन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके नियामक दायित्वों के उल्लंघन के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। बता दें कि बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली घरेलू एयरलाइंस गो फर्स्ट की एक फ्लाइट ने सोमवार को हवाईअड्डे पर 55 यात्रियों को छोड़कर ही उड़ान भर दी। पीछे छूटे यात्री सवार होने के लिए एक शटल बस में इंतजार कर रहे थे। छोड़े गए यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया और इसे एयरलाइंस की घोर लापरवाही बताया। इससे पहले विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन से रिपोर्ट मांगी थी। डीजीसीए ने कहा था कि इस घटना की उचित कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि यात्रियों ने आरोप लगाया कि बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली गो फर्स्ट फ्लाइट बस में बैठे यात्रियों का इंतजार किए बिना उड़ान भर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्लाइट जी-8 116 यात्रियों को छोड़कर सोमवार सुबह 6 बजकर 40 मिनट पर रवाना हो गई। इस घटना के बाद कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई थी।

## मिड डे मील में मिला ...

अधिकारी ने कहा कि एक बच्चे को छोड़कर सभी बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। वह खतरे से बाहर हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि अभिभावकों ने स्कूल का घेराव किया और हेडमास्टर की गाड़ी में तोड़फोड़ की। हालांकि, बाद में मामले को शांत करा लिया गया। मामले को लेकर जांच की जा रही है। हालांकि, राहत की बात ये है कि बच्चे अब खतरे से बाहर हैं। अब केवल एक ही बच्चा अस्पताल में भर्ती है। पंचायत चुनाव को देखते हुए राज्य सरकार ने मिड डे मील में मीट और अंडा शामिल करने का एलान किया था। फल और मुर्गे का मांस उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने 372 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। अब इन सबके बीच खाने में सांप मिलने की घटना ने राज्य सरकार को सवालों के घेरे में डाल दिया है।

## जोशीमठ : कुल 723 ...

सचिवालय में मुख्य सचिव डॉ.एस.एस.संधू ने जोशीमठ भू-धसाव के संबंध में बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को साथ लेकर एक असेसमेंट कमेटी बनाई जाए। प्रतिदिन पूरे क्षेत्र में टीम भेज कर निरीक्षण करवाया जाए कि पिछले 24 घंटे में क्षेत्र में किस प्रकार का और कितना परिवर्तन हुआ हुआ है, जो भवन अधिक प्रभावित हैं उन्हें प्राथमिकता पर ध्वस्त किया जाए। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी चमोली से क्षेत्र की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। भूस्खलन से किसी प्रकार का जानमाल का नुकसान न हो इसके लिए सबसे पहले परिवारों को शिफ्ट करने के साथ खतरनाक भवन को प्राथमिकता के आधार पर ध्वस्त किए जाए। प्रभावित नागरिकों व शासन प्रशासन के मध्य किसी प्रकार का कम्युनिकेशन गैप न हो। उच्चाधिकारी भी लगातार प्रभावित परिवारों के संपर्क रहें, और परिस्थितियों पर नजर बनाए रखें। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भू-धंसाव के कारण मोबाइल नेटवर्क भी प्रभावित हो सकता है। मोबाइल टावर अन्यत्र सुरक्षित स्थान में शिफ्ट कर नए टावर लगा कर संचार व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि जोशीमठ के स्थिर क्षेत्र के लिए ड्रेनेज और सीवेज प्लान पर भी काम शुरू किया जाए। भवनों को ध्वस्त करने में विशेषज्ञों का सहयोग लिया जाए ताकि ध्वस्तीकरण में कोई अन्य हानि न हो। साथ ही,कंट्रोल रूम को 24 घंटे एक्टिव मोड पर रखा जाए और आमजन को किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में संपर्क करने के लिए प्रचार प्रसार किया जाए। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जोशीमठ से सचिव आर.मीनाक्षी सुंदरम,सचिव नितेश कुमार झा,अरविंद सिंह ह्यांकी, डॉ.रंजीत सिन्हा व बृजेश कुमार संत सहित वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयुक्त गढ़वाल सुशील कुमार व जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

## सजा से बचने के ...

गांव का रहने वाला है। छात्रा की मां ने उसके ऊपर 14 अक्तूबर 2018 को रेप का केस दर्ज कराया था। केस दर्ज होने के बाद नीरज मोदी ने सजा से बचने के लिए अपनी मौत की झूठी कहानी गढ़ी थी और अंतिम संस्कार का नाटक रचा था। इसकी फोटोग्राफी कराई और पिता की मदद से पॉक्सो कोर्ट में ये फोटो दिखाए ताकि कोर्ट उसे मरा हुआ मान ले। इसके बाद वह अंडर ग्राउंड हो गया था। पुलिस ने नीरज मोदी को मरा हुआ मान लिया था और कोर्ट ने इसका शपथ पत्र मिलने पर केस बंद कर दिया था। छात्रा की मां को इसकी जानकारी मिली कि नीरज ने केस से बचने के लिए खुद को मरा हुआ साबित कर दिया है। इसके बाद उसने पीरपैंती के बीडीओ को अर्जी देकर उनके कार्यालय से गलत मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने की जानकारी दी। बीडीओ ने जांच कराई, जिसमें फर्जी प्रमाणपत्र बनाने की बात सामने आई। 21 मई, 2022 को बीडीओ के निर्देश पर नीरज मोदी के पिता राजाराम मोदी पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया गया और मृत्यु प्रमाण पत्र रद्द किया गया। इसके बाद पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश लवकुश कुमार ने पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी थी।

## मुख्यमंत्री हिमंत की ...

अधिकारियों ने गुवाहाटी लौटने के लिए दूसरे वाहन की व्यवस्था की। दुर्घटना के बाद एसयूवी चालक वाहन लेकर फरार हो गया। उन्होंने कहा कि गाड़ी और चालक का पता लगाने के लिए तलाश शुरू कर दी गई है। मृणालिनी देवी असम साहित्य सभा की उपाध्यक्ष हैं।

## कोहली का शतक...

हार्दिक पंड्या को कैच थमाया जबकि इस तेज गेंदबाज ने अगले ओवर में कुसाल मेंडिस (00) को भी बोल्ड किया। चरित असलंका भी 23 रन बनाने के बाद उमरान का शिकार बने। उन्होंने विकेटकीपर लोकेश राहुल को कैच थमाया। असलंका ने डीआरएस नहीं लिया लेकिन रीप्ले में दिखा कि गेंद उनके थाई पैड से टकराकर राहुल के हाथों में गई थी। निसंका और धनंजय डिसिल्वा (47) ने चौथे विकेट के लिए 72 रन जोड़कर पारी को संवारने की कोशिश की। निसंका ने 21वें ओवर में युजवेंद्र चहल पर लगातार दो चौकों और एक रन के साथ 57 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। इसी ओवर में टीम का रनों का शतक भी पूरा हुआ। रोहित ने इसके बाद मोहम्मद शमी को गेंदबाजी में वापसी कराई और उन्होंने कप्तान को निराश नहीं करते हुए धनंजय को विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच करा दिया। धनंजय ने 40 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके मारे। निसंका भी इसके बाद उमरान की उछाल लेती गेंद को पुल करने की कोशिश में अक्षर को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 80 गेंद की पारी में 11 चौके मारे। वानिंदु हसरंगा (16) ने आते ही चहल की लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका मारा लेकिन अगली गेंद को सीधे श्रेयस अय्यर के हाथों में खेल गए। उमरान ने अगले ओवर में दिमुथ वेलालागे (00) को स्लिप में गिल के हाथों कैच कराके श्रीलंका का स्कोर सात विकेट पर 179 रन किया। शनाका और चमिका करूणारत्ने (14) ने टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। पंड्या ने करूणारत्ने को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। श्रीलंका को अंतिम 10 ओवर में जीत के लिए 154 रन की दरकार थी। शनाका ने उमरान पर तीन चौके और फिर अक्षर पर दो रन के साथ 50 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। शनाका की उम्दा पारी के बावजूद श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में 112 रन की जरूरत थी जिससे उसकी हार तय हो गई थी। शनाका ने आखिरी ओवर में शमी की पांचवीं गेंद पर चौके के साथ 87 गेंद में दूसरा शतक पूरा किया। इससे पहले चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के पिछले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय में 113 रन की पारी खेलने वाले कोहली एक बार फिर अच्छी लय में दिखे। यहां चार साल पहले हुए एकमात्र एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय में शतक (वेस्टइंडीज के खिलाफ 140) जड़ने वाले भारत के पूर्व कप्तान कोहली का भाग्य ने भी पूरा साथ दिया। उन्हें 52 और 81 रन के स्कोर पर जीवनदान मिले। वह अब महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के विश्व रिकॉर्ड 49 शतक से सिर्फ चार शतक दूर हैं। कोहली के नाम पर अब 73 अंतर्राष्ट्रीय शतक हो गए हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 27 जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय में एक शतक जड़ा है। कप्तान रोहित (67 गेंद में 83 रन, नौ चौके, तीन छक्के) ने फॉर्म में चल रहे इशान किशन और सूर्यकुमार यादव को नहीं खिलाने को लेकर हो रही आलोचना का जवाब देते हुए शुभमन गिल (60 गेंद में 70 रन, 11 चौके) के साथ मिलकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। सपाट पिच पर रोहित को श्रीलंका के तेज गेंदबाजों के खिलाफ कोई परेशानी नहीं हुई। भारतीय कप्तान ने कई पुल शॉट खेले और 41 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। गिल ने कप्तान का अच्छा साथ निभाया और 51 गेंद में अपना पांचवां अर्धशतक पूरा किया। शनाका ने गिल को पगबाधा करके भारत की सलामी जोड़ी के दबदबे को खत्म किया। शतक के सूखे को खत्म करने की कोशिशों में जुटे रोहित भी इसके बाद पदार्पण कर रहे दिलशान मदुशंका की गेंद पर बोल्ड हो गए। श्रीलंका के गेंदबाजों ने इसके बाद कुछ देर रन गति पर अंकुश लगाकर 400 रन से अधिक के स्कोर को भारत की जद से दूर किया। कोहली और श्रेयस अय्यर (28) ने रन गति में इजाफे का प्रयास किया। अय्यर लय में दिखे और उन्होंने हसरंगा पर छक्का जड़ा लेकिन अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। लोकेश राहुल (39) भी अच्छी शुरुआत के बाद रजिता की गेंद पर बोल्ड हो गए। रजिता श्रीलंका के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 88 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

## स्वर्वेद भाष्य

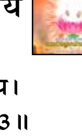


**चतुर्थ मंडल** **सप्तम अध्याय**

**( विरह )**

**रुदन विरह वियोग में, जिन पाया तिन पाय।**
**आशू नयन प्रवाह है, पोछे कवन सहाय॥ 03॥**

**शब्दार्थ :** (रूदन) रोना (वियोग) अलग होना, बिछुड़ना।

**भाष्य :** प्रभु के प्रति उत्कट श्रद्धा होने पर ही उसकी प्राप्ति होती है। वियोग-दु:ख मं रुदन कर एवं आंसुओं की धारा बहने पर ही उस प्रियतन परम प्रभु को कोई पाता है, इसके अतिरिक्त दूसरा कोई सहाय नहीं है। प्रेमी की विरह-ज्वाला के धधकने पर ही वह परमप्रिय प्रभु प्राप्त होता है। विरही एवं निरालंब, एकमात्र प्रभु की आशा में निशिदिन रहता है।

**विरह आग जिनको लगी, बूझत नाहिं बुझाय।**
**विरह लगन में जरि मरे, वा हरि आप बुझाय॥ 04॥**

**शब्दार्थ :** (आप) स्वयं (हरि) परमप्रभु।

**भाष्य :** विरह की अग्नि जिनको लगती है, वह बुझाने पर भी नहीं बुझती। विरह-प्रेम में विरही जल-मर जाता है या स्वयं प्रभु प्रकट हो कर उसकी विरह-ज्वारा को शांत करते हैं।

# जस्टिस के. सिंह बने गौहाटी एचसी के मुख्य न्यायाधीश

**गुवाहाटी।** जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह को गुवाहाटी का नया मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। कानून मंत्रालय के न्याय विभाग ने एक अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना में कहा गया कि जस्टिस कोटिश्वर सिंह 12 जनवरी से अपना कार्यभार संभालेंगे। गौहाटी हाईकोर्ट के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश रश्मिन मनहरभाई छाया 11 जनवरी को रिटायर हो रहे हैं। अधिसूचना में कहा गया, भारत के संविधान के अनुच्छेद 223 द्वारा मिली शक्ति का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय के कर्तव्यों का पालन करने के लिए जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह को गौहाटी हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। जस्टिस कोटिश्वर सिंह 12 जनवरी 2023 से जिम्मेदारी निभाएंगे। जस्टिस कोटिश्वर सिंह का जन्म 1 मार्च 1963 को इंफाल में हुआ था। उनके पिता स्वर्गीय इबोतोंबी सिंह गौहाटी हाईकोर्ट के जज रह चुके हैं। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ में स्कूली शिक्षा और सेंट एंथोनी कॉलेज, शिलांग से विज्ञान में प्री यूनिवर्सिटी कोर्स पूरा करने के बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के किरोड़ीमल कॉलेज से राजनीति विज्ञान में बीए ऑनर्स की डिग्री ली। इसके तीन साल बाद 1986 में उन्होंने कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली यूनिवर्सिटी से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। इसी साल वे वकील के तौर पर नामांकन हुए। उन्होंने 1992 में लंदन विश्वविद्यालय में छह महीने के कॉमनवेल्थ यंग लॉयर्स कोर्स में भाग लिया।

## बच्ची के साथ यौन शोषण करने वाला डॉक्टर गिरफ्तार

**बरपेटा ( हि.स. )।** बच्ची के साथ यौन शोषण करने के आरोप में बरपेटा के एक चिकित्सक को पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बच्ची के परिजनों द्वारा शिकायत मिलने के बाद पोक्सो एक्ट के तहत डॉक्टर शहीदुल इस्लाम को हाउली स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार डॉक्टर मानिकपुर चिकित्सालय का चिकित्सक है। चिकित्सक पर 13 साल की बच्ची के साथ यौन शोषण करने का आरोप लगा है। बच्ची के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस घटना को लेकर चिकित्सक ने कहा कि जमीन-जायदात के लिए उसे झूठे केस में फंसाया गया है। गिरफ्तार डॉक्टर को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से न्यायालय ने उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

# पूर्व विधायक की गिरफ्तारी के संबंध में विशेष पुलिस महानिदेशक का बड़ा खुलाशा

**कोकराझाड़ ( हि.स. )।** एक नया उग्रवादी संगठन बनाने की कोशिश के आरोप में 3 लोगों को कोकराझाड़ पुलिस ने बीते दिनों गिरफ्तार किया था। इस मामले की जांच के लिए मंगलवार को कोकराझाड़ थाने में विशेष पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह पहुंचे थे। मीडिया से बात करते हुए सिंह ने कहा कि पिछले एक महीने से नए सशस्त्र संगठन खोलने के लिए कोशिश कर रहें लोगों का एक इनपुट पुलिस को मिला था। इसके आधार पर पुलिस ने अभियान चलाया और अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार बरामद करने के साथ ही बीपीएफ नेता एवं पूर्व विधायक हितेश बासुमतारी के साथ और दो लोगों को किया गया है। उन्होंने बताया कि नए सशस्त्र संगठन के साथ कई लोगों के शामिल होने की जानकारी भी सामने आई है। साथ ही कहा कि इससे पहले भी एनएलएफबी नामक एक सशस्त्र संगठन का गठन किया गया था। इसके बाद एक स्कॉर्पियो वाहन से पुलिस ने हथियार बरामद किया था। इस मामले की जांच एनआईए को सौंपी गई थी। जिसमें यह तथ्य मिला था कि हथियार की आपूर्ति हितेश बासुमतारी ने की थी। उन्होंने कहा कि इसके सभी दस्तावेजी सबूत मौजूद हैं। जीपी सिंह ने कहा कि बोडो शांति समझौते के मद्देनजर मामले को एनआईए से वापस ले लिया गया। लेकिन उक्त मामले की जांच फिर से पुलिस अधीक्षक को गहराई से करने का निर्देश दिया गया है, क्योंकि इस तरह की घटना फिर से हुई है। इसमें कई लोग शामिल हैं, सभी पर कार्रवाई की जाएगी। जीपी सिंह सोमवार को कोकराझाड़ पहुंचने के बाद 7वीं असम पुलिस बटालियन के मुख्यालय में रहे। ज्ञात हो कि कोकराझाड़ उप पुलिस अधीक्षक नबोनीता शर्मा ने गत शनिवार को बताया था की एक गुप्त सूचना मिली थी कुछ लोग मिलकर एक नया उग्रवादी संगठन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उक्त सूचना के आधार पर 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बोडोलैंड जनजाति सुरक्षा मंच के कार्यकारी अध्यक्ष डाओराव देख्रेव नार्जारी, बीपीएफ के नेता और पूर्व विधायक हितेश बासुमतारी और ऑल बीटीएडी कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम दैमारी के रूप में की गई है। वहीं बीपीएफ नेता और पूर्व विधायक हितेश बासुमतारी के घर से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुआ था। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर शनिवार की दोपहर को कोकराझाड़ की अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने नार्जारी को 14 दिनों के न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। वहीं हितेश बासुमतारी और विक्रम दैमारी को 5 दिनों के लिए पुलिस रिमांड में भेजा गया था।

## पशु तस्करी मामले में शामिल तीन तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में अभियान चलाकर 10 मवेशियों को लेकर जा रहे एक वाहन को जब्त करने के साथ ही तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार की सुबह 5 बजे जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में चौदह माइल इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान बोलोरो पिकअप (एएस-01एलसी-2017) को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहन में अवैध तरीके से 10 मवेशियों को मोरीगांव जिला के मायंग से मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार पशु तस्करों की पहचान महरुद्दीन अली, उमर फारूक और समसुल आलम के रूप में की गई है। गिरफ्तार सभी तस्कर मोरीगांव जिला के मायंग रहने वाले बताए गए हैं। जब्त किए गए वाहन में बड़े ही शातिराना तरीके से सभी पशुओं की तस्करी की जा रही थी। बाहर से देखने से इस तरह का लग रहा था कि वाहन में पानी भरकर जिंदा मछली को मछली बाजार तक ले जाया जा रहा है। जांच में पता चला कि मछली की आड़ में मवेशियों की तस्करी की जा रही थी। पकड़े गए पशु तस्करों ने बताया कि इन दिनों राज्य में नए-नए तरीके से वाहनों में पशु को लाया जा रहा है, ताकि पुलिस को इसका पता न लग सके। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद मवेशियों की तस्करी जारी है।

# असम प्रदेश भाजपा की मुख्य समिति की बैठक आयोजित

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** गुवाहाटी के वशिष्ठ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी भवन में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश की मुख्य समिति की बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली और प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता समेत सभी वरिष्ठ पदाधिकारी एवं वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में भारत माता को नमन करने के साथ भाजपा के आदर्शवादी व्यक्तित्व पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामाप्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाने से जुड़े कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में क्षेत्र के अभूतपूर्व विकास और बेहतर संगठनात्मक कार्य, सुविधाओं के लिए बूथ स्तर पर योजना बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में असम में वाई-20 की बैठक और 24 जनवरी को मोरीगांव में होने वाली भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक को लेकर बारे में भी चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) फणींद्र नाथ शर्मा एवं अन्य प्रमुख सचिव व प्रमुख समिति के सदस्य मौजूद रहे।

## कामरूप जिला विकास समिति की बैठक आयोजित

**रंगिया ( निसं )।** जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे की अध्यक्षता में एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आज कामरूप जिले की जिला विकास समिति ने जनवरी माह की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के प्रमुख उपस्थित थे जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा इस मौके पर जिला के विभिन्न विभागों के क्रियान्वयन अधिकारियों ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में योजना के क्रियान्वयन में विभिन्न अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत में विगत 10 दिसंबर को हुई जिला विकास समिति की बैठक में दर्ज जिले के विभिन्न विकास विभागों को जारी निर्देशों की प्रगति की समीक्षा की गई। संबंधित विभागाध्यक्षों ने अपने विभागों के लिए पिछली बैठकों में जारी निर्देशों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। लोक निर्माण (घर और सड़कें), शिक्षा, रेशम, पर्यावरण और वन, जिला परिवहन विभाग, कृषि, जन स्वास्थ्य तकनीकी, आबकारी, एपीडीसीएल आदि विभाग के अधीन विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। आयोजित इस बैठक में जिले के अंतर्गत लोक निर्माण (गृह) विभाग के बोको-छहगांव-पलाशबाड़ी लोकनिर्माण (गृह) क्षेत्रीय समंडल, जालुकबाड़ी, गुवाहाटी (पश्चिम) लोक निर्माण (गृह) क्षेत्रीय समंडल और कमलपुर-हाजो-रंगिया लोक निर्माण (गृह) क्षेत्रीय समंडल ने भाग लिया। तथा परियोजनाओं की आंत: संगरचना प्रकल्पों की प्रगति का लेखा प्रस्तुत किया। बैठक में विभाग के तहत लागू सिग्नेचर, एसओपीडी, खेल अधोसंरचना, स्वास्थ्य व स्कूल अधोसंरचना की भी समीक्षा की गई।

# रंगिया राइजमेल का वार्षिक उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न

**रंगिया ( निसं )।** राइजमेल का वार्षिक उत्सव दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ ऐतिहासिक कृषक शहीद भवन प्रांगण में 9 व 10 जनवरी को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन 9 जनवरी को रंगिया पौरसभा अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर द्वारा ध्वजारोहण और योगाचार्य ज्योतिष कलिता द्वारा मंगलाचरण पाठ के साथ प्रारंभ किया गया। इसके पश्चात असम के युवा नेता स्व. मोहन चंद्र कलिता को उनके पुत्र और परिवार के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से श्रद्धाजंलि दी गई। तत्पश्चात प्रोफेसर भवेश वैश्य के संचालन में वीर लचित शीर्षक विषय पर संगोष्ठी कार्यक्रम में ददरा उच्च विद्यालय के सेवानिवृत प्राचार्य परेश वैश्य और रंगिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पार्थ फूकन मोहंता संसाधन व्यक्तियों के रूप में उपस्थित रहे। उत्सव के दूसरे दिन यानी 10 जनवरी को सुबह शहीद स्मारक स्तंभ पर दीप प्रज्वलन, श्रद्धांजलि तर्पण के साथ सर्वधर्म प्रार्थना की गई। तत्पश्चात शिल्पी स्वर्गीय मदन लहकर स्मारक आर्ट गैलरी का उद्घाटन उनकी पत्नी माधवी लहकर ने किया। वहीं इसके पश्चात राज्यसभा सांसद भुवनेश्वर कलिता की अध्यक्षता में खुली बैठक का आयोजन किया गया जिसमें असम सरकार की इतिहास और पुरातत्व विभाग की संचालिका अनीता चौधरी ने निर्दिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित होकर मुख्य भाषण दिया। इसके अलावा बैठक में स्वतंत्रता सेनानी कृष्ण लहकर की पत्नी अनु लहकर और असम स्वतंत्रता सेनानी सम्मेलन के सचिव द्विजेंद्र मोहन शर्मा ने भाषण प्रदान किया। रंगिया राइजमेल के सचिव पविन कलिता ने बैठक के उद्देश्यों की व्याख्या की तथा संपादकीय प्रतिवेदन का पाठ किया। योगाचार्य ज्योतिष कलिता कलिता द्वारा संचालित इस कार्यक्रम सांस्कृतिक पेंशनभोगी नरेंद्र शर्मा, दिनेश गोस्वामी, लक्ष्मीकांत मोहंता, पवित्र कलिता, भवेन कलिता, गौरी प्रभा मोहंता, अनिमा ठाकुरिया, डॉ. रुनुमी दत्त डेका, सरस्वती कलिता, बंशीधर कलिता, जब्बर अली, महेश काकोती, ममताज अली, रोबिन गोस्वामी, भुवनेश्वर लहकर, दीपक कलिता और समिति के कई पदाधिकारियों सहित बहुत से गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

## भरलुमुख में सड़क हादसा में बाइक सवार की मौत

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** राजधानी गुवाहाटी में लगातार यातायात हादसों में वृद्धि हो रही है। मंगलवार को गुवाहाटी के भरलुमुख में एक भीषण सड़क हादसा हुआ। भरलुमुख के रेलवे गेट नंबर 7 पर पद्मा बेकरी के पास तेज रफ्तार से आ रहे पानी के टैंकर ने एक बाइकसवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान बाइहाटा चाराली निवासी यादव दास के रूप में हुई है। यादव दास माछखोवा के एक व्यवसायी के यहां सहयोगी के रूप में कार्य करता था। हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस ने केस दर्ज कर टैंकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

## गुवाहाटी फूड अवार्ड्स-2022 के लिए मतदान जारी

**गुवाहाटी ( निसं )।** अंग्रेजी सासाहिक समाचार पत्र और प्रमुख डिजिटल पोर्टल प्लस ने 28 जनवरी, 2023 को विवांता, गुवाहाटी में आयोजित होने वाले गुवाहाटी फूड अवार्ड्स के 8वें संस्करण की घोषणा की। यह अपनी तरह का अनूठा आयोजन है जो गुवाहाटी द्वारा क्षेत्र के तेजी से बढ़ते फूडस्केप में पेश किए जाने वाले पाक प्रसन्नता का जश्न मनाता है। उद्योग में और जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए यह स्थापित और साथ ही उभरते खिलाड़ियों दोनों के लिए अद्वितीय मंच प्रदान कर रहा है। भोजन के प्रति उत्साही लोगों को इस प्रक्रिया में भाग लेने और विभिन्न श्रेणियों के तहत अपने पसंदीदा रेस्तरां के लिए वोट करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। समर्पित वेबसाइट पर जाकर वोटिंग की जा सकती है। गुवाहाटी फूड अवार्ड्स के 8वें संस्करण के बारे में बात करते हुए, प्लस के प्रबंध निदेशक और प्रकाशक सुनीत जैन ने कहा कि पिछले 7 वर्षों में प्लस और गुवाहाटी फूड अवार्ड्स के लिए यह एक शानदार यात्रा रही है। इस वर्ष के पुरस्कारों की थीम-राइज द बार हायर पर खरा उतरते हुए, पुरस्कार का आठवां संस्करण इस वर्ष और भी बड़ा और आकर्षक कार्यक्रम होने का वादा करता है। पिछले कुछ वर्ष एफ एंड बी उद्योग के लिए कोविड महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण रहे हैं लेकिन धीरे-धीरे और लगातार यह खुद को फिर से स्थापित करने में सक्षम हो गया है। गुवाहाटी फूड अवार्ड्स शहर के विविध और तेजी से विकसित हो रहे एफएंडबी उद्योग को समर्पित है। इस वर्ष गुवाहाटी फूड अवार्ड्स को शहर में खाद्य सेवा के पूरे स्पेक्ट्रम को कवर करने वाले 75 से अधिक उद्यमों से 32 पुरस्कार श्रेणियों के तहत 220 से अधिक नामांकन प्राप्त हुए हैं। सार्वजनिक मतदान के आधार पर प्रत्येक श्रेणी के तहत शॉर्टलिस्ट किए गए रेस्तरां में सम्मानित जूरी सदस्यों द्वारा विभिन्न मापदंडों पर उनमें से प्रत्येक का मूल्यांकन करने के लिए दौरा किया जाएगा। सार्वजनिक मतदान और जूरी यात्राओं के संचयी अंकों की गणना की जाएगी और प्रत्येक श्रेणी के तहत शीर्ष विजेताओं को उनकी असाधारण गुणवत्ता और सेवा के लिए 28 जनवरी, 2023 को विवांता, गुवाहाटी में सम्मानित किया जाएगा। गुवाहाटी फूड अवार्ड्स 2022 के एक भाग के रूप में, ग्रेट गुवाहाटी बेक ऑफ भी जनवरी 2023 में आयोजित किया जाएगा, जो गुवाहाटी के सभी होम बेकर्स के लिए होम बेकर ऑफ द ईयर अवार्ड जीतने का अवसर होगा। 8वें गुवाहाटी फूडड अवार्ड्स 2022 का आयोजन ब्लैक एंड व्हाइट (यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड) के सहयोग से किया गया है, सिस्टर मसाला द्वारा सह-प्रायोजित, पुरबी डेयरी (डब्ल्यूएएमयूएल), इंडियन ऑयल के इंडेन, मैजिक कुक एंड गो चीज, नॉलेज पार्टनर इनसाइट ब्रांडकॉम द्वारा समर्थित, हॉस्पिटैलिटी पार्टनर विवांता गुवाहाटी और मीडिया पार्टनर असमिया प्रतिदिन और प्रतिदिन टाइम है।

# रामकथा भाग्यशाली लोगों को ही सुनने मिलती है : विजय कौशल महाराज

**गुवाहाटी ( नंस )।** पलटन बाजार स्थित आशी अप्सरा में आयोजित सात दिवसीय श्रीराम कथा का आज कलश यात्रा से शुभारंभ हुआ। कथा के मुख्य यजमान सत्यनारायण बेडिया बिमला देवी और उमेश बेडीया संजना बेडीया ने लाचित नगर हनुमान मंदिर में राम कथा ग्रंथ की पूजन की एवं कलश यात्रा के साथ रामकथा ग्रंथ को आयोजन स्थल तक लाकर व्यास पीठ पर स्थापना की। कलश यात्रा लाचित नगर उलूबाड़ी होते हुए आशी अप्सरा कथा स्थल तक पहुंची। कथा के प्रथम दिन व्यासपीठ पर विराजमान विजय कौशल महाराज ने कथा के महत्त्व की व्याखा करते हुए कहा कि कथा भगवान का दर्शन कराती है और हमारा बेड़ा पार लगाती है तथा यह बड़े भाग्यशाली युवकों ही मिलती है। इसका श्रवण करना बड़े पुण्य का काम है। कथा के मंडप की ओर उसके ही कदम बढ़ते हैं जिसके कदम भगवान में रम जाते हैं। मनुष्य नाना प्रकार के जंजाल में फंसने से कथा सुनने नहीं जाते हैं। मगर जंजाल कभी खत्म नहीं होता किंतु मनुष्य खत्म हो जाता है। अत: पहले कथा श्रवण को ही प्राथमिकता देनी चाहिए। कलयुग में भगवान दर्शन का सबसे सरल साधन राम कथा है। आज प्रथम दिन श्रोताओं की काफी उपस्थिति देखी गई।

# विश्व हिंदी दिवस समारोह और हिंदी साहित्य संगठन विश्वनाथ जिला इकाई का शुभारंभ

**विश्वनाथ ( निसं )।** विश्वनाथ चाराली शहर के राष्ट्रीय विद्यालय आमबाड़ी में आज प्रात: 11 बजे हिंदी साहित्य संगठन विश्वनाथ जिला इकाई का औपचारिक शुभारंभ और विश्व हिंदी दिवस समारोह का आयोजित किया गया। कवि जमीर अहमद की अध्यक्षता में आयोजित सभा में और संतोष कुमार महतो के संचालन में सर्वप्रथम जिला इकाई का शुभारंभ विश्वनाथ प्रखंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी करुणाकांत भट्ट ने शारदा मां के प्रतिछवि के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद जिला इकाई के निरीक्षक गीता वर्मा ने सरस्वती वंदना के शुरू के साथ वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके बाद उपस्थित महानुभव ने अपने-अपने परिचय पर्व दिया। इस कार्यक्रम में सभा के अध्यक्ष जमीर अहमद, अतिथि के रूप में मौजूद विश्वनाथ चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, वरिष्ठ समाजसेवक हरि प्रसाद ठाकुर, रूपही (नगांव) शिक्षा खंड के प्रखंड संसाधन व्यक्ति सबिता दास, केंद्रीय समिति से पधारे हिंदी साहित्य संगठन बंगाईगांव के संस्थापक सचिव मानव देव, पर्यवेक्षक समर गोवाला, साहित्यकार हरि लुइटैल, राष्ट्रीय विद्यालय एम. ई के प्रधानाचार्य राम चंद्र ठाकुर, राष्ट्रीय विद्यालय आमबाड़ी के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक सूर्य नारायण पांडे, फर्सेआटि एम. ई स्कूल के क्रमश: प्रधानाचार्य नाजिर आहमद, हिंदी शिक्षक ओम् प्रकाश लुइटैल, आमसू केंद्रीय समिति के सैफुद्दीन आहमद, कोमोराकाटि शाखा साहित्य सभा के संपादक व कवि नुर हुसैन, पत्रकार त्रिवेणी बोरा को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। उसके बाद हिंदी प्रेमी पूरबी बोरा और जन्नत कौसर पारवीन ने स्वागत गीत प्रस्तुति दी। इसके बाद केंद्रीय समिति के संस्थापक सचिव मानव देव ने अपने भाषण में संस्थान का कार्यप्रणाली का परिचय विस्तार से परिचय दिया। सभा में अतिथि प्रभुनाथ सिंह, करूणाकांत भट्ट, हरिप्रसाद लुइटैल, सबिता दास, समर गोवाला, सैफुद्दीन आहमद आदि महानुभावों ने विश्व हिंदी दिवस की सभी को बधाई दी और सभी को हिंदी साहित्य के लेखन में आगे बढ़ने के साथ साथ इस संगठन के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर स्थानीय कवियों द्वारा काव्य पाठ का भी आयोजन किया गया, जिसने सबिता दास, सैयदा आनोवारा खातून ओमप्रकाश लुईटेल, पूरबी बोरा, नूर हुसैन ने ने स्वरचित कविताओं के द्वारा सभी को मोहित किया। इस शुभ अवसर पर रूपही शिक्षा खंड के प्रखंड संसाधन व्यक्ति सबिता दास के कृति किनारे पर आकर पहला काव्य-संग्रह को साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, भोपाल ( मध्यप्रदेश) द्वारा अखिल भारतीय अटल बिहारी वाजपेयी(कविता) 2020 से अलंकृत होन पर आज हिंदी साहित्य संगठन विश्वनाथ जिला इकाई ने भी एक चैलेंग चादर और अभिनंदन पत्र से सम्मानित किया। तत्पश्चात विद्यार्थियों के बीच हुए काव्य प्रतियोगिता के विजेता प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया गया। सभा के अध्यक्ष जमीर अहमद ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा सभी को हिंदी साहित्य की लेख आदि पढ़ना चाहिए क्योंकि हिंदी साहित्य देश की आजादी में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस संगठन के उज्जवल भविष्य की कामना की। अंत में सैयदा आनोवारा खातून ने उपस्थित महानुभाव को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक बारेक बेपारी, सैयदा आनोवारा खातुन जिला इकाई सचिव, गीता वर्मा जिला इकाई निरीक्षक, संतोष कुमार महतो जिला इकाई पर्यवेक्षक, आनोवर आलि जिला इकाई सहसचिव, सुधन साहनी जिला इकाई कोषाध्यक्ष, शिक्षक धरित्री राय बरुआ, ज्योति कुमारी दास मौजूद और विद्यार्थी मौजूद थे।

# कंझावला मामला : छठे आरोपित आशुतोष भारद्वाज की जमानत याचिका पर 12 जनवरी को सुनवाई

अजय कुमार

**नई दिल्ली।** दिल्ली के रोहिणी कोर्ट ने कंझावला मामले के आरोपित आशुतोष भारद्वाज की जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दी है। कोर्ट ने 12 जनवरी को जमानत याचिका पर अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। कोर्ट ने इस मामले के छह आरोपितों को 09 जनवरी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। 09 जनवरी को आरोपित आशुतोष ने जमानत याचिका दाखिल की थी। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि घटना में आशुतोष की भूमिका अलग है। वह उस शख्स का हैंडलर है, जिसके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया था कि कार घुमाने वाले रूट के 6 सीसीटीवी फुटेज लिये गए हैं, जिसमें पता चला कि आरोपित दुर्घटना के बाद आगे जाकर उतरे और उन्होंने देखा कि गाड़ी में कोई फंसा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने बताया था कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना की पूरी टाइम लाइन बना ली गई है। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उसने आरोपितों को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की है। इस मामले में एक और गवाह मिला है। फेस रिकॉग्निशन के जरिए सीसीटीवी से चेहरे की पहचान कर रहे हैं। इस पर कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा था कि आप कब तक सीसीटीवी खोजते रहेंगे। अभी और कितना टाइम लगेगा। तब पुलिस ने कहा था कि इस मामले में 20 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने बताया था कि सभी आरोपितों की सुनने की शक्ति की जांच करवाई जाएगी, जिससे पता चल सके कि उनकी आवाज सुनने की क्षमता क्या है। कोर्ट ने 07 जनवरी को सातवें आरोपित अंकुश खन्ना को जमानत दी थी। अंकुश खन्ना आरोपित अमित खन्ना का भाई है। अंकुश खन्ना

को छोड़ कर बाकी छह आरोपित अभी पुलिस हिरासत में है। अंकुश खन्ना को 06 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। 06 जनवरी को कोर्ट ने छठे आरोपित आशुतोष भारद्वाज को तीन दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। आशुतोष को 06 जनवरी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आशुतोष उस कार का मालिक है, जिस कार से घसीटते हुए अंजलि की मौत हुई थी। आशुतोष पर आरोप है कि उसने अन्य आरोपितों को बचाने की कोशिश की। इस मामले का सातवां आरोपित अंकुश खन्ना एक और आरोपित अमित खन्ना का भाई है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में पता चला कि अमित कार चला रहा था और उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। एफआईआर के मुताबिक दीपक ने शुरूआत में पुलिस को बताया था कि वो कार चला रहा था और मनोज मित्तल उसके बगल वाली सीट पर था। अमित, कृष्णा और मिथुन पीछे वाली सीट पर बैठे थे। पुलिस ने इस मामले में 02 जनवरी को आरोपितों मनोज मित्तल, दीपक खन्ना, अमित खन्ना, कृष्णा और मिथुन को गिरफ्तार किया था। इन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी कार से स्कूटी सवार युवती को टक्कर मारी। इसके बाद वे उसे 13 किलोमीटर तक घसीटते हुए ले गए। इस दौरान युवती कार में ही फंसी रही। युवती की सारी हड्डियां चकनाचूर हो गई और उसके तन पर एक भी कपड़ा नहीं बचा। युवती के दोनों पैर, सिर व शरीर के अन्य हिस्से बुरी तरह कुचल गए। पुलिस ने गिरफ्तार किये गए पांच आरोपितों को 02 जनवरी को कोर्ट में पेश किया। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा था कि 31 दिसंबर की रात को हादसा हुआ। 13 किलोमीटर तक बॉडी को गाड़ी से घसीटा गया। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया था कि सीसीटीवी फुटेज निकाला है, जिसमें पेट्रोल पंप और मुरथल का सीसीटीवी फुटेज नहीं मिल सका है। मेडिकल जांच में आरोपितों के शराब पीने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने से मौत का मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) भी जोड़ दी।

# लोन फ्रॉड मामला: चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर जेल से रिहा

**मुंबई, (हि.स.)।** आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को लोन फ्रॉड मामले में हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद मंगलवार को जेल से रिहा कर दिया गया। आज सुबह चंदा कोचर को भायखला महिला जेल से और दीपक कोचर को आर्थर रोड जेल से कानूनी प्रक्रिया पूरा करने के बाद रिहा किया गया। सेंट्रल इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) ने वीडियोकॉन-आ-ईसीआईसीआई बैंक लोन फ्रॉड मामले में कोचर दंपत्ति को 23 दिसंबर, 2022 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद मुंबई की कोर्ट ने कोचर दंपत्ति को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। कोचर दंपत्ति के वकील ने सीबीआई की गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए बाम्बे हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। बाम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को सीबीआई की गिरफ्तारी को गैरकानूनी

बताते हुए कोचर दंपत्ति को रिहा करने का आदेश जारी किया था। दरअसल, सीबीआई का आरोप है कि आ-ईसीआईसीआई बैंक ने वीडियोकॉन के संस्थापक वेणुगोपाल धूत की वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को बैंकिंग विनियमन अधिनियम, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशा-निर्देशों और बैंक की ऋण नीति का उल्लंघन करते हुए 3,250 करोड़ रुपये का लोन मंजूर किया था। यह व्यवहार आईसीआईसीआई की पूर्व सीईओ चंदा कोचर के कार्यकाल में किया गया था। इस मंजूरी के एवज में धूत ने चंदा कोचर के पति दीपक कोचर की कंपनी सुप्रीम एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एसईपीएल) के माध्यम से नूपावर रिन्यूएबल्स में 64 करोड़ रुपये का निवेश किया और 2010 से 2012 के बीच यह रकम हेराफेरी कर पिनेकल एनर्जी ट्रस्ट को स्थानांतरित की गई। इसी मामले में सीबीआई ने चंदा कोचर और दीपक कोचर को गिरफ्तार किया था।

# कोहरे का कर्फ्यू, ठंड का सितम, दिल्ली के सफदरजंग में पारा 6.4

**-आगरा और बठिंडा में दृश्यता शून्य, पालम में 50 मीटर, सड़क, रेल, हवाई यातायात प्रभावित**

आशीष वर्मा

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। पारा कुछ बढ़ने के बावजूद ठंड से राहत नहीं है। इससे दृश्यता घटकर 50 मीटर रह गई और सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हुआ। इस बीच राष्ट्रीय राजधानी में शीतलहर की स्थिति में कमी आई है। सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 3.8 सोमवार के मुकाबले 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पालम वेधशाला में दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई। उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि कोहरे के कारण 39 ट्रेनें एक घंटे से साढ़े पांच घंटे की देरी से चल रही हैं। उपग्रह तस्वीरों में

पंजाब, बिहार, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तक उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में कोहरे की घनी परत दिखाई दे रही है।

नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों के मुताबिक कोहरे और ठंड के कारण कुछ उड़ानें (दिल्ली-काठमांडू, दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-शिमला, दिल्ली-देहरादून, दिल्ली-चंडीगढ़-कुल्लू) विलंबित हुई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आगरा और बठिंडा में मंगलवार सुबह साढ़े 5 बजे दृश्यता शून्य रही। जम्मू, गंगानगर, चंडीगढ़, अंबाला, पटियाला, बरेली, लखनऊ, सुल्तानपुर, गोरखपुर और भागलपुर में 25 मीटर दर्ज की गई। हिसार, बहराइच, गया और पूर्णिया में दृश्यता 50 मीटर रही।

# जेएनयू की पूर्व छात्र नेता शेहला राशिद पर चलेगा राष्ट्रद्रोह का केस, एलजी ने दे मंजूरी

राकेश शर्मा

**नई दिल्ली।** शेहला राशिद पर अब राष्ट्रद्रोह का केस चलेगा। इस संबंध में राज्य सरकार के प्रस्ताव को दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) ने मंजूरी दे दी है। दरअसल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की पूर्व छात्रा शेहला राशिद अपने विवादित बयानों से लगातार सुर्खियों में रही है। 18 अगस्त 2019 को शेहला ने भारतीय सेना को लेकर विवादित बयान दिये थे। इतना ही नहीं, एक के बाद एक कई ट्वीट कर भारतीय सेना के खिलाफ कश्मीरी लोगों पर अत्याचार करने के संगीन आरोप लगाए थे। इन ट्वीट्स को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने शेहला के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज किया था। भारतीय सेना ने शेहला के आरोपों को खारिज कर दिया था। तब से यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है। शेहला पर राष्ट्रद्रोह का केस चलाया जाए या

नहीं, इस संबंध में सरकार द्वारा भेजी गई फाइल पर अब एलजी ने केस चलाने को मंजूरी दे दी है। वहीं, फरवरी 2016 में जब जेएनयू में कार्यक्रम के दौरान देश विरोधी नारे लगे थे। तब शेहला राशिद जेएनयू के उपाध्यक्ष थी और कन्हैया कुमार अध्यक्ष थे। देश विरोधी नारों के आरोप से घिरे कन्हैया को जेल तक जाना पड़ा था, लेकिन शेहला बची रही। वहीं, कन्हैया कुमार समेत विश्वविद्यालय में छात्रों पर आरोप लगने के बाद वह मुखर हो गई थी। पुलिस मुख्यालय से लेकर तमाम जगहों पर प्रदर्शन में वह शामिल रही थी। उसने कई मोर्चों पर कन्हैया कुमार पर लगे आरोपों का खंडन करने के साथ विरोधी गुट के छात्र संगठन को कटघरे में खड़ा किया था। इसकी जांच अभी जारी है। शेहला राशिद ने जेएनयू से पढ़ाई खत्म करने के बाद एनआईटी श्रीनगर से इंजीनियरिंग की। इसके बाद उसने बतौर इंजीनियर नौकरी भी की। नौकरी में रहने के दौरान जल्दी उसका मोहभंग हो गया। फिर वो राजनीति में भी आ गई, लेकिन यहां पर उसे कोई कामयाबी नहीं मिली। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2019 में जब कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने का बिल संसद में पास हुआ तो शेहला ने इसका जमकर विरोध किया था। जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 खत्म किए जाने के बाद कई विवादित बयान दिए थे। वह जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने को लेकर कई मंचों पर विरोध दर्ज दर्ज करा चुकी है।

# राहुल गांधी को पुजारियों से दिक्कत : यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट ने राहुल गांधी के उस वक्तव्य पर कहा कि यह देश तपस्वियों का है पुजारियों का नहीं। फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा कि राहुल गांधी को पुजारियों से दिक्कत होने की बात दर्शाती है कि उन्हें मात्र मौलवियों से ही प्रेम है। क्या कभी राहुल गांधी अपने वक्तव्य में मौलवियों से देश को दिक्कत की बात अपनी जुबान पर ला सकते है ? बार-बार हिंदुत्व का अपमान कांग्रेस की नैया डूबा रहा है। गोयल ने कहा कि प्राचीनतम हिंदू धर्म में तपस्वियों की कभी कमी नहीं रही लेकिन वह भी पुजारियों के आगे नतमस्तक होते थे। राहुल गांधी अपने वक्तव्य जलेबी की तरह गोल मोल देते है। जिनका अर्थ संभवतः उन्हें भी मालूम नहीं होता। वह तथाकथित भारत जोड़ो यात्रा कर रहे है और निरंतर यह कहते नहीं थक रहे कि इस यात्रा का राजनीति से कुछ भी लेना देना नहीं है। उनका प्रत्येक वक्तव्य राजनीति के ऊपर ही होता है। उन्होंने कभी भी स्पष्ट नहीं किया कि उनके अपने संसदीय क्षेत्र केरल में हिंदुओं के ऊपर हो रहे उत्पीड़न के बारे वह क्या बोलेंगे। देश के अन्य आठ राज्यों के बारे जहां हिन्दू अल्पसंख्यक हो रहे है और एक सम्प्रदाय विशेष के अत्याचारों को सहन करने को विवश है, उसके बारे में राहुल गांधी के किसी ब्यान की कोई आशा ही नहीं है क्या भारत जोड़ो यात्रा मात्र एक सम्प्रदाय विशेष के लिए ही है।

# जामनगर हवाईअड्डे से रूस का विमान रवाना, बम की बात अफवाह निकली

**-एनएसजी की दो टीमों ने की जांच**

**-उड़ान में 236 यात्री व 8 क्रू सदस्य**

**अहमदाबाद, (हि.स.)।** मास्को से गोवा जा रहे विमान में बम की बात अफवाह निकली। सोमवार रात 9.30 बजे विमान को आपात लैंडिंग में जामनगर वायुसेना बेस पर उतारा गया था। गोवा एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को विमान में बम होने संबंधी ई-मेल भेजा गया था। इसके बाद विमान को जामनगर में ही आपात परिस्थिति में उतार गया। विमान में 236 यात्री और 8 क्रू सदस्य थे। सभी को विमान से बाहर निकालने के बाद विमान और यात्रियों के सामान की गहराई से जांच की गई। कई स्तरों की जांच के बाद जब विमान से कुछ नहीं निकला तो यात्रियों के साथ विमान को मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे गोवा के लिए रवाना कर दिया गया। नई दिल्ली स्थित रशियन दूतावास के अधिकारी के अनुसार भारतीय अधिकारियों ने मास्को से गोवा जा रही अझुर एयर की उड़ान में बम संबंधी जानकारी से दूतावास को सतर्क किया था। अधिकारी के अनुसार विमान की जामनगर के वायुसेना बेस पर आपात लैंडिंग की गई थी। गोवा पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मास्को से उड़ान भरने के बाद विमान डेम्बोलिम हवाईअड्डे

पर उतारना था। परंतु बम की आशंका से इसे जामनगर की ओर मोड़ दिया गया था। जानकारी के अनुसार जामनगर वायुसेना के एयरबेस पर विमान के उतरने के बाद इसे सर्वप्रथम यात्रियों से खाली कराया गया। नेशनल सिक्युरिटी गार्ड (एनएसजी) की दो टीमों ने पूरी रात विमान की तलाशी लेने के बाद जब इसे सुरक्षित पाया तो विमान के रवाना होने संबंधी अनुमति दी। इसके अलावा स्थानीय प्रशासन एम्बुलेंस गाड़ियों, दमकल समेत सभी आपदा प्रबंधन के उपायों के साथ रातभर तैनात रहा। सुबह एनएसजी ने बम संबंधी बात को अफवाह बताया, इसके बाद क्लिरेंस मिलने पर रशियन विमान को मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे विमान को यात्रियों के साथ उसके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। इधर जामनगर के कलक्टर सौरभ पारघी ने सोशल मीडिया के जरिए संदेश दिया कि फ्लाइट में बम संबंधी जानकारी मिलने पर मास्को-गोवा फ्लाइट को जामनगर एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। हालांकि बम की बात अफवाह निकली, जिसके बाद विमान को रवाना कर दिया गया।

# जल्द ही उपलब्ध होने वाला है बूस्टर डोज के रूप में कोवेक्स टीका: पूनावाला

**- सिरम इंस्टीट्यूट अब तक बना चुकी है 160 तरह के टीके**

**पुणे, (हि.स.)।** सिरम इंस्टिट्यूट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने कोरोना के विभिन्न वेरिएंट के लिए बूस्टर डोज के रूप में तैयार किए गए कोवेक्स टीके को इसी सप्ताह डीसीजीआई से मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई है। इंस्टिट्यूट के अदार पूनावाला के अनुसार दुनिया भर में कोविड का नया वेरिएंट बीएफ.7 लोगों को संक्रमित कर रहा है। देश में भी इसके कुछ मामले सामने आए हैं। इसके लिए सिरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने भारत सरकार के औषधि नियामक से कोवेक्स की एक खुराक वाली बूस्टर डोज को बाजार में उतारने के लिए मंजूरी मांगी थी। इसे लेकर डीसीजीआई की ओर से किए गए सवालों के जवाब दे दिए गए हैं, संतुष्ट होने के बाद अब जल्द ही इसे बूस्टर डोज के रूप में स्वीकृति मिलेगी। पूनावाला ने कहा कि सिरम

इंस्टीट्यूट ने विभिन्न रोगों के लिए 160 तरह के टीके तैयार किये हैं, इसलिए विश्व का हर देश अब भारत की ओर टकटकी लगाए हुए है। हमने कोरोना संकट में भी इतने बड़े देश की आबादी को सुरक्षित रखा और विश्व के कई देशों को भारत सरकार ने कोरोना टीकों की आपूर्ति की। आज भी चीन कोरोना संकट से उबर नहीं पा रहा है, लेकिन हमारा देश हर समय अलर्ट मोड पर है।

**एनआईवी ने भी कहा था डरने की बात नहीं -** नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वायरोलॉजी की मुख्य कार्यकारी निदेशक डॉ. प्रभा अब्राहम पहले ही कह चुकी हैं कि वेरिएंट बीएफ.7 का परीक्षण कर लिया गया है, देशवासियों को इससे कोई खतरा नहीं है। कोरोना वैक्सीन की दो डोज लेने वाले बूस्टर डोज के रूप में टीका अवश्य लगवा लें। देश के लोगों में मजबूत हाइब्रिड इम्यूनिटी बनी हुई है।

# दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 418

अजय त्यागी

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में ठंड के साथ प्रदूषण ने लोगों की मुसीबत बढ़ा दी है। मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 418 दर्ज किया गया। यह गंभीर श्रेणी में आता है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए दिल्ली सरकार ने राजधानी में डीजल से चलने वाली गाड़ियों पर शुक्रवार तक रोक लगा दी है। यानी ग्रैप चार की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। उल्लेखनीय है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक स्तर 0-50 तक बेहतर माना जाता है। 51-100 तक संतोषजनक, 101-200 तक सामान्य, 201-300 तक खराब, 301-400 तक बेहद खराब और 400 से पार बेहद गंभीर माना जाता है। हवा में पीएम10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 60 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

# वाराणसी पहुंचा गंगा विलास क्रूज, प्रधानमंत्री 13 जनवरी को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

**वाराणसी, (हिस.)।** कोलकाता से 22 दिसंबर को चला गंगा विलास क्रूज घने कोहरे और खराब मौसम के बीच मंगलवार दोपहर में वाराणसी पहुंच गया। क्रूज ने रामनगर में लंगर डाल दिया। 12 जनवरी की रात गंगा विलास क्रूज रविदास घाट पहुंच जाएगा। 13 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली इसे हरी झंडी दिखाकर डिब्रूगढ़ के लिए रवाना करेंगे। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक गंगा विलास क्रूज को बनारस सोमवार को ही आना था, लेकिन घने कोहरे और खराब मौसम के कारण इसे राजघाट पुल से लगभग आठ किलोमीटर पहले जनपद चंदौली के रौना गांव के समीप रोक दिया गया था। मौसम साफ होने पर इसे

मंगलवार को वाराणसी के लिए रवाना किया गया। क्रूज 32 स्विस पर्यटकों को लेकर 13 जनवरी को वाराणसी से डिब्रूगढ़ के लिए रवाना होगा। 3200 किलोमीटर के इस लंबे सफर में क्रूज उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश और असम होते हुए कुल 27 नदियों से गुजरेगा। लगभग 51 दिन में क्रूज डिब्रूगढ़ पहुंचेगा। क्रूज में पर्यटकों के रहने के लिए कुल 18 सुइट्स हैं। साथ में एक 40 सीट का रेस्टोरेंट, स्पा रूम और 3 सनडेक हैं। साथ में म्यूजिक की भी व्यवस्था है। गंगा विलास क्रूज का संचालन अंतरा लग्जरी रिवर क्रूज सर्विस करेगा।

# आतंकी हमलों के सिलसिले में अब तक 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया

**- आतंकियों को पकड़ने के लिए नौवें दिन भी व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया**

**जम्मू, (हि.स.)।** राजौरी के डांगरी गांव में अल्पसंख्यक समुदाय पर हमले के सिलसिले में पूछताछ के लिए अब तक 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। हमले में शामिल आतंकियों को पकड़ने के लिए नौवें दिन भी व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एक जनवरी को हुए आतंकी हमले में सात लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि हमले के बाद प्रशासन ने संभावित घुसपैठ मार्गों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए स्थानीय स्वयंसेवकों और सीमा ग्रिड वाले ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न स्थानों पर पुलिस ने पोस्टर भी लगाए हैं, जिसमें आतंकियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी देने वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है। अधिकारियों ने कहा कि सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने दो दर्जन से अधिक गांवों में संयुक्त घेरा बनाकर

तलाशी अभियान चला रखा है, जहां हमले से पहले आतंकियों की मौजूदगी की खबरें थीं। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर पुलिस की विशेष अभियान टीमों को भी निर्धारित स्थानों पर तैनात किया गया है। पुलिस के साथ सीआरपीएफ के अतिरिक्त जवानों को संवेदनशील इलाकों में निगरानी मजबूत करने के लिए तैनात किया गया है। राजौरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद असलम ने कहा कि डांगरी हमले में शामिल आतंकियों को मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि चल रहे अभियान के दौरान अब तक 50 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और आतंकियों के साथ उनके संबंधों को लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिससे लगभग स्पष्ट है कि हमले को अंजाम देने से पहले आतंकी कस्बे में मौजूद थे। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना ने मंगलवार सुबह सुंदरबनी सेक्टर में महादेव मेनका फायरिंग रेंज में स्वयंसेवकों के लिए एक विशेष फायरिंग अभ्यास सत्र आयोजित किया। इसी बीच डांगरी गांव में पूर्व सैनिकों को 40 एसएलआर राइफलें दी गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि एलओसी के सीमावर्ती गांवों के 50 से अधिक स्वयंसेवकों ने फायरिंग अभ्यास सत्र में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सेना के हथियार संचालकों और शूटिंग विशेषज्ञों ने स्वयंसेवकों के सामने हथियारों के उचित उपयोग का प्रदर्शन किया, जिन्होंने बाद में गोलीबारी का अभ्यास किया।

# मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश, बिजली बिल बकाये पर नहीं काटेंगे किसानों के बिजली कनेक्शन

**-निराश्रित गोवंश की समस्या का हो रहा स्थायी समाधान, सांसद-विधायक भी करें सहयोग : मुख्यमंत्री**

**लखनऊ, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के सांसद व विधायकों के साथ क्षेत्र में संचालित विकास परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि कुछ जिलों में बकाया बिल के चलते किसानों के बिजली कनेक्शन काटे गए हैं। यह ठीक नहीं है। बकाया बिल की वजह से किसानों के बिजली कनेक्शन कतई नहीं काटे जाने चाहिए। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को क्षेत्रीय जनभावनाओं से अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल निर्णय के लिए अधिकारियों को निर्देशित भी किया। इससे पूर्व विगत दिवस सहारनपुर, आजमगढ़, झांसी और मुरादाबाद मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ भी विकास परियोजनाओं की समीक्षा की थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने समग्र विकास के लिए, हमें "रिफॉर्म, परफॉर्म ट्रांसफॉर्म" का मंत्र दिया है। इस मंत्र को अपनी कार्ययोजना में उतारने का ही परिणाम है कि बीते साढ़े पांच साल में प्रदेश की अर्थव्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है। देश-विदेश के निवेशकों के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्य के रूप में उत्तर प्रदेश की पहचान है। आज देश-दुनिया के निवेशक उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए उत्साहित हैं। यह बदलाव हमारे प्रदेश, हमारे युवाओं के स्वर्णिम भविष्य की राह बनाने वाला है। उन्होंने कहा कि आगामी 10-12 फरवरी तक "उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर समिट" का आयोजन किया

जाना प्रस्तावित है। इस विशेष आयोजन के दृष्टिगत देश-दुनिया के निवेशकों को आमंत्रित करने गई "टीम यूपी" को जगह उद्योग जगत की ओर से 12 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।

वर्ष 2027 तक प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की पूर्ति में यह इन्वेस्टर्स समिट सहायक होगा। हाल के दिनों में कुछ जिलों ने जनपदीय इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन कर अपने जनपद में हजारों करोड़ के निवेश प्राप्त किए। ऐसा ही प्रयास सभी जिलों में किया जाना चाहिए। जनप्रतिनिधि जनपदीय इन्वेस्टर्स समिट को नेतृत्व दें। हर जनपद में संभावनाएं हैं। सभी सांसद-विधायक गण अपने क्षेत्र के उद्यमियों, व्यापारियों, प्रवासी जनों से संवाद-संपर्क बनाएं। उन्हें प्रदेश सरकार की औद्योगिक नीतियों, सेक्टोरल पॉलिसी की जानकारी दें। अपने क्षेत्र के पोटेंशियल का परिचय दें और निवेश के लिए प्रोत्साहित करें। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से यह इन्वेस्टर्स समिट नई ऊंचाइयों को छूने वाला होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद-विधायक जिला प्रशासन, औद्योगिक विकास विभाग, इन्वेस्ट यूपी और मुख्यमंत्री कार्यालय का सहयोग लेते हुए प्रदेश सरकार की नई औद्योगिक नीतियों का व्यापक प्रचार प्रसार करें। स्थानीय विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई में युवाओं के बीच इन पर परिचर्चा कराई जाए। जनप्रतिनिधि इन कार्यक्रमों में प्रतिभाग करें। सांसद-विधायक क्षेत्र में संचालित विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करते रहें। यह योजनाएं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की छवि निर्माण में सहायक हैं। गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने में जनप्रतिनिधियों का योगदान करना होगा। तकनीकी क्रांति के इस दौर में सोशल मीडिया, संवाद का बेहतरीन माध्यम बन कर उभरा है। सभी सांसद, विधायकों को इस मंच का उपयोग करना चाहिए। केंद्र व राज्य सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं, औद्योगिक नीतियों, रोजगारपरक कार्यक्रमों के बारे में सकारात्मक भाव से सोशल मीडिया मंच पर अपनी राय रखनी चाहिए। जनता से संपर्क-संवाद बनाने में यह मंच अत्यंत उपयोगी है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आज पावन अयोध्या, काशी और मथुरा अपने पुरातन वैभव के साथ वैश्विक पटल पर प्रतिष्ठा प्राप्त कर रही है। जनभावना के अनुरूप राज्य सरकार ने मथुरा में ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन कर मथुरा-वृंदावन के समग्र विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। ब्रज क्षेत्र का विकास हमारी प्राथमिकता में है। स्थानीय सांसद व विधायक गण विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करते रहें। ब्रज क्षेत्र में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के सुदृढ़ीकरण की कार्ययोजना को पूरी तत्परता से समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। परिक्रमा पथ से जुड़े गांवों में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए, जनप्रतिनिधियों को भी प्रयास करना चाहिए। शासन स्तर से भी इस संबंध में कार्य किया जाएगा। प्रदेश में संचालित निराश्रित गो-आश्रय स्थलों में आज नौ लाख से अधिक गोवंश संरक्षित किये गए हैं। गोवंश पालन के इच्छुक किसानों को 900 रुपये प्रतिमाह दिए जाने की योजना के भी अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। सांसद, विधायक ऐसी योजनाओं में रुचि लेते हुए आम जन को इससे जोड़ने का प्रयास करें। निराश्रित गोवंश के बेहतर संरक्षण के लिए आश्रय स्थलों की क्षमता वृद्धि भी की जा रही है। हम विकास खंड स्तर पर बड़े गोवंश आश्रय स्थल भी तैयार करा रहे हैं। सांसद-विधायक को इस परियोजना के लिए भूमि की उपलब्धता के लिए सहयोग करना चाहिए। योगी ने कहा कि जनभावना का सम्मान करते हुए आगरा में छत्रपति शिवाजी स्मारक की स्थापना कराया जाना चाहिए। सांसद व विधायक गणों को इस संबंध में संस्कृति विभाग व जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए बेहतर कार्ययोजना तैयार करानी चाहिए। राज्य सरकार से हर संभव सहयोग दी जायेगी। अन्नदाता किसानों का हित संरक्षण सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। बिजली बिल भुगतान न होने के कारण किसी भी किसान का विद्युत कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। इस संबंध में पॉवर कॉर्पोरेशन द्वारा स्पष्ट आदेश जारी किए गए हैं। कुछ क्षेत्रों से कनेक्शन काटे जाने की सूचना मिली है। यह स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इसका संज्ञान लेते हुए दोषी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की स्पष्ट मंशा है कि थाना व तहसील दिवसों पर आने वाली शिकायतों का समुचित समाधान हो। जनप्रतिनिधि स्वयं यहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करें। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यहां आने वाली शिकायतों का समय-सीमा के भीतर निस्तारण हो। मुख्यमंत्री कार्यालय स्तर से इसकी समीक्षा की जा रही है।

## आगामी 15 जनवरी से शुरू होगा शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान

- शहरी क्षेत्रों में छह दिन तक चलेगा नियमित टीकाकरण, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की तैयारी
- नियमित टीकाकरण कवरेज बढ़ाने को लेकर शासन ने जारी किए आदेश

**औरैया, (हि.स.)।** शिशुओं को 12 विभिन्न जानलेवा बीमारियों से बचाव को लेकर संचालित किए जाने वाले नियमित टीकाकरण में ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले शहरी क्षेत्रों के कवरेज में कमी आई है। इसका खुलासा नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे चार एवं पांच में हुआ है। लिहाजा स्वास्थ्य विभाग ने शहरी क्षेत्रों के कवरेज को बढ़ाने के लिए 15 जनवरी से प्रतिदिन नियमित टीकाकरण सत्र संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने आदेश भी जारी कर दिया है। अवकाश के दिन में टीकाकरण कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को एक दिन का प्रतिकर अवकाश मिलेगा। शासन के निर्देश जारी होते ही विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। अभी तक बुधवार, शनिवार को ही नियमित टीकाकरण होता रहा है। बीच-बीच में कवरेज को सुधारने के लिए विशेष अभियान भी चलते रहे हैं। इस सबके बावजूद शहरी क्षेत्रों के कवरेज में कमी आई है, जिससे शासन चिंतित है। प्रमुख सचिव द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि जिला महिला, संयुक्त पुरुष अस्पताल एवं शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सप्ताह में रविवार से शनिवार तक सुबह आठ बजे से अपराह्न दो बजे तक नियमित टीकाकरण सत्र आयोजित किया जाएगा। रविवार को स्थापित सत्र स्थल पर सहयोग देने वाले कर्मचारियों को सोमवार को प्रतिकर अवकाश अनुमन्य होगा। समस्त शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रत्येक सप्ताह छह दिवसों, मंगलवार से रविवार तक टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे। सत्रों का समय ग्रीष्म एवं शरद ऋतु में चिकित्सालय ओपीडी के समय के अनुरूप होगा। टीकाकरण को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म का भी प्रयोग किया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि सहयोगी संस्थाओं आईसीडीएस, शहरी स्थानीय निकाय, डूडा, सूडा आदि के प्रतिनिधियों, श्रमिक संगठनों एवं व्यापार मंडल आदि से भी सहयोग लेकर अधिक से अधिक लाभार्थियों को टीकाकरण सत्र स्थल पर आमंत्रित किया जाए। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ.राकेश सिंह ने बताया कि शासन के आदेशों पर अमल की तैयारी शुरू करा दी गई है। 15 जनवरी रविवार को जनपद के समस्त अर्बन क्षेत्रों में नियमित टीकाकरण की शुरूआत होगी, जो छह दिनों तक चलेगा।

## दत्तात्रेय होसबाले पहुंचे लखनऊ, संघ पदाधिकारियों के साथ करेंगे बैठक

**लखनऊ, (हि.स.)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सात दिवसीय सांगठनिक प्रवास पर मंगलवार को लखनऊ पहुंचे। इस प्रवास के दौरान वह अवध प्रान्त, गोरक्ष प्रान्त और काशी प्रान्त की कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेंगे। संघ के अवध प्रान्त के प्रान्त प्रचार प्रमुख डॉ. अशोक दुबे ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि सरकार्यवाह होसबाले 10-16 जनवरी तक पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के प्रवास पर हैं।

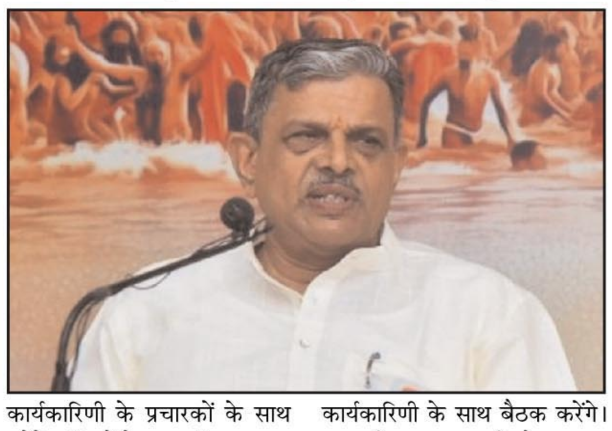

मंगलवार को लखनऊ के राजेन्द्र नगर स्थित संघ कार्यालय भारती भवन में सरकार्यवाह की दो बैठकें प्रस्तावित हैं। एक बैठक वह क्षेत्र कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ और दूसरी बैठक वह क्षेत्र कार्यकारिणी के प्रचारकों के साथ करेंगे। डॉ. दुबे ने बताया कि 11, 12 एवं 13 जनवरी को सरकार्यवाह काशी और गोरक्षप्रांत के प्रवास पर रहेंगे। इसके अलावा 14 को लखनऊ में अवध प्रान्त की प्रान्तीय कार्यकारिणी के साथ बैठक करेंगे। सरकार्यवाह 15 जनवरी को लखनऊ सीएमएस में लखनऊ के कार्यकर्ताओं के साथ मकर संक्रान्ति कार्यक्रम में रहेंगे। 16 जनवरी को प्रबुद्धजनों से अनौपचारिक भेंट का कार्यक्रम है।

## कांस्टेबल जीडी-फायरमैन के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जल्द होगा जारी

**लखनऊ, (हि.स.)।** उत्तर प्रदेश के उन नवजवानों के लिए खुशखबरी है, जो पुलिस में भर्ती होना चाहते हैं। राज्य सरकार उप्र पुलिस में कांस्टेबल जीडी और फायरमैन के कुल 35,700 रिक्त पदों पर भर्ती करने जा रही है। इसके लिए यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती नोटिफिकेशन-2023 जल्द ही जारी किया जाएगा। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, राज्य सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने इसकी जानकारी कुछ दिन पहले ही एक ट्वीट के जरिए दी थी। मंत्री के इस ट्वीट के बाद नौजवानों को यह उम्मीद है कि उप्र पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2023 की तैयारियां जोरों पर हैं। उप्र पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए आवेदनकर्ताओं को कम से कम बारहवीं पास होना चाहिए। फायरमैन पदों के लिए 12वीं पास होने के साथ जरूरी पात्रता भी होनी चाहिए। उप्र पुलिस में कांस्टेबल पद के लिए सामान्य, ओबीसी, एससी, एसटी वर्ग के उम्मीदवारों की लम्बाई कम से कम 168 सेंटीमीटर होनी चाहिए। एसटी वर्ग के उम्मीदवारों की लंबाई कम से कम 160 सेंटीमीटर होनी चाहिए। यूपी पुलिस भर्ती-2023 के नोटिफिकेशन में इससे जुड़ी सारी जानकारी मिलेगी।

## एमएलसी चुनाव : सपा ने दो उम्मीदवार किए घोषित

**लखनऊ, (हि.स.)।** उत्तर प्रदेश में आगामी विधान परिषद (एमएलसी) के चुनाव के लिए नामांकन पांच जनवरी से जारी है। नामांकन की अंतिम तारीख करीब आता देख प्रदेश की प्रमुख विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) ने भी मंगलवार को अपने दो उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया। सपा ने बरेली-मुरादाबाद स्नातक क्षेत्र और कानपुर-उन्नाव क्षेत्र से अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित करते हुए चुनाव मैदान में उतारा है। सपा ने बरेली-मुरादाबाद स्नातक क्षेत्र के लिए शिव प्रताप यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। उनके सामने यहां से भाजपा के उम्मीदवार जयपाल सिंह व्यस्त को चुनौती देंगे।

सपा उम्मीदवार के मंगलवार को ही नामांकन करने की बात कही जा रही है। इसी तरह कानपुर-उन्नाव स्नातक क्षेत्र से भी सपा ने एमएलसी चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार उतार दिया है। यहां सपा ने डॉक्टर कमलेश यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। वे भाजपा उम्मीदवार वेणु रंजन भदौरिया को टक्कर देंगे। सपा उम्मीदवार 11 जनवरी को नामांकन कराने की बात पार्टी पदाधिकारियों द्वारा कराए जाने की बात कही जा रही है। पदाधिकारियों का कहना है कि वे सरसैया घाट पर इकट्ठा होकर नामांकन के लिए जाएंगे।

## बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, 8 अपराधी गिरफ्तार

**रामगढ़ शहर से चोरी हुई 13 बाईक पुलिस ने की बरामद**

**रामगढ़, (हि.स.)।** पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने बड़ी समझदारी के साथ आठ बाइक चोर को गिरफ्तार किया। साथ ही उनकी निशानदेही पर चोरी की गई 13 बाइक को भी बरामद कर लिया है। इस मामले की पुष्टि मंगलवार को एसडीपीओ किशोर कुमार रजक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की है। एसडीपीओ कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया कि विगत कुछ महीनों से मोटर साईकिल चोरी, महिलाओं से पर्स छिनतई की घटनाओं में हो रही वृद्धि को देखते हुए एसपी के द्वारा एक छापामारी दल का गठन किया गया था। एसडीपीओ ने बताया कि बाइक चोर को पकड़ने के लिए ड्यूटी में छापेमारी कर रही थी। एक टीम महिलाओं से पर्स छिनतई की घटनाओं के उद्भेदन के लिए तथा दूसरी टीम चोरी गई बाइक की बरामदगी के लिए मशक्कत कर रही थी। सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर कैथा मोड़ के पास से दो संदिग्ध व्यक्तियों को मोटरसाईकिल सहित पकड़ा गया। इसके द्वारा रामगढ़ थाना कांड 07/23, 8/23, 11/23 में अपनी संलिप्ता स्वीकार करते हुए

अपने साथी एवं कांड में प्रयोग किये दो बिना नम्बर का प्लसर मोटरसाईकिल तथा छिने गये पर्स, मोबाईल आदि को बरामद कराया गया। इसी क्रम में रामगढ़ थाना कांड संख्या-09/23 में चोरी की बाइक के साथ पकड़े गये अभियुक्त के द्वारा अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रामगढ़ के विभिन्न जगहों से चोरी की मोटर साईकिल को अपने एसडीपीओ ने बताया कि अपराधियों की निशानदेही पर कुज्जू ओपी के आजाद बस्ती, केबी गेट, गीतांजलि सिनेमा हॉल, कुज्जू चौक तथा रामगढ़ थाना क्षेत्र के दुसाध मुहल्ला में छापामारी कर चोरी की कुल नौ बाइक बरामद किया गया। साथ ही मोटर साईकिल चोरी करने के लिए प्रयोग किये सामानों को भी बरामद कर जब्त किया गया है। रामगढ़ एसडीपीओ ने बताया कि बाइक चोर गिरोह में शामिल कुज्जू ओपी क्षेत्र के आजाद बस्ती निवासी मोहम्मद हुसैन उर्फ बिट्टू, मोहम्मद तबरेज खलीफा, मोहम्मद परवेज उर्फ पिंकू, कुज्जू ओपी के पुराना बाजार टांड़ निवासी शहजाद हुसैन उर्फ बबलू तथा रामगढ़ शहर के दुसाध मोहल्ला हनुमान मंदिर के पास रहने वाले सोनू कुमार पासवान उर्फ डोडी शामिल है। इसके अलावा छिंताई गिरोह में शामिल कुज्जू ओपी क्षेत्र के सांडी निवासी दीपक कुमार, दरवारा होटल सीएन कॉलेज के पास रहने वाले कमलेश चौधरी तथा रांची रोड से हटा बस्ती रमता निवासी राहुल करमाली उर्फ कोका को गिरफ्तार किया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस ने महिलाओं से छीनी गई पर्स भी अपराधियों के पास से जब्त किया है। चार लेडीज पर्स पुलिस को मिला है। इसके अलावा बाइक को खोलने वाली मास्टर की, स्टैपलर्स, पेचकस आदि सामान भी जब्त हुआ है। उन्होंने बताया कि बरामद पर्स में से पैसे तो गायब थे। लेकिन महिलाओं के आधार कार्ड व अन्य डाक्यूमेंट्स उसी में रखे हुए मिले, जिससे उसकी पहचान हो पाई है।

## गुमला में भाजपा नेता पर कातिलाना हमला, स्थिति नाजुक

**गुमला, (हि.स.)।** जिले के पालकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत रोकेडेगा में भाजपा नेता और पालकोट के पूर्व मंडल अध्यक्ष सुमित केसरी को सोमवार रात अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उनके चेहरे पर पहले पत्थर से प्रहार किया गया, फिर उन्हें गोली मारी गई। गंभीर रूप से घायल हालात में उन्हें देर रात सदर अस्पताल लाया गया। यहां प्राथमिक इलाज के बाद रांची रेफर कर दिया गया। उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमित केसरी सोमवार रात पालकोट स्थित अपने फ्लाई ऐश प्लांट में थे। करीब साढ़े नौ बजे दो अज्ञात हथियारबंद प्लांट में आ धमके। इन्होंने सुमित और उनके भतीजे को पकड़ लिया और कुछ दूर ले जाकर मारपीट किया। इसके बाद सुमित के भतीजे को वहां से भगा दिया। साथ ही सुमित को पकड़कर रोकेडेगा मोड़ के पास ले गए। सुमित के चेहरे पर पत्थर से वार करने के

बाद उसे शरीर में गोली मार दिया। इधर, पालकोट वासियों ने पुलिस महकमे को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि 24 घंटे के अंदर अपराधियों को नहीं पकड़ा गया तो अनिश्चितकालीन पालकोट बंद रहेगा। भाजपा नेताओं ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस राज्य में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। नेताओं ने पुलिस प्रशासन से अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की है। फिलहाल, पालकोट पुलिस वारदात की जांच-पड़ताल कर रही है।

## झारखंड के मधुबन में पारसनाथ के मुद्दे पर आदिवासियों की महाजुटान रैली

**गिरिडीह, (हि.स.)।** जिले के मधुबन में मंगलवार को मरांग बुरु धर्मक्षेत्र की रक्षा एवं अधिकार को लेकर पारसनाथ बचाओ आंदोलन के बैनर तले आदिवासी-मूलवासियों की महाजुटान रैली हुई। रैली के मद्देनजर जिला एवं पुलिस प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये थे, जिसकी मॉनिटरिंग जिला मुख्यालय से भी की जा रही थी। रैली को देखते हुए मधुबन बाजार बंद रहा। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती थी। रैली की अगुवाई विभिन्न राजनैतिक दलों के स्थानीय आदिवासी नेता कर रहे थे। इनमें सालखन मुर्मू, लोबिन हेम्ब्रम, सिकंदर हेम्ब्रम, अर्जुन मरांडी और अरविन्द किस्कू प्रमुख रहे। रैली मधुबन फुटबॉल मैदान से निकल कर बाजार का भ्रमण करते हुए पर्वत मार्ग तक गई। यहां केन्द्र सरकार और झारखंड सरकार का

पुतला दहन किया गया। इस दौरान आदिवासी नेताओं ने आरोप लगाया कि दोनों सरकारें आदिवासियों की भावनाओं की उपेक्षा कर रही हैं। रैली में झारखंड समेत देश के कई भागों से आए आदिवासियों ने कहा कि पारसनाथ क्षेत्र उनके आराध्य धर्मगुरु मरांग बुरु जाहेर स्थल है। इसका उल्लेख सन 1956 के बिहार-हजारीबाग गजट में है। आदिवासी नेताओं ने कहा कि आदिवासियों का यह क्षेत्र पवित्र स्थल है। यहां फागुन माह की पहली तिथि को विशेष पूजा-अर्चना होती है, जिसमें भारत, बांग्लादेश और भूटान समेत अन्य देशों से समाज के लोग भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग शिखरजी को अपना बताने पर आमादा हैं वह सही नहीं है। रैली में बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न इलाकों से आदिवासी समाज के लोगों का जुटान हुआ। इसमें कई गैर आदिवासी संगठनों के लोग भी शामिल हुए।

## समस्याओं के साथ राजनीतिक गफलत भी मिटा रही समाधान यात्रा : विजय चौधरी

**पटना, (हि.स.)।** वित्त मंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समाधान यात्रा कई मायने में महत्वपूर्ण एवं प्रभावकारी साबित हो रही है। कई जिलों में संपन्न हो चुके यात्रा से इसकी प्रासंगिकता एवं प्रभाव दोनों दिखने लगे हैं। इससे पूर्व से चल रही ग्रामीण इलाकों में जनहित की योजनाओं में कमियों या दिक्कतों का समाधान हो रहा है और जहां योजनाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता महसूस होती है तो उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में निदान की व्यवस्था भी होती है। विजय चौधरी ने कहा कि इसके अलावा ग्रामीण इलाके में कमजोर वर्गों सहित आम लोगों के

उत्साहवर्धक स्वागत, उनके नीतीश कुमार के नेतृत्व के प्रति बरकरार आस्था-भरोसा के साथ महा गठबंधन की स्वीकार्यता का भी परिचय देते हैं। इस यात्रा पर भाजपा नेताओं की नकारात्मक प्रतिक्रिया भी इसकी सफलता को ही इंगित करती है। इस तरह पिछले दिनों विपक्षी दल के सियासी गफलत का भी समाधान हो रहा है।

## आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार में भाजपा का होगा सफाया

**भागलपुर, (हि.स.)।** आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार में भाजपा का सफाया हो जायेगा। उक्त बातें भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राज्य सभा सांसद अखिलेश सिंह ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान नवगछिया के खगड़ा स्थित एक निजी होटल में कही। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में समाज के सभी वर्गों के लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। खासकर युवाओं, महिलाओं और

मजदूरों का झुकाव कांग्रेस की ओर हुआ है। आने वाले दिनों में कांग्रेस की वापसी निश्चित है। उन्होंने बताया कि 2014 के बाद देश में नफरत और घृणा की राजनीति के खिलाफ, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ राहुल गांधी ने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत की है। उन्होंने बताया कि आज बिहार में यात्रा का पांचवां दिन है। भागलपुर को भाजपा की धरती कहा जाता है। परन्तु यहां जिस तरह से मां-बहनों द्वारा टीका लगा कर भारत जोड़ो यात्रियों का स्वागत किया गया। वह हमलोगों के लिये उत्साह बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के आग्रह पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार में यात्रा को हरीश झंडी दिखा कर यात्रा की शुरूआत की। राजद विधायक सुधाकर सिंह के बयान पर उन्होंने कहा कि राजद के नेतृत्व को इसे गंभीरता से लेना चाहिये। नीतीश कुमार के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। छात्रों की उचित मांगों पर सरकार को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा, नगर विधायक अजीत शर्मा, कदवा के विधायक डॉ शकील खां मौजूद रहे।

## रूचि एवं क्षमता के अनुसार करें लक्ष्य का निर्धारण : नीरज कौशिक

**भागलपुर, (हि.स.)।** गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर में मंगलवार को एकादश एवं द्वादश कक्षा में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक, विभाग प्रमुख विनोद कुमार, उप प्रधानाचार्य अशोक कुमार मिश्र तथा गोष्ठी के अध्यक्षा मीना कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उद्देश्य कथन के रूप में डॉक्टर संजीव कुमार झा ने कहा कि इस शीतलहर में भी गोष्ठी का आयोजन किया गया तो निश्चित रूप से उद्देश्य भी विशिष्ट ही होगा। हम चाहते हैं कि हमारे सभी छात्रों का शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक गतिविधियों के अनुसार सर्वांगीण विकास हो। बाधाओं को पार करके ही छात्र जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए समय-समय पर मिलना अत्यंत ही आवश्यक है। छात्र अभिभावक और शिक्षक इन तीनों के परस्पर संवाद एवं

योजना से ही छात्र जीवन में सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच, मोबाइल का सीमित प्रयोग भी छात्रों के लिए आवश्यक है। अतिथि परिचय के क्रम में उप प्रधानाचार्य अशोक कुमार मिश्र ने कहा कि अभिभावकों के साथ संवाद तथा समय-समय पर मिलने पर ही छात्र अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। परंतु आज अभिभावकों के पास समय का अभाव हो गया है, जबकि माता पिता के लिए बच्चे ही श्रेष्ठ धन है। अभिभावकों का सुझाव हमारे लिए दर्पण की तरह होते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन के क्रम में मीना कुमारी ने कहा कि समय-समय पर अभिभावक गोष्ठी का आयोजन छात्रों के विकास के लिए अत्यंत ही आवश्यक है। विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक ने कहा कि छात्रों के लिए आवश्यकतानुसार सामान्य रूप से मोबाइल या लैपटॉप का प्रयोग करना समय की आवश्यकता है। परंतु अभिभावकों की जागरूकता अत्यंत ही आवश्यक है। बच्चे अपने रुचि एवं क्षमता के अनुसार ही लक्ष्य का निर्धारण करें। मौके पर विभाग प्रमुख विनोद कुमार ने कहा कि इस उम्र में छात्रों में भटकाव भी आते हैं। अतः अभिभावकों को अपने पुत्र या पुत्री के मित्रों एवं उनके व्यवहार की परख अवश्य करनी चाहिए। आज मोबाइल के अधिक प्रयोग से बच्चों के आंख और मन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। इस उम्र में बच्चों के लिए पौष्टिक आहार एवं शारीरिक सक्रियता भी आवश्यक है। धन्यवाद ज्ञापन अभिमन्यु कुमार के द्वारा तथा मंच संचालन अजय कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ वेद प्रकाश, विनोद कुमार, मीडिया प्रभारी दीपक कुमार झा, ईशा कुमारी, शालिनी कुमारी, गौतम भारती, सुबोध चौधरी एवं अन्य सभी आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित थे।

## संपादकीय

# 2024 में राम-रोटी!

देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा श्रीराम मंदिर के संपूर्ण निर्माण की तारीख घोषित करना 'प्रसंगहीन' नहीं है। प्रभु राम के अलावा, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल मंदिर कॉरिडोर, विंध्यवासिनी मंदिर, मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर आदि को भी उन्होंने गिनवाया है कि भाजपा और मोदी सरकार ने उनका भी परिसंस्कार करा अपना संकल्प पूरा किया है। गृहमंत्री ने सोमनाथ और अंबाजी मंदिरों का विशेष उल्लेख किया कि उन्हें स्वर्ण-मंडित किया जा रहा है। मंदिरों की गिनती प्रसंगहीन इसलिए नहीं है, क्योंकि भाजपा 2024 के आम चुनाव से पहले ही हिन्दुत्व और राम मंदिर का विशेष प्रचार शुरू कर सकती है। राम मंदिर का जिक्र अभी तक चुनाव घोषणा पत्रों तक ही सीमित था और उसे लेकर भाजपा से लगातार सवाल किए जाते थे। कांग्रेस और विपक्ष उपहास करते रहे हैं कि राम मंदिर बनाएंगे, लेकिन तारीख नहीं बताएंगे।' अब अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर मूर्त रूप ले रहा है और भाजपा इसे 'यथार्थ का प्रकटीकरण' के तौर पर पेश करना चाहती है। चूंकि कई मुद्दों पर भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की, देश के विभिन्न राज्यों में, राजनीतिक घेराबंदी की जा रही है, लिहाजा पार्टी निर्णायक चुनावी लड़ाई में प्रभु राम को भी शामिल करने से नहीं चूकेगी। इसी दौरान आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबोले का भी महत्त्वपूर्ण बयान सामने आया है कि बेशक देश के लोगों की इच्छा थी कि अयोध्या में राम मंदिर बने, लेकिन राम के साथ-साथ रोटी भी चाहिए। रोटी के मायने हैं-उद्योग, रोजग़ार और धन। राम-रोटी दोनों ही देश की सभ्यता हैं। आरएसएस सरकार्यवाह का यह बयान भाजपा की राजनीति के विपरीत पड़ता है। दत्तात्रेय दो-तीन बार इसी आशय के सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने देश में गरीबी-रेखा के तले जीने वाली जमात और उसकी न्यूनतम से भी कम आमदनी का उल्लेख किया और सवाल उठाए हैं। भाजपा और मोदी सरकार प्रत्यक्ष तौर पर इन सवालों के जवाब नहीं देना चाहतीं और चुनाव का जनादेश तो बिल्कुल भी नहीं चाहतीं, लिहाजा मंदिरों के परिसंस्कार की गिनती गिनाई जाने लगी है। कमोबेश भाजपा मोदी सरकार को हिन्दुत्व की एकमात्र, सशक्त पैरोकार के तौर पर पेश करना चाहती है। हालांकि भाजपा आज भी चुनावी दृष्टि से कमजोर पार्टी नहीं है। देश के करीब 15 राज्यों में 50 फीसदी या उससे अधिक जनमत उसके पक्ष में है। सहयोगी दलों की दो सरकारें ऐसी हैं, जिन्हें 50 फीसदी से ज्यादा जनादेश हासिल हुआ था। फिर भी आम चुनाव की ठोस ज़मीन तैयार करने के मद्देनजर 2023 के 9 विधानसभा चुनावों में ही भाजपा राम मंदिर और हिन्दुत्व पर पूर्वाभ्यास करना चाहती है। गृहमंत्री का यह बयान भी घोर चुनावी है कि यदि 2024 में भी आप मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, तो छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार बनाएं। सवाल सहज है कि एक राज्य की 11 संसदीय सीटों से ही देश का प्रधानमंत्री कैसे तय हो सकता है? जवाब साफ है कि जहां भाजपा खुद को कुछ कमज़ोर पा रही है, वहीं वोट मांगने पर उतर आई है। सवाल यह भी किया जा सकता है कि क्या केंद्र में भाजपा सरकार को इसलिए ऐतिहासिक और प्रचंड जनादेश मिला था कि वह मंदिरों के परिसंस्कार कराएगी? भाजपा और प्रधानमंत्री कभी लाखों रोजग़ार देने की बात नहीं करते। सवाल में फंस जाएं, तो मुद्रा के अपर्याप्त ऋण गिनाने लगते हैं।

> गृहमंत्री ने सोमनाथ और अंबाजी मंदिरों का विशेष उल्लेख किया कि उन्हें स्वर्ण-मंडित किया जा रहा है। मंदिरों की गिनती प्रसंगहीन इसलिए नहीं है, क्योंकि भाजपा 2024 के आम चुनाव से पहले ही हिन्दुत्व और राम मंदिर का विशेष प्रचार शुरू कर सकती है। राम मंदिर का जिक्र अभी तक चुनाव घोषणा पत्रों तक ही सीमित था और उसे लेकर भाजपा से लगातार सवाल किए जाते थे। कांग्रेस और विपक्ष उपहास करते रहे हैं कि राम मंदिर बनाएंगे, लेकिन तारीख नहीं बताएंगे।' अब अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर मूर्त रूप ले रहा है और भाजपा इसे 'यथार्थ का प्रकटीकरण' के तौर पर पेश करना चाहती है। चूंकि कई मुद्दों पर भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की, देश के विभिन्न राज्यों में, राजनीतिक घेराबंदी की जा रही है, लिहाजा पार्टी निर्णायक चुनावी लड़ाई में प्रभु राम को भी शामिल करने से नहीं चूकेगी।

## अमृत कलश

# सत्य का सत्य

कहा गया है — सत्य बोलो प्रिय बोलो। ऐसा बहुत कम होता है कि कोई विषय सत्य भी हो और अप्रिय भी न हो। ऐसे समय में स्वयं का आत्मा ही निर्णायक होता है कि अप्रिय सत्य को बोला जाए या ना। हां, यदि किसी को प्रिय रूप में बोला सत्य भी कठोर लगता है तो यह उसका दोष है। कुछ विद्वान ऐसा भी मानते हैं कि अपवाद स्वरूप झूठ भी बोला जा सकता है परन्तु यह नितान्त आवश्यक है कि झूठ बोलने वाले की मनोवृति सात्विक हो। इस बात का कि अपवाद रूप में किसी की भलाई के लिए झूठ बोल लेना चाहिए, सहारा लेकर हम साधारण परिस्थितियों में भी अपने आप को झूठ बोलने से नहीं रोक पाते। साधारण परिस्थितियों में हमें सत्य ही बोलना चाहिए। राष्ट्र हित व विश्व हित के मामलों को ही केवल असाधारण परिस्थितियां माना जाना चाहिए। सत्य दो प्रकार के होते हैं। संसारिक वस्तुओं में समयानुसार व परिस्थितिवश बदलाव आता रहता है। उदाहरणार्थ आज बनी गाड़ी, बीस वर्ष पश्चात समान नहीं रहेगी। गाड़ी को आज जानना, उसे बीस वर्षों के पश्चात जानने के समान नहीं हो सकता। हम पहले कह आए हैं कि जो जैसा है उसे वैसा ही जानना व मानना सत्य कहलाता है। इस अनुसार गाड़ी के आज के सत्य ज्ञान व बीस वर्ष पश्चात के सत्य ज्ञान में फर्क होना स्वभाविक हैं दूसरा सत्य वह होता है जिसमें समयानुसार व परस्थितिवश अन्तर नहीं आता। ईश्वर विषयक ज्ञान इसी श्रेणी में आता है। जो सत्य ज्ञान कभी नहीं बदलता उसे ऋत कहा जाता है। हमारे जीवन का ध्येय होना चाहिए कि हमारी आत्मा में अवस्थित सत्य ऋत के समीप होता जाए। थोड़ा इतिहास के पृष्ठों को पलट कर देखा जाये। क्या किसी ने झूठ बोलकर अपने जीवन के परम उद्देश्य मोक्ष को प्राप्त किया है ? यदि ऐसा नहीं हुआ है, तो आज और कल भी नहीं होगा। हमारा सत्य को अपने जीवन में धारण न कर पाने का बहुत बड़ा कारण यह है कि हमने अपने जीवन का लक्ष्य जड़-पदार्थों को प्राप्त करना बनाया है। भौतिक पदार्थों की प्राप्ति को वास्तविक लाभ समझ कर भौतिक पदार्थों को प्राप्त करने पर भी आत्मतृप्ति नहीं मिल रही है, यह बात भौतिक पदार्थों के स्वामी अंदर से स्वीकार करते हैं। हमें उनके अनुभव का तिरस्कार नहीं करना चाहिए। वर्तमान में सत्याचरण करने से हानि अधिक दिखाई देती है। इसके पीछे कारण है-भौतिक पदार्थों की हानि को अपनी आत्मा की हानि समझना। झूठ बोलने वाला कभी भी निडर नहीं हो सकता।

## बोध कथा

# भय ही मरण

भ्रम ही भय है और भय ही मरण है। एक आदमी चला जा रहा था। रास्ते में एक कुत्ता मिल गया। कुत्ते की कद-काठी और हाव-भाव से वह डर गया और भागने लगा। कुत्ते ने भी उसका पीछा किया। आदमी बेतहाशा भागा जा रहा था और कुत्ता भी रुकने का नाम नहीं ले रहा था। दूर से यह दृश्य एक विज्ञ पुरुष देख रहा था। व्यक्ति जब उसके पास से गुजरा, तो उसने चिल्लाकर कहा, "मूर्ख ! रुक जा, भाग मत। कुत्ता तुम्हारा पीछा नहीं कर रहा है।"इस वाक्य से कुछ ढाढ़स हुआ। वह हाँफते हुए रुक गया। उसके रुकते ही कुत्ता भी उसके पीछे खड़ा हो गया, कुछ इधर-उधर सूँघ कर फिर चलता बना।अब सुधी सज्जन से उसे समझाया, "कुत्ता वस्तुतः तुम्हारा पीछा नहीं कर रहा था। वह तो तुम्हारे भय के कारण पैदा हुए एड्रीनेलिन रस की गंध से खिंचा चला आ रहा था। तुम्हारे रुकते ही, भय समाप्त होते ही वह रसस्राव बंद हो गया, जिससे गंध का निकलना रुक गया और कुत्ता भी लौट गया। अब वह व्यक्ति सोचने लगा ,"हमारी तरह न जाने कितने ही लोग रस्सी को साँप समझ बैठते हैं और डरते-मरते रहते हैं। इसके बाद ही उसे इस उक्ति की सच्चाई भी समझ में आयी कि डरपोक जीवन में हज़ार बार मरते हैं, और साहसी सिर्फ एक बार मरता है।

## राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह- 11-17 जनवरी, 2023

# बढ़ते सड़क हादसों की चुनौतियां कब तक?

ललित गर्ग

> परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य 'दुर्घटना से देर भली' पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए।

सड़क एवं राजमार्ग परिवहन मंत्रालय द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह को प्रतिवर्ष 11 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जाता है, जिसके माध्यम से नागरिकों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाता है। भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है। परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य 'दुर्घटना से देर भली' पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'द लांसेट' में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खुनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना शामिल हैं। भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण

बताती है, उस पर दुख व्यक्त करती है, मुआवजे का ऐलान भी करती है लेकिन बड़ा प्रश्न है कि दुर्घटनाएं रोकने के गंभीर एवं प्रभावी उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सचाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। परिवहन मंत्रालय की यह जानकारी हतप्रभ करने वाली है कि देश में प्रतिदिन करीब 415 लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाते हैं। कोई भी अनुमान लगा सकता है कि एक वर्ष में यह संख्या कहां तक पहुंच जाती होगी? इसका कोई मतलब नहीं कि प्रति वर्ष लगभग डेढ़ लाख लोग सड़क हादसों में जान से हाथ धो बैठें। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़के केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए। 'दुर्घटना' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं, खूनी होते हैं। खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़के इसी तरह इंसानों को निगल रही है, मौत का ग्रास बना रही है। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं। बड़ा प्रश्न है कि फिर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? सच यह है कि बेलगाम वाहनों की वजह से सड़कें अब पूरी तरह असुरक्षित हो चुकी हैं। सड़क पर तेज गति से चलते वाहन एक तरह से हत्या के हथियार होते जा रहे हैं वहीं सुविधा की सड़के खूनी मौतों की त्रासद गवाही बनती जा रही है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब मार्ग दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। कुशल ड्राइवरों की कमी को देखते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोलने की तैयारी सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ करना होगा। हमारी ट्रेफिक पुलिस एवं उनकी जिम्मेदारियों से जुड़ी एक बड़ी विडम्बना है कि कोई भी ट्रेफिक पुलिस अधिकारी चालान काटने का काम तो बड़ा लगन एवं तन्मयता से करता है, उससे भी अधिक रिश्वत लेने का काम पूरी जिम्मेदारी से करता है, प्रधानमंत्रीजी के तमाम भ्रष्टाचार एवं रिश्वत विरोधी बयानों एवं संकल्पों के यह विभाग धडल्ले से रिश्वत वसूली करता है, लेकिन किसी भी अधिकारी ने यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वालों को कोई प्रशिक्षण या सीख दी हो, नजर नहीं आता। यह स्थिति दुर्घटनाओं के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेघड़क घुमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती है। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है।

# विमुद्रीकरण से देश को हुआ फायदा

> स्वतंत्र भारत की संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी नोटबंदी के पक्ष में विचार रखे थे। लगभग 99 वर्ष पूर्व डॉ. अंबेडकर ने अपने शोध ग्रंथ में यह लिखा था कि हर 10 साल में करेंसी को दबल दयिा जाना चाहिए। उनका कहना था कि ऐसा करने से महंगाई और भ्रष्टाचार को रोका जा सकता है। नोटबंदी के कई फैसलों में से एक महत्त्वपूर्ण फादया महंगाई पर अंकुश है। जाहिर है बड़ी मात्रा में करेंसी के रूप में काला धन कुछ चंद अमीरों के पास क्रय शक्ति को बढ़ाता है जिससे महंगाई बढ़ती है। नोटबंदी के बाद महंगाई में कमी भी देखी गई। दसिंबर 2016 से नवंबर 2022 के दौरान उपभोक्ता कीमत सूचकांक (उपभोक्ता महंगाई) में कुल मात्र 32 .5 प्रतिशत की वृद्धि रिकार्ड की गई, जबकि इससे पूर्व के 6 वर्षों में यह वृद्धि 54 .1 प्रतिशत थी ।यानी कहा जा सकता है कि विमुद्रीकरण के बाद देश में महंगाई की दर में कमी आई ।अब यह बात मान ली जानी चाहिए कि नोटबंदी से देश को कोई नुकसान नहीं हुआ।

सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार के नवंबर 2016 के 500 और 1000 रुपए के नोटों के विमुद्रीकरण के फैसले को वैध ठहराया है। माना जा रहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले पर मुहर लगाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नोटबंदी पर वर्षों से चल रहे विवाद पर पूर्ण विराम लग गया है। गौरतलब है कि विरोधी दलों सहित कई अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री इस फैसले का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि सरकार के इस फैसले से आम जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और साथ ही साथ इससे छोटा-मोटा व्यवसाय करने वालों को नोटबंदी के इस फैसले से भारी नुकसान हुआ और इससे उनके रोजगार पर भी भारी प्रभाव पड़ा। लेकिन दूसरी ओर देश में एक बड़ा वर्ग नोटबंदी के इस फैसले का स्वागत और समर्थन कर रहा था। सरकार के तर्कों में एक तर्क यह था कि नोटबंदी के इस फैसले से कालेधन पर आक्रमण होगा। हालांकि नोटबंदी के बाद देश में अधिकांश नकदी, नए नोटों में तब्दील हो गई, लेकिन यह भी सच है कि नोटबंदी के बाद नगदी जो कालेधन के रूप में कहीं न कहीं अनुपुयुक्त पड़ी थी, बैंकिंग व्यवस्था में शामिल हो गई और उसका देश के विकास में इस्तेमाल संभव हो सका। ध्यातव्य है कि योग गुरु बाबा रामदेव, सुब्रमण्यम स्वामी सहित कई महत्त्वपूर्ण लोगों द्वारा काले धन पर अंकुश हेतु 500 और 1000 रुपए के नोटों पर प्रतिबंध लगाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। यूं तो पिछली सरकारों द्वारा भी काले धन को मुख्यधारा में लाने हेतु काले धन को घोषित कर टैक्स जमा करने की कई स्कीमों की घोषणा की गई थी, लेकिन ऐसी अनेकों स्कीमों के बावजूद मात्र 125000 करोड़ रुपए के काले धन को ही बाहर लाया जा सका था। कहा जा सकता है कि नगदी के रूप में पड़े काले धन को बाहर लाए जाने हेतु यह किसी भी सरकार का पहला बड़ा प्रयास था। प्रधानमंत्री ने इसे स्वच्छता पर्व, ईमानदारी पर्व, फाइट अगेंस्ट करप्शन इत्यादि का नाम दिया। यह भी सत्य है कि विपक्षी दलों के तमाम विरोधी बयानों के बावजूद आमजन ने विभिन्न कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद नोटबंदी की इस मुहिम में जमकर साथ दिया था और आम आदमी काले धन के विरुद्ध इस लड़ाई में स्वयं को भागीदार मान रहा था। आम आदमी की मुश्किलों की बात करें तो हमें समझना होगा कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 92 प्रतिषत गृहस्थों में किसी भी सदस्य की अधिकतम आय अर्जित करने वाले सदस्य की आमदनी 10000 रुपए मासिक से कम ही थी। ऐसे में उन कम आय वाले लोगों के पास 500 और 1000 रुपए के नोट बड़ी मात्रा होने की सम्भावना बहुत कम थी। यही नहीं तब तक बड़ी संख्या में (लगभग 32 करोड) जनधन खाते भी खुल चुके थे, जिसमें आसानी से पुराने नोट जमा किए जा सकते थे। इसलिए आम आदमी को इससे कोई नुकसान होने वाला नहीं था। सरकार द्वारा नोटबंदी से नकली नोटों के कहर से भी बड़े पैमाने पर छुटकारा मिला। पाकिस्तान और अन्य शत्रु देशों द्वारा बड़े पैमाने पर नकली करेंसी का चलन उनके स्थानीय सम्पर्कों के माध्यम से बढ़ता जा रहा था। इसके चलते आतंकवादस, नक्सलवाद, पत्थरबाजी समेत कई राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। ऐसा देखा गया कि नोटबंदी के बाद इन सभी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगा। गौरतलब है कि करेंसी छापने की गुप्त विशेषताओं के लीक होने का भी मामला लगभग 10 साल पहले सामने आया था और आशंका यह भी थी कि इन विशेषताओं के अनुरूप छपी नकली करेंसी को पहचानने के रास्ते भी बंद हो चुके थे। स्वतंत्र भारत की संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी नोटबंदी के पक्ष में विचार रखे थे। लगभग 99 वर्ष पूर्व डॉ. अंबेडकर ने अपने शोध ग्रंथ में यह लिखा था कि हर 10 साल में करेंसी को बदल दिया जाना चाहिए। उनका कहना था कि ऐसा करने से महंगाई और भ्रष्टाचार को रोका जा सकता है। नोटबंदी के कई फैसलों में से एक महत्त्वपूर्ण फायदा महंगाई पर अंकुश है। जाहिर है बड़ी मात्रा में करेंसी के रूप में काला धन कुछ चंद अमीरों के पास क्रय शक्ति को बढ़ाता है जिससे महंगाई बढ़ती है। नोटबंदी के बाद महंगाई में कमी भी देखी गई। दिसंबर 2016 से नवंबर 2022 के दौरान उपभोक्ता कीमत सूचकांक (उपभोक्ता महंगाई) में कुल मात्र 32.5 प्रतिशत की वृद्धि रिकार्ड की गई, जबकि इससे पूर्व के 6 वर्षों में यह वृद्धि 54.1 प्रतिशत थी। यानी कहा जा सकता है कि विमुद्रीकरण के बाद देश में महंगाई की दर में कमी आई। गरीबों को थोड़ी महंगाई भी भारी प्रभाव डालती है। फिर भी पिछले 1 साल से भी, जबकि अमेरिका और यूरोप में जहां महंगाई की महंगाई कभी देखी नहीं गई थी, की तुलना में भी भारत की महंगाई दर काफी कम रिकॉर्ड की जा रही है। यानी डॉ. अंबेडकर की बात सही सिद्ध हो रही है कि विमुद्रीकरण महंगाई को रोकने का एक कारगर माध्यम हो सकता है। दुनिया में विमुद्रीकरण के कम ही उदाहरण देखने को मिलते हैं। माना जाता है कि विमुद्रीकरण एक कठिन एवं हिम्मत का काम है। सरकारें इसके फायदे समझते हुए भी सामान्यतः असफलता के डर से भी इस हेतु साहस नहीं जुटा पाती हैं। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा इसे सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचा देने और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी इस फैसले पर मुहर लगा देने के बाद विमुद्रीकरण की बहस पर विराम तो लगा ही है, भविष्य में भी इस प्रकार के फैसले के लिए मार्ग खुल गया है। विमुद्रीकरण के साथ-साथ डिजिटल भुगतानों की ओर भी देश अग्रसर हुआ है और इस संबंध में काफी प्रगति भी हुई है। दुनिया के डिजिटल भुगतानान में 40 प्रतिशत आज भारत में होते हैं। ख़ास बात यह है कि अधिकांश डिजिटल भुगतान, यूपीआई इत्यादि निःशुल्क होते हैं। इस कारण देश में लेन-देन की लागत में भारी कमी आई है और इससे व्यवसाय की सुविधा में भी खासी प्रगति हुई है। दुनिया के कई देश भारत के यूपीआई प्लेटफार्म को अपनाने हेतु लालायित हैं। भारत को विमुद्रीकरण की यह सबसे बड़ी देन है। अब नोटबंदी से देश को नुकसान की बातें नहीं होनी चाहिए। यह दुष्प्रचार अब बंद होना चाहिए।

## देश दुनीया से

# कर्मचारी चयन आयोग का निलंबन सही कदम

कर्मचारी किसी भी देश अथवा राज्य के विकास की रीढ़ माने जाते हैं जो आम नागरिक के अधिकारों की रक्षा और सुरक्षा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। दूसरी ओर सरकारी उपक्रमों पर नियंत्रण तथा उसकी सही निगरानी करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी और जवाबदेही रहती है जिसे नकारा नहीं जा सकता। आज जिस प्रकार से कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगा है यह किसी भी जघन्य अपराध से कम नहीं है। यद्यपि इससे पहले भी कई मर्तबा वर्षों से शिक्षित बेरोजगारों ने इस प्रकार की कई भ्रांतियां और बहुत सारी पूर्व में हुई भर्तियों पर सवालिया और आशंकाएं जताई, बावजूद इसके कोई भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। पैसे लेकर जेओए आईटी भर्ती परीक्षा का पेपर लाखों की खरीद-फरोख्त के मामले को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर की कार्यप्रणाली को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने और विभिन्न भर्तियों की प्रक्रिया पर रोक लगाना वर्तमान सरकार का एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है। एक ओर जहां आज का पढ़ा-लिखा नौजवान सरकारी नौकरी की तलाश में दिन-रात परीक्षा की तैयारी में लाइब्रेरी से, कोचिंग सेंटरों से, अपने माता-पिता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए अपनी आर्थिकी को दांव पर लगाकर अपना सर्वस्व पढ़ाई में न्योछावर कर देता है, वहीं दूसरी ओर ऐसे चोर दरवाजे से पैसे देकर बिना मेहनत के सरकारी नौकरी हासिल करने का प्रयास उन शिक्षित मेहनती बेरोजगारों के साथ सरासर अन्याय होता सामने दिखाई दे रहा है जिससे युवाओं में अविश्वास की भावना पैदा होना स्वाभाविक है। माननीय मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सुक्खू जी द्वारा इस संगीन अपराध पर त्वरित कार्यवाही करना जिसमें उन सभी 79 विभिन्न पोस्टकोड के तहत की भर्तियां जिसमें लगभग 1647 पद भरे जाने थे पर आगामी आदेशों तक रोक लगाना, जांच बिठाना, एसआईटी गठित करना एक सराहनीय और ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है जिससे शिक्षित बेरोजगारों में पुनः विश्वास बहाली की ओर कदम बढ़ा है। कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर की स्थापना 1998 में युवाओं की सहूलियत और एक दूरदर्शी सोच के साथ इस संस्थान को खोलने का निर्णय लिया था ताकि क्लास 3 और 4 के कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया यहां से सुचारु रुप से की जा सके परंतु जिस तरीके से इस संस्थान का पोस्टमार्टम हुआ है उसकी रिपोर्ट से सारा हिमाचल शर्मसार हुआ है। दीगर है कि पूर्व में पुलिस भर्ती पेपर लीक मामला सार्वजनिक हुआ था। वह भी युवाओं द्वारा तर्कपूर्ण विरोध करने के बाद मामला सामने आया था परंतु असली गुनाहगार तक पहुंच न बनने और सजा न मिलने के चलते उनके हौसलों को ज्यादा उड़ान मिली। नतीजा दूसरा पेपर खरीद मामला जेओए आईटी के रूप में फिर सार्वजनिक हुआ। इससे लाखों युवाओं की मेहनत पर न सिर्फ पानी फिरा है बल्कि चयन प्रक्रिया पर अविश्वास की भावना पैदा हुई है। बेहतर होता यदि समय रहते इस पूरे स्टाफ को ही दूसरी जगह शिफ्ट किया होता और राजनीतिक संरक्षण देने के बजाय ऐसे लोगों को कटघरे पर खड़ा किया होता तो यह देव भूमि के नाम से विख्यात हिमाचल प्रदेश ऐसे गिरोहों की वजह से बदनाम न होता। ऐसे समाचार कदापि उत्तर प्रदेश व बिहार जैसे राज्यों से सुनने को मिलते थे परंतु ऐसे गिरोहों का हिमाचल जैसी देव भूमि और कर्म भूमि में प्रवेश करना न केवल चिंतनीय है बल्कि शुभ संकेत नहीं है। ऐसी वारदातें अथवा खरीद-फरोख्त के मामले भविष्य में न पैदा हों और शिक्षित बेरोजगार अपने आप को ठगा महसूस न करें।

> बेहतर होता यदि समय रहते इस पूरे स्टाफ को ही दूसरी जगह शिफ्ट किया होता और राजनीतिक संरक्षण देने के बजाय ऐसे लोगों को कटघरे में खड़ा किया होता तो देवभूमि के नाम से विख्यात हिमाचल प्रदेश ऐसे गिरोहों की वजह से बदनाम न होता। ऐसे समाचार कदाचित उत्तर प्रदेश व बिहार जैसे राज्यों से सुनने को मिलते थे परंतु ऐसे गिरोहों का हिमाचल जैसी देवभूमि और कर्मभूमि में प्रवेश करना न केवल चिंतनीय है बल्कि शुभ संकेत भी नहीं है। ऐसी वारदातें अथवा खरीद-फरोख्त के मामले भविष्य में न पैदा हों और शिक्षित बेरोजगार अपने आप को ठगा महसूस न करें, नि :संकोच भाव से कड़ी मेहनत और अदम्य साहस से सरकारी क्षेत्र में युवा-युवतियां अपना भाग्य अजमाएं, इसके लिए यदि भविष्य में कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर से लंबित भर्तियों की प्रक्रिया को बहाल किया जाता है तो सरकार को चाहिए कि कठोर कानूनों के साथ ईमानदार स्टाफ की तैनाती की जाए।

## नागरिक बोध

# गोबरनिर्भर भारत बनाम गोबर स्वाभिमान

न जाने आजकल उन्हें क्यों लगने लगा है कि दुनिया में गाय के गोबर से पवित्र कोई और चीज़ नहीं। उन्हें अब अपने माता-पिता से भी शिकायत होने लगी है कि उन्होंने उनका नाम केवल गणेश क्यों रखा? माता-पिता को उनका नाम गोबर गणेश रखना चाहिए था। मैंने उन्हें कई बार समझाया भी कि गणेश का अर्थ भले ही समस्त जीव-जाति के ईश होना हो, लेकिन गणेश के साथ गोबर लगाने से गणेश का अर्थ बदल जाता है। जो भोला-भाला या अत्यन्त मूर्ख हो, जो काम करने में बेढब हो या जिसे लोक व्यवहार की समझ न हो, उसे गोबर गणेश कहा जाता है। बावजूद इसके उनका कहना है कि जब पूरे देश में ही गोबर फैला हुआ है तो उनके नाम के साथ गोबर जुडने पर मुझे आपत्ति क्यों? फिर भारतीय संस्कृति में गोबर का अपना महत्व है। हवन सामग्री के रूप में सदियों से गोबर का प्रयोग होता आ रहा है। इसके प्रयोग से पर्यावरण संरक्षित होता है और पुरातन संस्कृति जीवंत बनी रहती है। यह गोबर का ही परिणाम था कि हम एक हज़ार वर्षों तक ग़ुलाम बने रहे। अगर हमारे दिमाग़ में गोबर नहीं होता तो सैंकड़ों की संख्या में आए अंग्रेज़ लाखों भारतीयों को ग़ुलाम कैसे बनाते। गाय का गोबर जलाना बेहद पवित्र है। अगर स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान गोबर नहीं जलाया गया होता तो हम आज भी ग़ुलाम बने रहते। उनका तो यह भी मानना है कि अगर देश में नोटबंदी का गोबर नहीं फैला होता तो आज देश में सार्वजनिक ऋण या सरकार पर कर्ज़ का बोझ नब्बे प्रतिशत तक नहीं पहुंचता और लोग इतनी महंगाई के बावजूद सम्मोहन के गोबर में नहीं लिपटे होते। यह सम्मोहन के गोबर का ही परिणाम है कि मीडिया आकंठ गोबर में डूबकर, गोदी में बैठा हुआ है। इसलिए गोबर के मामले में देश आत्मनिर्भर है और हमें इस बात पर अभिमान होना चाहिए कि गिनीज़ बुक ऑव वल्ड रिकार्ड में गोबर करने में भारत प्रथम स्थान पर है। इसके लिए किसी स्टार्टअप की भी ज़रूरत नहीं। हमारे कुछ माननीय तो सार्वजनिक रूप से कहते हैं कि अगर भारत को आत्मनिर्भर बनना है तो गोबर आर्थिकी से बेहतर कोई आर्थिकी नहीं। वह कहते हैं कि भारत में मवेशी की संख्या करोड़ों में हैं और गाय का गोबर बहुतायत में। गाय के गोबर का सबसे बड़ा उपयोग हमारी कृषि प्रणालियों में होता है। इसलिए प्रसिद्ध कवि घाघ, जो स्वयं किसान भी थे, का अभिमत था कि 'गोबर राखी पाती सड़ै, फिर खेती में दाना पड़ै।' पर हमारा हतभाग्य कि भारत के कई हिस्सों में अब जंगल नहीं बचे, जिससे लोगों को ईंधन के लिए गाय के गोबर का इस्तेमाल करना पड़ता है। नतीजतन, हर साल लाखों टन गोबर खाना पकाने के ईंधन के रूप में जलाया जाता है। उन्हें लगता है कि भारत के लिए गाय का गोबर बिजली, कोयला या पेट्रोलियम से ज़्यादा अहम है। भारत की ऊर्जा नीति और इसका प्रबंधन ग़लत हैं। सबसे कम महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत अर्थात परमाणु ऊर्जा की देखभाल प्रधानमंत्री करते हैं। इसके बाद बिजली, कोयला और पेट्रोलियम आते हैं, जिसके लिए अलग मंत्रालय और मंत्री हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत गोबर के लिए कोई मंत्रालय नहीं। वह पूरे जोश के साथ भारत में ऊर्जा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए एक गोबर मंत्रालय और गोबर मंत्री की आवश्यकता पर बल देते हुए कहते हैं कि जब बाक़ी मंत्रालय और मंत्री ही गोबर हैं तो गोबर मंत्रालय खोलने में सरकार को क्या आपत्ति है।

# नासा ने भारतीय मूल के चारणिया को बनाया चीफ टेक्नोलॉजिस्ट, स्पेस सेक्टर के दिग्गजों में हैं शुमार

**वाशिंगटन। भारतीय अमेरिकी एयरोस्पेस विशेषज्ञ एसी चारणिया को नासा ने अपना चीफ टेक्नोलॉजिस्ट नियुक्त किया है। वह प्रौद्योगिकी नीति और अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर नासा चीफ बिल नेल्सन के प्रमुख सलाहकार के रूप में काम करेंगे।**

नासा की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया कि एसी चारणिया नासा के छह मिशनों की जरूरतों के साथ एजेंसी के प्रौद्योगिकी निवेश का काम देखेंगे। साथ ही संघीय एजेंसियों, निजी क्षेत्र और बाहरी शेयरहोल्डर्स के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग की देखरेख करेंगे। चारणिया ने अपने बयान में कहा, 21 वीं सदी में हम जिस तरह की प्रगति चाहते हैं, वह हमारे मिशनों को निष्पादित करने के लिए टेक्नोलॉजी एक पोर्टफोलियो को चुनने पर निर्भर है। चारणिया ने कहा, नासा के भीतर और बाहर अविश्वसनीय अवसर हैं। मैं अब अंतरिक्ष और विमानन प्रगति को बढ़ाने के लिए नासा के साथ काम करने के अवसर का इंतजार कर रहा हूं।

### स्पेस सेक्टर के दिग्गजों में शुमार हैं चारणिया

नासा में शामिल होने से पहले, चारणिया ने रोबोटिक्स में प्रोडक्ट स्ट्रैटजी के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। इसके अलावा उन्होंने एयरोस्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन के ब्लू मून लूनर लैंडर कार्यक्रम और नासा के साथ कई टेक्नोलॉजी पहलों पर काम किया है। इसके अलावा चारणिया स्पेस टूरिज्म कंपनी वर्जिन गैलेक्टिक (अब वर्जिन ऑर्बिट) लॉन्चरवन स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल प्रोग्राम के लिए रणनीति और बिजनेस डेवलपमेंट में भी काम किया है। चारणिया ने जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में स्नातक और मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने एमोरी विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री भी ली है।

### भव्या लाल की जगह लेंगे चारणिया

एसी चारणिया, भातरवंशी भव्या लाल की जगह लेंगे। भव्या लाल नासा की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर हैं। वह कार्यवाहक चीफ टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में अब तक चारणिया का काम भी देख रहीं थीं। भव्या लाल ने कहा, नासा के हर मिशन में तकनीक की भूमिका अहम रहती है। ऐसे में तेजी से बदलते प्रौद्योगिकी सेक्टर के प्रबंधन में अनुभवी एसी चारणिया को नासा में देखने के लिए उत्सुक हूं।

## न्यूज़ ब्रीफ

### बाइडन के थिंक टैंक के पास मिले उनके उपराष्ट्रपति रहने के दौरान के गुप्त दस्तावेज, न्याय विभाग की जांच शुरू

**वाशिंगटन** । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के थिंक टैंक सेंटर(निजी कार्यालय) जिसे वह कभी-कभी ऑफिस के रूप में इस्तेमाल करते हैं, उसमें कुछ गुप्त दस्तावेज पाए गए हैं। व्हाइट हाउस ने बताया, ये दस्तावेज उस समय के हैं जब जो बाइडन बराक ओबामा के शासन में उपराष्ट्रपति हुआ करते थे। दस्तावेज सामने आने के बाद उन्हें राष्ट्रीय अभिलेखागार को सौंप दिया गया है। बाइडन के विशेष वकील रिचर्ड सॉबर ने बताया, न्याय विभाग इन दस्तावेजों की जांच कर रहा है और राष्ट्रीय अभिलेखागार उसमें सहयोग भी कर रहा है। सॉबर ने कहा, ये दस्तावेज तब सामने आए हैं, जब राष्ट्रपति बाइडन के निजी वकील पेन बाइडन सेंटर में कार्यालय की जगह खाली करने की तैयारी कर रहे थे और फाइलों को पैक कर रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 2017 से 2020 तक इस स्थान का उपयोग अपने कार्यालय के लिए किया। सॉबर ने कहा, दस्तावेज सामने आने के अगले ही दिन राष्ट्रीय अभिलेखागार ने उन्हें अपने कब्जे में ले लिया था। मामला सामने आने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन के विपक्षी नेताओं ने उनकी आलोचना शुरू कर दी है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे जूनियर ट्रंप ने एक ट्वीट में कहा, हमें महीनों तक बताया गया कि महाभियोग के लिए देशद्रोही आधार है और इसके लिए मृत्युदंड भी है। फिर भी मुझे पता है कि कुछ नहीं होगा। इसके अलावा सीनेटर मार्शा ब्लैकबर्न ने कहा, यह पता चला है कि जो बाइडन के निजी कार्यालय में कुछ गुप्त दस्तावेज पाए गए हैं। वे वहां क्यों थे न्याय विभाग इन दस्तावेजों की तलाश क्यों नहीं कर रहा था और उन दस्तावेजों तक किसकी पहुंच थी रिपब्लिकन ट्रॉय नेहल्स ने कहा, जो बाइडन के उप-राष्ट्रपति काल के गुप्त दस्तावेज उनके निजी कार्यालय में मिले। एफबीआई कब उनके घर पर छापा मारेगी

### कराची फूड फेस्टिवल के आखिरी दिन भारी बवाल, मची भगदड़ और लड़कियों के साथ हुई छेड़खानी

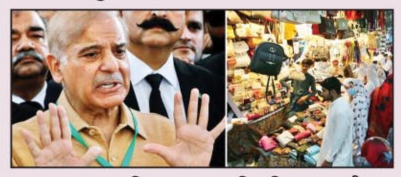

**इस्लामाबाद** । पाकिस्तान का एतिहासिक कराची फूड फेस्टिवल रविवार को कुप्रबंधन की भेंट चढ़ गया। तीन दिवसीय इस फेस्टिवल के आखिरी दिन लोगों को यहां अफरा-तफरी और भगदड़ का सामना करना पड़ा। इसके कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें परिवारों ने कहा है कि उन्हें फेस्टिवल के दौरान भगदड़ और छेड़खानी जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ा। लोगों ने दीवार फांदने, बैरिकेटिंग तोड़ने और कार्यक्रम स्थल में प्रवेश को लेकर धक्का-मुक्की के कई वीडियो भी साझा किए। उधर, फेस्टिवल में पहुंचे गायक कैफी खलील ने भी सुरक्षा में चूक के बीच अचानक अपना आयोजन रद्द कर दिया और घटना पर एक बयान भी जारी किया। कराची फूड फेस्टिवल में लड़कियों के साथ छेड़खानी की भी कई घटनाएं हुईं। इसके कई वीडियो भी सामने आए हैं। कुछ वीडियो में लड़कियां ही आपस में झगड़ती और एक दूसरे के बाल नोचते दिख रही हैं। फूड फेस्टिवल पाकिस्तान के सीईओ ओमर ओमारी ने अपने बयान में कहा, यह महोत्सव 10 साल पहले अस्तित्व में आया था, जिसका उद्देश्य लोगों को विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट भोजन के साथ संगीत की एक छत के नीचे लाना था।

### जापान और ऑस्ट्रेलिया की नजदीकी से भड़का चीन, द्वितीय विश्व युद्ध की दिलाई याद

**बीजिंग** । ऑस्ट्रेलिया की सत्तारूढ़ वाम सरकार इन दिनों चीन के साथ अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही है।

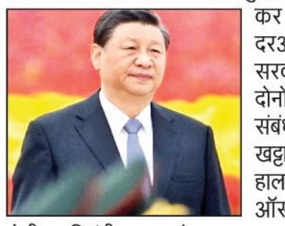

दरअसल, पूर्व की सरकार के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों में काफी खट्टास आ गई थी। हालांकि, हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने चीन ने क्षेत्रीय प्रतिद्वंदी जापान के साथ एक सुरक्षा समझौत पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे प्रशांत क्षेत्र में चीन को सीमित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इस समझौते को लेकर अब चीन भड़क गया है और उनसे ऑस्ट्रेलिया को द्वितीय विश्व युद्ध की याद तक दिला दी है। चीन ने मंगलवार को कहा है कि जापान से दोस्ती करने से पहले ऑस्ट्रेलिया को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान के युद्ध अपराधों को याद रखना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया में चीन के राजदूत जिओ कियान ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ऑस्ट्रेलिया पर जापानी हमलों को देखते हुए सरकार को जापान पर भरोसा करने के बारे में सावधान रहना चाहिए।

# पाकिस्तान में आटे के लिए मारामारी, कई जगह मची भगदड़, अब तक दो लोगों की मौत; रूस ने बढ़ाए मदद के हाथ

**इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आर्थिक हालात एकदम बदतर हो गए हैं। देश के कई प्रांत में गेहूं का स्टॉक खत्म हो गया है और आटे का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कई जगह भगदड़ की खबर सामने आ रही है। पुलिस ने बताया कि हंगामे के दौरान एक 40 वर्षीय मजदूर हरसिंह कोल्ही सड़क पर गिर गया और आसपास के लोगों ने उसे रौंद डाला जिससे उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, कोल्ही के परिवार ने खाद्य विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इससे पहले सिंध सरकार द्वारा लोगों को सब्सिडी वाले आटे की बिक्री के दौरान मीरपुरखास भगदड़ में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।**

गेहूं की कीमत 5,000 रुपये प्रति मन पर पहुंचने के साथ, रावलपिंडी के खुले बाजार में आटा की दर 150 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शहर शहर में 15 किलो गेहूं का बैग 2,250 रुपये में बेचा जा रहा है। वहीं सब्सिडी वाले आटे जिससे लोगों को राहत मिल रही थी उसका भाव भी आसमान छूने लगा है। सब्सिडी वाले 25 किलो वाले पैकेट के आटे की कीमत 3100 रुपये प्रति पैकेट हो गई है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बलूचिस्तान के खाद्य मंत्री जमरक अचकजई ने कहा कि गेहूं का स्टॉक खत्म हो गया है और उन्हें दो लाख बैग के बजाय केवल 10,000 बैग गेहूं प्राप्त हुआ है। आगे कहा कि उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही से छह लाख बैग के लिए आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि इलाही ने गेहूं उपलब्ध कराने का वादा किया था। हालांकि, उन्होंने अपना वादा पूरा नहीं किया।

जमरक अचकजई ने कहा कि उन्होंने गेहूं के संबंध में पाकिस्तान की संघीय सरकार से संपर्क किया था। उन्होंने खुलासा किया कि पाकिस्तान सरकार ने उन्हें पांच लाख बैग गेहूं मुहैया कराया और पिछले चार महीनों के दौरान उनका उपभोग किया गया। अचकजई ने कहा कि बलूचिस्तान अपनी जरूरत के 85 फीसदी हिस्से के लिए सिंध और पंजाब पर निर्भर है। हालांकि इन प्रांत के बाहर गेहूं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे स्थिति और खराब हो गई है।

### गेहूं जमाखोरों और थोक विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश भी नहीं कर रहा काम

स्थानीय मीडिया के मुताबिक इससे पहले आठ जनवरी को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर अब्दुल कुद्दुस बिजेन्जो ने संबंधित अधिकारियों को गेहूं जमाखोरों और थोक विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया था, जिसका उद्देश्य प्रांत के लोगों के लिए गेहूं की कमी को नियंत्रित करना था। लेकिन इसका असर होता दिख नहीं रहा है।

मीर अब्दुल कुद्दुस बिजेन्जो ने कहा कि सभी जिलों के प्रशासन को लामबंद किया जाए और गेहूं का भंडारण करने और अधिक दामों पर खाद्य सामग्री बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने आगे कहा कि बलूचिस्तान के लोगों को जमाखोरों और रेहड़ी-पटरी वालों के रहमोकरम पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

### रूस से मिली मदद

इस बीच रूस से खरीदी गई गेहूं की पहली खेप सोमवार को कराची बंदरगाह पर पहुंच गई। खाद्य सुरक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, गेहूं से लदे दो जहाज कराची पहुंच गए हैं। रूस से अतिरिक्त 4 लाख 50 हजार टन गेहूं ग्वादर बंदरगाह के माध्यम से पाकिस्तान पहुंचेगा। पाकिस्तान सरकार गेहूं की किल्लत को पूरा करने के लिए कुल 75 लाख टन गेहूं का आयात कर रही है। रूस से गेहूं की पूरी खेप 30 मार्च तक पाकिस्तान पहुंच जाएगी। कराची बंदरगाह पर अब तक 3 लाख 50 हजार टन गेहूं आ चुका है।

# ब्रिटेन की धरती से कक्षा में पहला रॉकेट लॉन्च करने का प्रयास रहा विफल, वैज्ञानिकों ने की पुष्टि

**लंदन।** ब्रिटेन की धरती से कक्षा में पहला रॉकेट लॉन्च करने का प्रयास मंगलवार को विफल हो गया। वैज्ञानिकों ने भी विसंगति की पुष्टि कर दी है। वैज्ञानिकों ने कहा कि हम लक्ष्य के करीब पहुंच गए थे लेकिन दुर्भाग्य से अंतिम समय में यह मिशन फेल हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक वर्जिन ऑर्बिट बोइंग 747 ने 70-फुट (21-मीटर) के रॉकेट को ले जाने के लिए दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के कॉर्नवॉल में एक स्पेसपोर्ट से उड़ान भरी। करीब सवा घंटे के बाद रॉकेट विमान से अलग हो गया और आयरलैंड के दक्षिण में अटलांटिक महासागर के ऊपर 35,000 फीट की ऊंचाई पर योजना के अनुसार प्रज्वलित हुआ। लेकिन जब रॉकेट कक्षा में प्रवेश करने और अपने नौ उपग्रहों को छोड़ने वाला था तभी वर्जिन ऑर्बिट की तरफ से विसंगति का सिग्नल आया। वैज्ञानिकों ने कहा कि हम जानकारी का मूल्यांकन कर रहे हैं। प्रक्षेपण ब्रिटेन की धरती से पहला था। यूके निर्मित उपग्रहों को पहले विदेशी स्पेसपोर्ट के माध्यम से कक्षा में भेजा जाना था। यदि मिशन सफल रहा होता, तो ब्रिटेन उन नौ देशों में से एक होता जो पृथ्वी की कक्षा में यान को प्रक्षेपित कर चुका है। स्पेसपोर्ट कॉर्नवॉल की प्रमुख मेलिसा थोर्प ने लॉन्च से पहले बीबीसी टेलीविजन को बताया कि लॉन्च करने वाले देशों के उस विशिष्ट क्लब में शामिल होना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें अंतरिक्ष तक अपनी पहुंच प्रदान करता है। जो हमने यहां ब्रिटेन में पहले कभी नहीं किया है। रोलिंग स्टोन्स गीत के बाद स्टार्ट मी अप नाम के लॉन्च को सैकड़ों लोगों ने देखा। उपग्रहों में विभिन्न प्रकार के नागरिक और रक्षा कार्य होने थे, समुद्र की निगरानी से लेकर लोगों की तस्करों का पता लगाने में देशों की मदद करने से लेकर अंतरिक्ष मौसम अवलोकन तक। अंतरिक्ष के व्यावसायीकरण के कारण हाल के वर्षों में यूरोप में अंतरिक्ष अड्डों की संख्या में वृद्धि हुई है। एक लंबे समय के लिए, उपग्रहों का मुख्य रूप से राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा संस्थागत मिशनों के लिए उपयोग किया जाता था, लेकिन यूरोप की अधिकांश स्पेसपोर्ट परियोजनाएं अब निजी क्षेत्र की पहल हैं।

# सऊदी ने हजयात्रियों की संख्या पर लगा प्रतिबंध हटाया, आयु सीमा भी खत्म की

**रियाद।** सऊदी अरब ने सोमवार को घोषणा की कि इस साल के हज के लिए तीर्थयात्रियों की संख्या की कोई सीमा नहीं होगी, देश के हज मंत्री और उमराह तौफीक अल-रबिया का हवाला देते हुए बताया। हज एक्सपो 2023 में बोलते हुए, तौफीक अल-रबियाह ने कहा कि इस वर्ष हज में भाग लेने वाले लोगों की संख्या पूर्व-महामारी के स्तर पर वापस आ जाएगी और इस वर्ष हज तीर्थयात्रियों के लिए कोई आयु सीमा भी नहीं होगी।

### उमराह वीजा की अवधि 30 दिन से बढ़ाकर 90 दिन कर दी गई

हज व उमरा मंत्री तौकीफ अल-रबियाह ने कहा कि उमराह वीजा की अवधि 30 दिन से बढ़ाकर 90 दिन कर दी गई है। हज/उमरा वीजा पर आने वाले लोग देश के किसी भी शहर का सफर कर ससकते हैं। हज मंत्री ने कहा कि 2023 से दुनिया भर की हज एजेंसियों को ऐसी किसी भी कंपनी से अनुबंध करने की इजाजत होगी जो अपने देश के हज यात्रियों को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने वाली परमिट धारक हो।

### स्थानीय निवासियों के लिए हज पैकेज की चार श्रेणियां उपलब्ध: सऊदी

2019 में तीर्थयात्रा में लगभग 2.5 करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया। हालांकि, कोरोना महामारी के प्रसार के कारण तीर्थयात्रियों की संख्या अगले दो वर्षों के लिए कम हो गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल हज करने के इच्छुक देश में रहने वाले लोग तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन कर सकते हैं। मंत्रालय ने कहा कि स्थानीय निवासियों के लिए हज पैकेज की चार श्रेणियां उपलब्ध होंगी। रिपोर्ट के अनुसार, तीर्थयात्रा के लिए आवेदन करने वाले लोगों के पास जुलाई के मध्य तक वैध राष्ट्रीय या निवासी पहचान होनी चाहिए।

# चीन की धमकी के बाद ताइवान ने जर्मनी से लगाई गुहार, क्षेत्रीय व्यवस्था बनाए रखने के लिए मांगी मदद

**ताइपे।** चीन की धमकी के बाद ताइवान ने जर्मनी से क्षेत्रीय व्यवस्था बनाए रखने में मदद मांगी है। ताइवान के राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने मंगलवार को वरिष्ठ जर्मन सांसदों के साथ बैठक के दौरान क्षेत्रीय व्यवस्था बनाए रखने में मदद करने का आह्वान किया। बता दें कि ताइवान पर चीन हमेशा दावा ठोकता रहता है। फाइटर जेट्स के जरिए लगातार धमकी देता रहता है। हालांकि ड्रैगन की इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए ताइवान ने पश्चिमी देशों से हस्तक्षेप की गुहार लगाई है।

**ताइवान के राष्ट्रपति ने साधा चीन पर निशाना** - राष्ट्रपति कार्यालय में सांसदों से मुलाकात करते हुए राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने कहा कि अधिनायकवादी विस्तारवाद के सामने लोकतंत्र को एक साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने पिछले महीने एक घोषणा का जिक्र करते हुए कहा कि अगले साल से ताइवान की अनिवार्य सैन्य सेवा को एक साल के लिए बढ़ा दिया जाएगा। यह हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करेगा और हमारी मातृभूमि की रक्षा और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमारे दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करेगा।

राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने कहा कि हम जर्मनी और अन्य लोकतांत्रिक भागीदारों के साथ मिलकर क्षेत्रीय व्यवस्था और समृद्धि बनाए रखने की उम्मीद करते हैं। वहीं जर्मनी की संसदीय रक्षा समिति की प्रमुख और चांसलर ओलाफ शोल्ज के जूनियर गठबंधन पार्टनर फ्री डेमोक्रेट्स की सदस्य मैरी-एग्नेस स्ट्राक-जिम्मरमैन ने त्साई को बताया कि जर्मनी और ताइवान दोस्त हैं।

**ताइवान को अपना मानता है चीन** - चीन के ताजा युद्धाभ्यास को लेकर ताइवान की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। चीन की सरकार ताइवान को अपना क्षेत्र मानती है। स्वायत्त ताइवान को अपने कब्जे में लेने के लिए चीन ने बल प्रयोग में कोई हिचक महसूस नहीं की है। पिछले तीन वर्षों में वह ताइवान के आसपास के समुद्री व और वायु क्षेत्र में वह लगातार सैन्य घुसपैठ कर रहा है।

## अमेरिकी शीर्ष अधिकारी ने कहा-

# ट्रंप प्रशासन का ईरान परमाणु समझौते से हटने का फैसला बड़ी रणनीतिक गलती थी

**वाशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान ट्रंप प्रशासन द्वारा लिए एक फैसले पर सवाल उठाया है। शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ईरान परमाणु कार्यक्रम पर एक महत्वपूर्ण समझौते जेसीपीओए से पीछे हटने का पिछले डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का फैसला हाल के वर्षों में अमेरिकी विदेश नीति की सबसे बड़ी रणनीतिक गलतियों में से एक है।**

संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) को आमतौर पर ईरान परमाणु समझौता या ईरान सौदे के रूप में जाना जाता है। यह 14 जुलाई, 2015 को ईरान और यूरोपीय संघ के साथ पी5+1 के बीच वियना में हुआ था।

विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अपने दैनिक समाचार सम्मेलन में सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा (जो बाइडन) प्रशासन जेसीपीओए से हटने के पिछले प्रशासन के निर्णय पर विचार कर रहा है, जो हाल के वर्षों में अमेरिकी विदेश नीति की सबसे बड़ी रणनीतिक गलतियों में से एक है।

पी5+1 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य - चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका - प्लस जर्मनी शामिल हैं। जिन्होंने बराक ओबामा प्रशासन के दौरान ईरान के साथ एक समझौता किया था। प्राइस ने कहा कि अमेरिका जेसीपीओए को एक राजनयिक

व्यवस्था तक पहुंचाने में सक्षम था क्योंकि उसने ईरान पर महत्वपूर्ण आर्थिक दबाव बनाने के लिए दुनिया भर के सहयोगियों और भागीदारों के साथ काम किया था। उन्होंने कहा कि इसी दबाव ने अंततः ईरान को वार्ता की मेज पर लाया, वह शासन की ओर से मानसिकता में एक रणनीतिक परिवर्तन नहीं था। मुझे लगता है, यह एक अहसास था कि वे जबरदस्त आर्थिक दबाव में थे।

और उन्हें एक रणनीतिक पहुंच प्रदान करने के बजाय, उनके परमाणु कार्यक्रम उस समय एक रणनीतिक दायित्व था। प्राइस ने कहा कि लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान तब तक दबाव महसूस करता रहे जब तक कि वह रास्ता नहीं बदलता। अब आप ऐसा कर सकते हैं क्योंकि अमेरिका के पिछले प्रशासन ने अधिकतम दबाव की रणनीति के साथ ऐसा करने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि हालांकि यह स्पष्ट रूप से काम नहीं किया। इतिहास हमें जो सिखाता है वह यह है कि आर्थिक दबाव सबसे प्रभावी होता है जब इसे अन्य सहयोगियों और भागीदारों के साथ लागू किया जाता है। इसलिए हमने अपने यूरोपीय सहयोगियों और भागीदारों के साथ काम करने पर इतना प्रीमियम लगाया है, विशेष रूप से तथाकथित ई3- फ्रेंच, ब्रिटिश और जर्मनी के साथ। लेकिन अन्य यूरोपीय संघ के सहयोगियों और भागीदारों को भी साथ ला रहे हैं।

दुनिया भर के देशों को यह देखना है कि जब तक ईरानी शासन अपना दृष्टिकोण नहीं बदलता है, तब तक वह निंदा महसूस करता रहेगा, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि बाकी दुनिया का आर्थिक और कूटनीतिक दबाव है। ई3 ईरान सौदे के यूरोपीय सह-हस्ताक्षरकर्ताओं को संदर्भित करता है।

## विधानसभा के चुनाव समय से पहले होंगे

# मुख्यमंत्री गहलोत को इस्तीफा देना पड़ेगा : केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम

**बीकानेर ( हिंस )।** केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि इस बार विधानसभा के चुनाव समय से पहले होंगे, क्योंकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इस्तीफा देना पड़ेगा। मेघवाल ने कांग्रेस, विधायकों की ओर से दिए गए इस्तीफा के मामले में कहा कि संविधान की समझ रखने वालों को पता है कि इस्तीफे स्वीकार या अस्वीकार किए जाते हैं ना कि वापस ले जाते हैं। मेघवाल कर्मचारी मैदान में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की जन आक्रोश सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार पूरी तरह से विफल रही है, दुष्कर्म रोकने में विफल रही है, फायरिंग के मामलों में विफल रही है, पेपर लीक होने से रोकने में विफल रही है, ऐसी सरकार को जनता उखाड़कर फेंक देगी। उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार एक बार फिर बनेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की जन आक्रोश रैली के दौरान लाखों की संख्या में

शिकायतें सरकार को मिली। संविधान में प्रावधान है कि विधायक स्पीकर को दिया गया है तो उसका स्वीकार या अस्वीकार किया जा सकता है लेकिन वापस नहीं हो सकते। करीब साठ से ज्यादा विधायकों के इस्तीफे हैं, जिन्हें अस्वीकार नहीं किया गया। मामला अब अदालत में है, जहां भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ स्वयं लड़ रहे हैं। बड़ा आरोप लगाते हुए मेघवाल ने कहा कि सरकार दुष्कर्म के मामलों में तुष्टिकरण की नीति अपना रही है। अगर दुष्कर्म का आरोपित कांग्रेस का वोटर है तो उस पर कार्रवाई नहीं होती है। ऐसा करना गलत है। जब न्याय नहीं मिलेगा तो जन आक्रोश होगा। मेघवाल ने कहा कि प्रदेश में हर विधायक इन दिनों खुद को मिनी सीएम समझ रहा है। दरअसल,अशोक गहलोत किसी भी विधायक को नाराज नहीं करना चाहते, उसकी हर शिकायत पर कार्रवाई हो रही है। अगर एसडीएम अच्छा काम कर रहा है और विधायक उससे नाराज है तो भी हटना तय है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि गहलोत को अपनी कुर्सी बचानी है। सांसद स्वामी सुमेधानन्द ने कहा कि केंद्र सरकार ने महंगाई से राहत दिलाने के लिए कीमतों में कमी की है। दो बार पेट्रोल व डीजल के दाम कम किए गए। राज्य सरकारों ने भी कीमतों में कमी की है। अगर कीमत बढ़ी है तो हम किसानों की आय दोगुनी करने का काम भी कर रहे हैं। जन आक्रोश सभा के बाद जिला कलक्टर को ज्ञापन दिया गया। इसमें जनता की शिकायतों को प्राथमिकता से रखते हुए सरकार को घेरने का प्रयास किया गया। ज्ञापन देने से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पुतला भी जलाया गया।

## श्रीगंगानगर बॉर्डर पर पाकिस्तानी ड्रोन ने गिराए पांच पैकेट हेरोइन

**जोधपुर ( हिंस )।** पाकिस्तानी ड्रोन ने राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के बॉर्डर पर एक खेत में पांच पैकेट हेरोइन गिराए हैं, जिसे सीमा सुरक्षा बल ने जब्त कर लिया है। इस बारे में अब नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जोधपुर इकाई को सूचना दी गई है। ब्यूरो की टीम मंगलवार को श्रीगंगानगर पहुंच कर मौका तस्दीक के साथ अग्रिम कार्रवाई करेगी। एनसीबी सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी ड्रोन ने सीमावर्ती श्रीगंगानगर के एक खेत में हेरोइन का कंसाइमेंट गिराया है। पांच पैकेट हेरोइन मिले हैं। बताया गया कि केसरीसिंहपुर क्षेत्र के सुंदरपुरा खेत में यह हेरोइन मिली है। करोड़ों रुपये कीमत की इस हेरोइन को लेकर अब एनसीबी जोधपुर इकाई की टीम श्रीगंगानगर पहुंचेगी। एनसीबी सूत्रों के अनुसार एक किसान ने खेत में हेरोइन पड़े होने की जानकारी बीएसएफ को दी थी, जिसके बाद बीएसएफ ने उसे अपने कब्जे में लिया है। संभवत: इसे पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन के जरिए भेजी है। बीएसएफ की तरफ से एनसीबी को इसकी सूचना दी गई है। उल्लेखनीय है कि गत चार दिनों से सीमा पार से ड्रोन द्वारा हेरोइन भेजने का यह दूसरा कंसाइमेंट है। यह हेरोइन कब और किस वक्त डाली गई है, इस पर गहन जांच चल रही है।

## मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को नए सिरे से आवंटित किए विभाग

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा सरकार ने मंगलवार को अपने मंत्रियों को नए सिरे से विभागों का आवंटन कर दिया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने पास 15 विभाग रखे हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, कृषि मंत्री जेपी दलाल, स्थानीय निकाय मंत्री कमल गुप्ता व बिजली मंत्री रणजीत चौटाला के विभागों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार कैबिनेट मंत्री बनवारी लाल से अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा विभाग वापस लेकर जन स्वास्थ्य विभाग जैसा बड़ा विभाग दिया गया है। यह विभाग अभी तक मुख्यमंत्री के पास था। सरकार ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में ही एससी–बीसी कल्याण मामले विभाग को मर्ज कर दिया है। यह नया मंत्रालय अब मुख्यमंत्री के पास रहेगा। मुख्यमंत्री के पास 15 विभाग रहेंगे। इसके अलावा जो विभाग किसी भी मंत्री को अलॉट नहीं हुए हैं, उनका कामकाज भी मुख्यमंत्री देखेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने पास वित्त एवं संस्थागत वित्त, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, सिंचाई एवं जल संसाधन, प्लानिंग, न्याय प्रशासन, आर्किटेक्चर, सामान्य प्रशासन, सीआईडी, पर्सोनल एंड ट्रेनिंग, राजभवन मामले, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा कल्याण मामले, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति तथा खेल विभाग रखे हैं। मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रहे ओमप्रकाश यादव को इसी विभाग में मुख्यमंत्री के साथ अटैच किया गया है। यादव के पास सैनिक और अर्द्ध–सैनिक विभाग का स्वतंत्र प्रभार पहले की तरह बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने गठबंधन सहयोगी उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला के विभागों में कोई बड़ी छेड़छाड़ नहीं की है। दुष्यंत के पास अब आठ की बजाए सात विभाग रहेंगे, क्योकि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में ही अब फायर ब्रिगेड को भी मर्ज कर दिया है। इस बदलाव से दुष्यंत को कोई नुकसान नहीं हुआ है। आबकारी एवं कराधान, पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें), खाद्य एवं आपूर्ति, उद्योग एवं वाणिज्य, नागरिक उड्डयन तथा पुनर्वास विभाग दुष्यंत चौटाला के पास पहले की तरह बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के बिजली मंत्री चौ. रणजीत सिंह के विभागों में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। नवीन एवं नवीनीकरण उर्जा को बिजली विभाग में मर्ज किया गया है। ऐसे में अब पूरा पावर मंत्रालय रणजीत सिंह पहले की तरह देखेंगे।

## अमृतसर पहुंची भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब में भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को दरबार साहिब नतमस्तक हुए। राहुल गांधी का अमृतसर जाने का कोई कार्यक्रम नहीं था, लेकिन सोमवार की रात उनके कार्यक्रम में बदलाव किया गया, जिसके बाद वह आज सुबह अमृतसर पहुंचे। पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग तथा नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने उनका स्वागत किया। हवाई अड्डे पर ही राहुल को केसरी पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं के साथ राहुल गांधी दरबार साहिब पहुंचे। यहां राहुल गांधी ने माथा टेका और कीर्तन भी सुना। इस दौरान प्रताप सिंह बाजवा उनके बेहद करीब रहे और उन्हें दरबार साहिब के बारे में जानकारी देते रहे। राहुल गांधी की पंजाब यात्रा बुधवार को शुरू होगी। राहुल गांधी गुरुद्वारा फतेहगढ़ साहिब में माथा टेकेंगे। इसके बाद सुबह साढ़े 6 बजे फ्लैग हेंडओवर सेरेमनी होगी और सुबह 7 बजे ही सरहिंद की दाना मंडी से पद यात्रा शुरू कर दी जाएगी। राहुल गांधी 20 जनवरी तक पंजाब में रहेंगे। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के बाद राहुल गांधी पंजाब में ज्यादातर सफर गाड़ी से ही करेंगे।

## राजस्थान जैसी योजनाएं पूरे देश में कहीं भी नहीं : मुख्यमंत्री

**जयपुर ( हिंस )।** मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि स्वामी शिवानंद महाराज ने आध्यात्मिक भाव रखते हुए शिक्षा, सामाजिक सद्भाव सहित जनहित में विभिन्न कार्य किए है। अंधविश्वास और कुरीतियों को मिटाने, वृद्धाश्रम की स्थापना में भी उनका अतुलनीय योगदान रहा है। गहलोत ने मंगलवार को सवाई माधोपुर की बामनवास विधानसभा क्षेत्र के गांव भेड़ोली में स्वामी शिवानंद महाराज के 15वें निर्वाण दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित किया। गहलोत ने कहा कि सवाई माधोपुर जिले के विकास में कमी नहीं रखी गई है। क्षेत्र में 21 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, उप जिला अस्पताल से जिला अस्पताल में क्रमोन्नत, चिकित्सा व नर्सिंग महाविद्यालय, बामनवास व बौंली में नई नगरपालिका का गठन सहित अनेकों विकास कार्य हुए हैं। आगे भी स्थानीय जनता की मांग के अनुसार कार्य कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने आमजन से आह्वान किया कि वे जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक प्रचार–प्रसार कर राज्य के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूर्वी राजस्थान

नहर परियोजना (ईआरसीपी) को अपने संसाधनों से पूरा करेगी। अभी 9600 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं, कार्य नहीं रूकेगा। उन्होंने कहा कि इन जिलों में जल जीवन मिशन भी ईआरसीपी से पानी मिलने पर ही सफल हो सकता है। इसलिए केंद्र सरकार ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करें, ताकि 13 जिलों को पीने और सिंचाई के लिए पानी मिले। गहलोत ने कहा कि राजस्थान जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं पूरे देश में कहीं भी नहीं है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 10 लाख रुपए तक का नि:शुल्क उपचार, 5 लाख रुपए तक का दूर्घटना बीमा और किडनी, हार्ट, सहित अन्य ट्रांसप्लांट का सारा खर्च राज्य सरकार वहन कर रही है। चिकित्सा में ऐसी सुविधा देने में राज्य अग्रणी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवीय दृष्टि से ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को पुन: लागू करना, उड़ान योजना में प्रतिमाह नि:शुल्क 12 सैनेटरी नैपकिन का वितरण, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, महात्मा गांधी नरेगा में अतिरिक्त 25 दिन का कार्य, सामाजिक सुरक्षा के तहत लगभग 1 करोड़ बुजुर्गों, विधवाओं और नि:शक्तजनों को पेंशन, इंदिरा रसोई योजना, अनिवार्य एफआईआर सहित विभिन्न योजनाएं व अभियान सिर्फ राजस्थान में संचालित है। उन्होंने कहा कि अभी तक 1.35 लाख नौकरियां दी गई, करीब 1.25 लाख प्रक्रियाधीन है। एक लाख नौकरियों की घोषणा भी की है। राज्य रोजगार देने में भी अग्रणी बन गया है। गहलोत ने कहा कि राज्य की योजनाओं को आगामी बजट में अधिक मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। हर वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को राजस्थान जैसी योजनाएं पूरे देश में लागू करके आमजन को संबल प्रदान करना चाहिए। महात्मा गांधी नरेगा, शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार की तरह केंद्र सरकार को स्वास्थ्य का अधिकार भी देश में लागू करना चाहिए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि सरकार द्वारा हर जिले में मेडिकल, नर्सिंग कॉलेज सहित जनकल्याण में ऐतिहासिक कार्य हुए है। सार्वजनिक निर्माण मंत्री एवं प्रभारी मंत्री भजन लाल जाटव ने कहा कि जिले में 378 सड़क कार्यों के लिए लगभग 758 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की है। इससे विकास कार्यों को और गति मिलेगी। बामनवास विधायक इंद्रा मीणा ने विधायक कोष से आश्रम भेडोली में यात्री विश्राम गृह के लिए हॉल मय बरामदा व अन्य सुविधाएं, आश्रम तालाब का सौंदर्यकरण, 200 फीट लंबा स्नान घाट एवं तालाब की चारदीवारी के निर्माण करवाने संबंधित घोषणा की।

## पंजाब में एक बार फिर बेअदबी आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

**जालंधर।** जालंधर के एक गांव फतेहपुर के गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार कमिश्नरेट पुलिस प्रतापपुरा चौकी के अधीन पड़ते गांव में बेअदबी की घटना के बाद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मामला दर्ज किए जाने की पुष्टि प्रतापपुरा पुलिस चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर रंजीत सिंह ने की है। आरोपी की पहचान गांव फतेहपुर के ही रहने वाले जसविंदर सिंह के रूप में हुई है बेअदबी को लेकर पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी मौके पर ही संगतों ने पकड़ लिया था जिसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

## दुष्कर्मी जलेबी बाबा को 14 साल की कैद

**फतेहाबाद ( हिंस )।** महिलाओं से तंत्र–मंत्र के नाम पर नशीली पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म करने के दोषी जलेबी बाबा को स्थानीय अदालत ने 14 साल की सजा सुनाई है। जलेबी बाबा पर सौ से अधिक महिलाओं के साथ दुष्कर्म का आरोप था। अदालत ने मोबाइल पर वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के मामले में दोषी करार दिए गए टोहाना के बाबा बिल्लूराम उर्फ अमरपुरी उर्फ जलेबी बाबा को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज बलवंत सिंह की अदालत ने 14 साल की सजा सुनाई है। जलेबी बाबा को अदालत ने दो महिलाओं से दुष्कर्म करने व पोक्सो एक्ट के एक मामले में दोषी मानते हुए उसे पोक्सो एक्ट में 14 साल, दुष्कर्म मामले में 7–7 साल व आईटी एक्ट में 5 साल की सजा सुनाई, वहीं उसे 35 हजार रुपये का जुर्माना किया है। जुर्माना न भरने की सूरत में दो साल की अतिरिक्त सजा और भुगतनी होगी। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। सजा पर बहस के दौरान अदालत में हाथ जोड़ते हुए बाबा फूट फूट कर रोया और खुद के उम्रदराज व बीमार होने की बात कहते हुए रहम की गुहार लगाई थी। बाबा बालकनाथ डेरे टोहाना के बाबा बिल्लूराम उर्फ अमर पुरी के खिलाफ टोहाना शहर पुलिस ने तत्कालीन थाना प्रभारी प्रदीप कुमार की शिकायत पर 19 जुलाई 2018 को पॉक्सो एक्ट, आर्म्स एक्ट और आईटी एक्ट के साथ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले में टोहाना में एक अश्लील वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें बिल्लूराम उर्फ अमर पुरी एक महिला के साथ दुष्कर्म करता हुआ दिखाई दे रहा था।

## भाजपा घाटी में लोकतंत्र राज्य का दर्जा बहाल करने में रही विफल : आप

**जम्मू।** आम आदमी पार्टी की राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री हर्ष देव सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता तरुण चुग पंजाब पर बयान जारी कर जम्मू–कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी की विफलता को छुपाने के लिए लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र, राज्य का दर्जा बहाल करने में विफल रही है और सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली रिकॉर्ड निचले स्तर पर है। हर्ष देव सिंह ने कहा कि बीजेपी के नेता तरुण चुग ने पंजाब पर एक बयान जारी किया है जो जम्मू–कश्मीर के लोगों का ध्यान भटकाने के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब एक जनहितैषी सरकार के सुरक्षित हाथों में है और लोगों के कल्याण के लिए सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं और दिल्ली में लागू किए गए स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली मॉडल को पंजाब में दोहराया जा रहा है। हर्ष देव सिंह ने आगे कहा कि बीजेपी एक तरफ पंजाब में आप सरकार के इस जन–सुधारवादी रवैये से चिंतित है और दूसरी तरफ जम्मू–कश्मीर में अपनी विफलता को छुपा रही है।

## सीएससी संचालक पैसे की मांग करे तो कर सकते हैं शिकायत

**गुरुग्राम ( हिंस )।** जिला में 320 सीएससी केंद्रों पर चिरायु योजना के तहत अंत्योदय परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। अगर कोई सीएससी केंद्रों पर पैसे की मांग करता है तो उसकी शिकायत कर सकते हैं। एडीसी निशांत कुमार मीणा के मुताबिक जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख अस्सी हजार रुपये से कम है, उनको इस कार्ड के आधार पर पांच लाख रूपए तक की चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। एडीसी ने कहा कि ये काडज़् बनवाने के लिए लाभार्थी को केवाईसी करवानी जरूरी है। अंत्योदय परिवारों के योग्य पात्र कॉमन सर्विस सेंटर में जाकर अपना केवाईसी बनवाए, जो कि आधार कार्ड से लिंक होगा। उसके बाद आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। एडीसी ने बताया कि चिरायु योजना के तहत आयुष्मान कार्ड के जरिए इलाज कराने वाले लोगों को इस काडज़् को बनाने के लिए किसी प्रकार की फीस नहीं देनी होगी। यह कार्ड अब जिले के सीएससी में मुफ्त में बनाया जा रहा है। नेशनल हेल्थ ऑथोरिटी तथा कॉमन सविज़्स सेंटर के बीच हुए एमओयू के बाद अब लोगों को पीवीसी (पोलिविनाइल क्लोराइड) आयुष्मान कार्ड मुफ्त दिए जाएंगे।

## कांग्रेस के संगठनात्मक नियुक्तियों की तीसरी सूची जारी, 47 ब्लॉक अध्यक्ष घोषित

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान कांग्रेस में संगठनात्मक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हो गया है। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को संगठनात्मक नियुक्तियों की तीसरी सूची जारी की है। इसमें 47 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की गई हैं। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल को भी इस सूची में ब्लॉक अध्यक्ष मिले हैं, लेकिन मुख्य सचेतक महेश जोशी के हाथ अब तक खाली है। राजस्थान कांग्रेस ने दो चरण में 188 ब्लॉक अध्यक्ष बनाने के बाद मंगलवार को तीसरे चरण में 47 ब्लॉक अध्यक्ष और घोषित कर दिए हैं। इसमें खास बात यह है कि अब तक 25 सितंबर की घटना के चलते मंत्री शांति धारीवाल और महेश जोशी के विधानसभा में ब्लॉक अध्यक्ष नहीं बने थे, उनमें से शांति धारीवाल के कोटा नार्थ में दोनों ब्लॉक अध्यक्ष बना दिए गए हैं। हालांकि, मंत्री महेश जोशी के हवा महल में दोनों ब्लॉक अध्यक्ष नहीं बन सके हैं। प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की ओर से जारी की गई सूची में अजमेर की केकड़ी का दूसरा ब्लॉक अध्यक्ष, नसीराबाद के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, बांसवाड़ा जिले की के गड़ी के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, घाटोल के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, बा ?मेर जिले की शिव विधानसभा के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, भीलवाड़ा जिले की सहाड़ा विधानसभा का दूसरा ब्लॉक अध्यक्ष, बीकानेर के डूंगरगढ़ के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, लूणकरणसर के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, चुरू जिले के रतनगढ़ के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, धौलपुर के बाड़ी के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, हनुमानगढ़ जिले के हनुमानगढ़ विधानसभा के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, पीलीबंगा का एक ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए हैं। इसी तरह जयपुर के किशनपोल का एक ब्लॉक अध्यक्ष, कोटपूतली का बाकी बचा दूसरा ब्लॉक अध्यक्ष, जोधपुर जिले की ओसियां का बाकी बचा दूसरा ब्लॉक अध्यक्ष, शेरगढ़ का दूसरा ब्लॉक अध्यक्ष, कोटा जिले की कोटा नॉर्थ के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, कोटा साउथ के दोनों, लाडपुरा के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, नागौर जिले के डेगाना विधानसभा के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, नागौर का दूसरा ब्लॉक अध्यक्ष, पाली जिले के जैतारण विधानसभा के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, पाली के दोनों राजसमंद जिले की कुंभलगढ़ और राजसमंद के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष, टोंक जिले की निवाई का दूसरा ब्लॉक अध्यक्ष ओर उदयपुर जिले की गोगुंदा और मावली जिले के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष बना दिए गए हैं। प्रदेश में इससे पहले 188 ब्लॉक अध्यक्ष की घोषणा हो चुकी हैं। अब तक 400 में से कुल 235 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त हो गए है। एआईसीसी के सदस्यों के साथ ही शेष ब्लॉक और जिला अध्यक्षों की भी जल्द नियुक्ति होगी। सभी प्रदेश चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि वे 20 जनवरी से पहले अपने अपने राज्यों के एआईसीसी सदस्यों के निर्वाचन को पूरा कराने की प्रक्रिया करें।

## स्वामी विवेकानंद जयंती से होगा 75 लाख सूर्य नमस्कार अभियान का शुभारंभ

**फरीदाबाद ( हिंस )।** हरियाणा योग आयोग के सदस्य जयपाल शास्त्री की अध्यक्षता में मंगलवार को सेक्टर–12 स्थित खेल परिसर में आयुष विभाग एवं खेल विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में हरियाणा योग आयोग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में आगामी 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती से 14 फरवरी महर्षि दयानन्द सरस्वती की जयंती तक चलने वाले 75 लाख सूर्यनमस्कार अभियान को लेकर विचार–विमर्श किया गया। हरियाणा योग आयोग के सदस्य जयपाल शास्त्री ने बताया कि आगामी 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती तथा राष्ट्रीय युवा दिवस के

अवसर पर प्रदेश सहित जिला फरीदाबाद में भी 75 लाख सूर्य नमस्कार अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। सामूहिक सूर्यनमस्कार कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय खेल परिसर सेक्टर–12 के इंडोर स्टेडियम में सायं 4 से 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा जिसमें 500 लोग सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पर रजिस्टर करें। बैठक में जिला आयुर्वेद अधिकारी अजीत सिंह, खेल विभाग से अतिरिक्त जिला खेल अधिकारी धर्मेन्द्र, आयुष विभाग से योग स्पेशलिस्ट विकास, आयुष योग सहायक अरुणा, अंकुर दीप, स्वामी सुरेंद्रानन्द, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी अंकुर सिंह उपस्थित रहे।

No.TMS/Vehicle/2022-23/1183-87

**QUOTATION NOTICE**

Sealed short quotation in plain papers affixing court fees stamp of Rs.8.25 (Rupees eight and paise twenty five) only (Non refundable) are invited from the reputed and registered Motor Mechanics/Garages/Vehicle Repairing firms for following repairing works of the Govt. vehicle **(Regd. No. AS-01-EK-4651)** of the office of the Superintendent, Town Milk Supply Scheme, Khanapara, Guwahati- 22. The interested Motor Mechanics/Garages/Vehicle Repairing Firms may submit their quotation of rate to the office of the undersigned by quoting rate inclusive of all taxes. The last day of receiving quotation on by the office of the undersigned upto 14.00 hours of **24/01/2023** and will be opened on the same date at 15.00 hours in presence of participating tenderers / or their authorized representative.

The Motor Mechanics/Garages/Vehicle Repairing firms can inspect the said vehicle in the office of the Superintendent Town Milk Supply Scheme, Khanapara, Guwahati-22, during the office hours on all working days from **10/01/2023 to 24/01/2023.** Moreover the successful bidder has to pick up the vehicle from the office of the Superintendent,Town Milk Supply Scheme Khanapara, Guwahati-22 and dropped in the same venue after repairing.

The undersigned has reserved the right to accept or reject the lowest quotation without assigning any reason thereof.

**Terms and Conditions:**

1. Quotation must be in sealed cover.
2. The Photostat copy of the following documents should be submitted along with the quotation
   i) The PAN Card
   ii) The GST registration
   iii) Trading License
   iv) Pass book showing name, A/c No., IFSC Code.
3. Payment will be made subject to availability of fund.

sd/-
Superintendent
Town Milk Supply Scheme
Khanapara, Guwahati- 22

-- Janasanyog /C/18171/ 22

# बॉम्बे हाईकोर्ट ने धूत की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सीबीआई से हलफनामा मांगा, 13 को सुनवाई

**नई दिल्ली ।**

बॉम्बे हाईकोर्ट ने वेणुगोपाल धूत की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर सीबीआई से हलफनामा मांगा है। वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को निर्देश दिया कि वह शुक्रवार तक हलफनामा दायर करे। धूत की ओर से बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में दर्ज प्राथमिकी रद्द करने, उनकी गिरफ्तारी को मनमाना और अवैध घोषित करने और जमानत पर रिहा करने की मांग की गई है। हाईकोर्ट में जब याचिका सुनवाई के लिए आई तो वकील कुलदीप पाटिल ने इस पर निर्देश प्राप्त करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पी के चव्हाण की खंडपीठ ने कहा कि एजेंसी शुक्रवार तक अपना हलफनामा दायर करे। याचिका पर सुनवाई के लिए उसी दिन यानी 13 जनवरी की तारीख तय की गई। धूत की ओर से पेश वकील संदीप लड्डा ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया और कहा कि धूत दिल में 99 प्रतिशत ब्लॉकेज से पीड़ित हैं। पीठ ने कहा कि उसे सीबीआई को हलफनामा दाखिल करने के लिए समय देना होगा। दो वकीलों सुभाष झा और मैथ्यू नेदुमपारा ने मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की और सह-आरोपी आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक एवं सीईओ चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को अंतरिम जमानत देने के इसी पीठ के सोमवार के आदेश को वापस लेने की मांग की। झा ने उच्च न्यायालय से कहा, हम इस देश के वकील और सतर्क नागरिक हैं और इसलिए हस्तक्षेप करने की मांग कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि वह शुक्रवार को विचार करेगी कि क्या दोनों अधिवक्ताओं को सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। धूत ने अपनी याचिका में सीबीआई की प्राथमिकी रद्द करने और जांच पर रोक लगाने के साथ ही जमानत पर रिहा करने की मांग की है। उन्हें 26 दिसंबर, 2022 को गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह न्यायिक हिरासत में हैं। धूत ने सीबीआई की ओर से अपनी गिरफ्तारी को मनमाना, अवैध, कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना की गई कार्रवाई बताया था। याचिका में कहा गया था कि यह दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 (ए) का घोर उल्लंघन जिसके तहत आरोपी को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस जारी करने और बहुत आवश्यक होने पर ही गिरफ्तारी करने के लिए को अनिवार्य किया गया है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### यात्रियों को छोड़कर उड़ान भरने के मामले में डीजीसीए सख्त, गो फर्स्ट से रिपोर्ट तलब

**नई दिल्ली ।** विमानन क्षेत्र की नियामक संस्था डीजीसीए ने गोफर्स्ट एयरलाइंस से 50 से अधिक यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही छोड़कर उड़ान भरने के मामले में रिपोर्ट तलब की है। बता दें कि एयरलाइन की उड़ान 9 जनवरी को बैंगलोर हवाई अड्डे पर 50 से अधिक यात्रियों को सवार करना भूल गई थी। 55 में से 53 यात्रियों को दिल्ली के लिए दूसरी एयरलाइन में स्थानांतरित कर दिया गया था। शेष 2 ने रिफंड मांगा था जिसका एयरलाइन की ओर से भुगतान कर दिया गया था। कुछ यात्री सवार होने के लिए एक शटल बस में इंतजार कर रहे थे। छोड़े गए यात्रियों और अन्य यूजर्स ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया और इसे एयरलाइंस की घोर लापरवाही बताया। उधर, विमानन नियामक डीजीसीए ने इस घटना पर एयरलाइन से रिपोर्ट मांगी है। बता दें कि सोमवार को कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि बेंगलुरू से दिल्ली जाने वाली गो फर्स्ट फ्लाइट ने बस में सवार यात्रियों को लिए बिना लिए ही उड़ान भर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्लाइट जी8 53 यात्रियों को छोड़कर सोमवार सुबह 6 बजकर 40 मिनट पर रवाना हो गई थी। गो फर्स्ट ने इस घटना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, एक ट्वीट के जवाब में एयरलाइन ने यूजर्स से अपना विवरण साझा करने का आग्रह किया और कहा कि हमें आपको हुई असुविधा के लिए खेद है। सतीश कुमार नाम के एक यात्री ने ट्वीट किया, फ्लाइट जी8 यात्रियों को जमीन पर छोड़कर उड़ान भर दी। एक बस में पचास से ज्यादा यात्रियों को जमीन पर छोड़ दिया गया और केवल एक बस के यात्रियों के को विमान पर चढ़ने दिया गया। क्या गो फर्स्ट, ज्योतिरादित्य सिंधिया, पीएमओ इंडिया नींद में चल रहे हैं कोई बुनियादी जांच नहीं की गई!

### अमूल के एमडी पद से आरएस सोढ़ी का इस्तीफा, सीओओ जयेन मेहता को मिली जिम्मेदारी

**अहमदाबाद।** गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड के एमडी आरएस सोढ़ी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जीसीएमएमएफ के सीओओ जयेन मेहता , आरएस सोढ़ी की जगह लेंगे। बता दें कि जीसीएमएमएफ को आमतौर पर लोग इसके ब्रांड अमूल के नाम से जानते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जयेन मेहता को अभी यह जिम्मेदारी अस्थायी तौर पर दी गई है। आरएस सोढ़ी साल 1982 से कंपनी के साथ जुड़े हुए थे। उन्होंने कंपनी में बतौर सीनियर सेल्स मैनेजर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह साल 2000 से 2004 तक कंपनी के जनरल मैनेजर (मार्केटिंग) के पद पर भी रहे। जून 2010 से उन्हें अमूल का एमडी बनाया गया। जिसके बाद पिछले 13 सालों से वह बतौर एमडी कंपनी की कमान संभाले हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोढ़ी को एमडी पद से हटाने का फैसला गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन की बोर्ड बैठक में लिया गया। सोढ़ी को साल 2017 में 5 साल का सेवा विस्तार दिया गया था।

### गूगल ने प्ले स्टोर पर स्विच एक्सेस ऐप जारी किया

Google Play Store

**सैन फ्रांसिस्को।** गूगल ने प्ले स्टोर पर स्टैंडअलोन स्विच एक्सेस ऐप जारी किया है, जो मूल रूप से एंड्रॉइड एक्सेसिबिलिटी सूट का हिस्सा था। ऐप उपयोगकर्ताओं को टचस्क्रीन के बजाय एक या अधिक स्विच या कीबोर्ड का उपयोग कर अपने एंड्रॉइड डिवाइस के साथ इंटरैक्ट करने की अनुमति देता है। पेज के बारे में स्विच एक्सेस के अनुसार, स्विच या फ्रंट कैमरे का उपयोग कर अपने फोन या टैबलेट को नियंत्रित करें। आप आइटम चुनने, स्क्रॉल करने, टेक्स्ट दर्ज करने आदि के लिए स्विच का उपयोग कर सकते हैं।स्विच एक्सेस सहायक हो सकता है यदि आप सीधे अपने डिवाइस से इंटरैक्ट नहीं कर सकते हैं। ऐप उपयोगकर्ताओं की स्क्रीन पर आइटम को स्कैन करता है और प्रत्येक आइटम को तब तक हाइलाइट करता है जब तक कि वे चयन नहीं कर लेते। उपयोगकर्ता कुछ प्रकार के स्विचों में से फिजिकल स्विच और कैमरा स्विच चुन सकते हैं। ऐप्स के बारे में पृष्ठ का उल्लेख किया गया, फिजिकल स्विच में यूएसबी या ब्लूटूथ स्विच, जैसे बटन या कीबोर्ड और ऑन-डिवाइस स्विच, जैसे वॉल्यूम बटन शामिल हैं, जबकि कैमरा स्विच में चेहरे के हावभाव जैसे- अपना मुंह खोलें, मुस्कुराएं या अपनी भौहें चढ़ाएं, बाएं, दाएं या ऊपर देखें शामिल होते हैं।

# टीसीएस 1.25 लाख से ज्यादा नौकरियां देगी, शुद्ध लाभ पहुंचा 11 फीसदी बढ़कर 10,846 करोड़

**नई दिल्ली**

देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अगले वित्त वर्ष में 1.25 लाख से ज्यादा लोगों को नौकरियां देगी।चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कर्मचारियों की संख्या में मामूली गिरावट के बाद कंपनी ने यह घोषणा की है। टीसीएस ने कहा, पिछले 18 महीने से हमने तेजी से भर्तियां की हैं।हालांकि, मांग में कमी के कारणदिसंबर तिमाही में उसके कर्मचारियों की संख्या 2,197 घटकर 6,13,974 रह गई है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी व प्रबंध निदेशक राजेश गोपीनाथन ने कहा, हम समान स्तर पर भर्तियां कर रहे हैं। अगले वित्त वर्ष में 1.25-1.50 लाख तक भर्तियां करेंगे।2021-22 में कंपनी ने 1.03 लाख नए लोगों को नौकरी दी। 2022-23 में अब तक करीब 55,000 लोगों की भर्ती कर चुके हैं।

### शुद्ध लाभ 11 फीसदी बढ़कर 10,846 करोड़

टीसीएस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 11 फीसदी बढ़कर 10,846 करोड़ रुपये पहुंच गया।एक साल पहले की समान अवधि में शुद्ध लाभ 9,769 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने कहा, विदेशी मुद्रा में आय बढ़ने से लाभ बढ़ा है। कुल राजस्व 19.1प्रतिशत बढ़कर 58,229 करोड़ पहुंच गया। टीसीएस ने प्रति शेयर 67 रुपये की विशेष व 8 रुपये की अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है।इस तिमाही में नौकरी छोड़ने वाले कर्मचारियों की दर 21.5 से घटकर 21.3प्रतिशत रह गई।

गोल्डमैन सैश अपनी कई कंपनियों से 3,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। सूत्रों ने बताया, मंदी की आशंका से कंपनी पहले से इसकी तैयारी कर रही है। संख्या इससे भी ज्यादा हो सकती है। ब्लूमबर्ग का दावा है कि 3,200 लोगों की छंटनी हो सकती है। उधर, कंपनी की निवेश बैंकिंग फीस 2022 में करीब आधी घटकर 77 अरब डॉलर रह गई।

### मेरठ-कानपुर समेत 10 अन्य शहरों में जियो 5जी सेवा शुरू

जियो ने उत्तर प्रदेश समेत चार राज्यों के 10 अन्य शहरों में 5जी सेवा शुरू की है। इन शहरों में आगरा, कानपुर, मेरठ व प्रयागराज, तिरुपति, नेल्लोर, कोझिकोड, त्रिशूर, नागपुर और अहमदनगर शामिल हैं।

दूरसंचार कंपनी ने कहा, सोमवार से इन शहरों में जियो उपयोगकर्ताओं को बिना किसी अतिरिक्त लागत के एक जीबीपीएस-प्लस स्पीड के साथ असीमित डाटा का लाभ लेने के लिए जियो वेलकम ऑफर में आमंत्रित किया जाएगा। अब हम तेजी से एक के बाद एक शहर में यह सेवा शुरू करते जा रहे हैं।इस नवीनतम घोषणा के साथ जियो की 5जी सेवा अब 85 शहरों में शुरू हो गईहै।

### रत्न-आभूषण निर्यात 21.5 फीसदी घटकर 10,473 करोड़

यूक्रेन-रूस संघर्ष ने भारत के रत्न और आभूषण (जेम्स एंड जूलरी) निर्यात को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। दिसंबर, 2022 में कट एवं पॉलिश डायमंड का निर्यात 21.50 फीसदी गिरकर 10,473 करोड़ रुपये रहा जो 2021 में 13,342 करोड़ रुपये था। हालांकि, इसी दौरान प्लेन गोल्ड जूलरी का सकल निर्यात 21.31प्रतिशत बढ़कर 2369.74 करोड़ रुपये हो गया, जो 2021 में 1953.46 करोड़ रुपये रहा था।

### एचडीएफसी बैंक का कर्ज 0.25प्रतिशत महंगा

एचडीएफसी बैंक ने सभी अवधि के फंड आधारित मार्जिनल कॉस्ट (एमसीएलआर) में 0.25 फीसदी की वृद्धि की है। इससे हर तरह के कर्ज महंगे हो जाएंगे। नई दर 7 जनवरी से लागू है। एक साल का एमसीएलआर अब 8.85 फीसदी होगा जो पहले 8.60 फीसदी था।

### एमजी मोटर की नेक्स्ट जेन हेक्टर लॉन्च

एमजी मोटर इंडिया ने नेक्स्ट-जेन हेक्टर एसयूवी पेश किया है।इसमें नई तकनीक के साथज्ञानयुक्त फीचर्स हैं। कंपनी के एमडी राजीव छाबा ने कहा, नेक्स्ट-जेन हेक्टर को बेहतर ड्राइविंग अनुभव के लिएबनाया गया है।

# न्यूयॉर्क में कंपनियों के सीईओ व उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से मिले गोयल, निवेश पर चर्चा

**नई दिल्ली।**

**वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूयॉर्क में प्रमुख वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के हितधारकों के साथ निवेश के अवसरों व द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर बातचीत की है। इस दौरान भारत में निवेश के अवसरों तथा अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी को और मजबूत करने के क्षेत्रों पर भी चर्चा की गई। आधिकारिक दौरे पर अमेरिका गए गोयल ने सोमवार को निवेश और वित्तीय दिग्गजों के सीईओ के साथ कई बैठकें कीं।**

स्मार्ट और टिकाऊ भवन समाधान प्रदाता जॉनसन कंट्रोल्स के अध्यक्ष और सीईओ जॉर्ज ओलिवर के साथ बैठक के बाद गोयल ने ट्वीट किया कि उन्होंने डीकार्बोनाइजेशन और भारत में टिकाऊ इमारतों के विकास में कंपनी की भूमिका को बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने अनुसंधान और विकास, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से सुरक्षा उत्पादों को विकसित करने पर भी चर्चा की। निवेश प्रबंधन दिग्गज ब्लैकस्टोन के सीईओ और चेयरमैन स्टीफन श्वार्जमैन के साथ अपनी बैठक में गोयल ने बुनियादी ढांचे, नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन सहित भारत के निवेश परिदृश्य के विस्तार पर चर्चा की। गोयल ने एक अलग ट्वीट में कहा कि उन्होंने भारत के पूंजी बाजार और निजी इक्विटी परिदृश्य को गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

गोयल ने मास्टरकार्ड के सीईओ माइकल मीबैक और वैश्विक निवेश फर्म कोहलबर्ग क्राविस रॉबर्ट्स एंड कंपनी के सह-संस्थापक और सह-कार्यकारी अध्यक्ष हेनरी क्राविस से मुलाकात की। क्राविस के साथ बैठक के बाद गोयल ने एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने बुनियादी ढांचा, विनिर्माण और स्टार्टअप इनक्यूबेटरों सहित भारत में निवेश के आकर्षक अवसरों पर बातचीत की।

# स्टॉक ऑप्शंस के हकदार नहीं पेटीएम सीईओ विजय शेखर, आईआईएएस ने उठाए सवाल

**नई दिल्ली ।**

प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज के मुताबिक पेटीएम अपने संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय शेखर शर्मा को कर्मचारी स्टॉक विकल्प देने के लिए नियमों को दरकिनार कर सकती है। आईआईएएस ने शुक्रवार को एक नोट में कहा कि शर्मा को प्रमोटर के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है, लेकिन उनके पास बोर्ड में संभावित स्थायी सीट समेत कुछ वैसे ही अधिकार मिले हुए हैं। आईआईएएस ने कहा, इन प्रावधानों और ढांचों से विजय शेखर शर्मा को उसी तरह की छंटनी का मौका मिलता है, जैसा कि प्रमोटर परिवारों को अधिक पारंपरिक कंपनियों में मिलता है। आईआईएएस ने कहा है कि नियामक को शर्मा के उस कदम की जांच करनी चाहिए, जिसमें उन्होंने इक्विटी को पारिवारिक ट्रस्ट में स्थानांतरित कर के अपनी प्रत्यक्ष हिस्सेदारी कम की है। ऐसा उन्होंने इसलिए किया ताकि वह के लिए योग्य हो जाएं। फर्म का कहना है कि रेगुलेटर को इस कदम की जांच करनी चाहिए कि ऐसा किस नियम की वजह से किया गया भारतीय कानून प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से फर्म के 10प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले प्रमोटरों और निदेशकों के लिए स्टॉक विकल्पों को प्रतिबंधित करता है। बता दें कि

पेटीएम के आईपीओ की लिस्टिंग के बाद इसके शेयरों में भारती गिरावट दर्ज की गई है। एडवाइजरी फर्म ने पिछले साल विजय शेखर शर्मा को फिर 5 साल के लिए सीईओ बनाए जाने के प्रस्ताव पर पर भी सवाल खड़ा किया था। इस पद के लिए प्रस्तावित वेतन का भी विरोध किया गया था। आईआईएएस रिपोर्ट के जवाब में पेटीएम के प्रवक्ता ने मीडिया को बताया है कि कंपनी ने शर्मा को गैर-प्रमोटर के रूप में वर्गीकृत करने में लागू कानून के सभी प्रावधानों का पालन किया था। शेयरधारक अनुमोदन सहित ईएसओपी देने के लिए उचित प्रक्रिया का इस्तेमाल किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि उनका पारिश्रमिक नवंबर 2020 और 2025 तक अपरिवर्तित रहा।

# एमएसटीसी इस महीने 132 कोयला खदानों की नीलामी करेगा

**नई दिल्ली ।**

एमएसटीसी के सीएमडी सुरिंदर कुमार गुप्ता ने कहा है कि ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में छठी किस्त के तहत इस महीने 132 कोयला खदानों की नीलामी की जाएगी। इस्पात मंत्रालय के तहत एमएसटीसी विभिन्न सामग्रियों और खनिजों तथा खानों की ई-नीलामी करता है। उन्होंने मीडिया को बताया कि यह नीलामी की छठी किस्त होगी जिसके तहत 132 कोयला और नौ लिग्नाइट खदानों सहित कुल 141 ब्लॉकों को बोली के लिए रखा जाएगा। सीएमडी ने स्पष्ट किया कि एमएसटीसी केवल कोयला खानों की सूची और कोयला मंत्रालय की ओर से प्रदान की गई प्रासंगिक अधिसूचनाओं के अनुसार नीलामी आयोजित करता है। इसके साथ ही उन्होंने बोलीदाताओं को बोली से संबंधित सभी अधिसूचनाओं को पढ़ने का सुझाव भी दिया है। उन्होंने कहा, एमएसटीसी किसी भी तरह से नीति निर्माण प्रक्रिया में शामिल नहीं है। कोयला मंत्रालय की ओर से प्रदान किए गए प्रावधान के अनुसार नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के 27.2.2020 के

आदेश को नीलामी पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

सभी बोलीदाताओं को एनजीटी के आदेश सहित हमारे पोर्टल में अपलोड की गई सभी अधिसूचनाओं की जांच करने का सुझाव दिया जाता है। गुप्ता ने कहा कि छठी किस्त में 133 खदानें हैं और पांचवीं किस्त की आठ बिना बिकी खदानों को भी इस दौर में जोड़ा गया है। एमएसटीसी की अधिसूचना के अनुसार छठी किस्त के तहत नीलाम की जाने वाली खदानें ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र राज्यों में फैली हुई हैं। 141 ब्लॉकों में से 68 आंशिक रूप से खोजी गई खदानें हैं और शेष 73 खोजी गई खदानें हैं। पांचवें चरण में 109 खानों को नीलामी के लिए रखा गया था, जिनमें से केवल आठ की बिक्री हुई। पिछले महीने, केंद्रीय कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा था कि नीलामी के चौथे दौर में ब्लॉक पर रखी गई 99 कोयला खानों में से केवल आठ ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है।

# बजट में वस्तुओं पर बढ़ सकता है सीमा शुल्क, एनबीएफसी सेक्टर को कर राहत की उम्मीद

**नई दिल्ली ।**

भारत सरकार वित्त वर्ष 2023-2024 के आगामी बजट में निस्संदेह देश की आर्थिक नीतियों में कई बदलाव लाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में एक सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि सरकार संभावित कस्टम ड्यूटी बढ़ोतरी के लिए 35 आइटम्स की लिस्ट पर मंथन कर रही है। इस लिस्ट में निजी जेट, हेलीकॉप्टर, उच्च अंत इलेक्ट्रॉनिक आइटम, प्लास्टिक के सामान, आभूषण, उच्च चमक वाले कागज और विटामिन जैसी चीजें है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस कदम का उद्देश्य आयात को कम करना और इनमें से कुछ उत्पादों के स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है। दिसंबर 2022 में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने विभिन्न मंत्रालयों को टैरिफ वृद्धि के माध्यम से अपने आयात को नियंत्रित करने के लिए गैर-आवश्यक वस्तुओं की एक सूची बनाने के लिए कहा था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारत के चालू खाते के बैलेंस

ने 2022-23 की दूसरी तिमाही में 36.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 4.4 प्रतिशत) का घाटा दर्ज किया। 2022-23 की पहली तिमाही में 18.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 2.2 प्रतिशत) और एक साल पहले 9.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.3 प्रतिशत) का घाटा हुआ था। आरबीआई की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2022-23 की दूसरी तिमाही में बड़े पैमाने पर चालू खाता घाटे के पीछे अंतर्निहित कारक वस्तु व्यापार घाटे को 2022-23 की पहली तिमाही में 63.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 83.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। करों में वृद्धि और आयात को कम करने के लिए सरकार की ओर से उठाया गया यह कदम स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है जो घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

### एनबीएफसी सेक्टर को करों में राहत की उम्मीद

संस्थापक व सीईओ महेश शुक्ला के अनुसार वित्तीय प्रौद्योगिकी या फिन-टेक खिलाड़ियों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के साथ उधार या वित्तपोषण उद्योग ने हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण सुधार देखा है। पारंपरिक बैंकों की तुलना में ऋण देने या वितरित करने में तेजी से वृद्धि हुई है। एनबीएफसी सेक्टर को केंद्रीय बजट 2023 के दौरान वित्त मंत्री से बहुत सारी उम्मीदें हैं। फिन-टेक खिलाड़ियों की सबसे बड़ी अपेक्षा कर व्यवस्था का उदारीकरण है। स्टार्टअप्स को करों में राहत की उम्मीद है। सालाना 10 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक जीएसटी नहीं लगने से छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और अधिक नौकरियों में सहायता करने में मदद मिलेगी। हम वित्तपोषण के मौजूदा मॉडल को मजबूत करने के लिए बैंकों के साथ बेहतर साझेदारी के लिए सरकार से समर्थन बढ़ाने की भी उम्मीद करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक फिन-टेक क्षेत्र को नियंत्रित करने के लिए नियमों में और सुधार कर सकता है, जो अधिक पारदर्शिता ला सकता है और ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में ऋण देने की प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देगा।

# जूनियर एनटीआर की फिल्म के लिए जान्हवी कपूर ने मांगी भारी-भरकम फीस

**-रश्मिका मंदाना को भी छोड़ा पीछे!**

**मुंबई (ईएमएस)।** इन दिनों बॉलीवुड एक्ट्रेस का जलवा साउथ में भी देखने को मिल रहा है। साउथ फिल्मों की ताकत को भांपते हुए हिंदी सिनेमा की एक्ट्रेस साउथ का रुख कर रही हैं। हाल में ही आलिया भट्ट आरआरआर में नजर आईं तो अब जान्हवी कपूर को लेकर भी कुछ ऐसी ही खबरें आ रही हैं। हाल में ही खबरें आई थीं कि श्रीदेवी की बेटी जान्हवी कपूर अब साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ रोमांस करने वाली हैं। मगर इससे भी तगड़ी रिपोर्ट उनकी फीस से जुड़ी आ रही है। मीडिया गलियारों में कहा जा रहा है कि जान्हवी कपूर ने इस मेगा बजट फिल्म के लिए भारी-भरकम फीस की डिमांड की है। उन्होंने मृणाल ठाकुर और रश्मिका मंदाना को भी पीछे छोड़ दिया है। आइए बताते हैं जान्हवी को लेकर क्या गॉसिप्स चल रहे हैं।

**जान्हवी जल्द ही करेंगी जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन शेयर -** ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो जान्हवी जल्द ही अपने ड्रीम एक्टर जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। आरआरआर एक्टर जूनियर एनटीआर के साथ जान्हवी कपूर एनटीआर-30 में नजर आ सकती हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग इस साल शुरू हो सकती है। अब लेटेस्ट रिपोर्ट ये है कि एनटीआर-30 में काम करने के लिए जान्हवी कपूर ने भारी भरकम फीस की डिमांड की है। उन्होंने कितने करोड़ इस फिल्म के लिए मांगे ये तो सामने नहीं आया है लेकिन कहा जा रहा है कि उन्होंने रश्मिका मंदाना को भी इस मामले में पीछे छोड़ दिया है। पुष्पा फिल्म के बाद रश्मिका मंदाना के करियर में चार चांद लग गए। कहा गया कि रश्मिका ने पुष्पा के बाद अपनी फीस बढ़ा दी और एक फिल्म के लिए 5 करोड़ वसूल करती हैं। ठीक वैसे ही जैसे सीतारमन फिल्म में मृणाल ठाकुर ने एक करोड़ की फीस हासिल की थी।

# 90 के दशक अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर का दर्द मुझे मोटी कहकर बुलाते थे

**मुंबई (ईएमएस)।** अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर शायद आपको याद हैं? नम्रता की बहन और साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की साली ने 1989 में फिल्म भ्रष्टाचार से बॉलीवुड में कदम रखे थे। इसके बाद उन्होंने अनिल के साथ फिल्म किशन कन्हैया में काम किया था जिसमें उन्हें काफी पसंद किया गया। शिल्पा को भले ही बहन नम्रता जैसी पॉपुलैरिटी नहीं मिल पाई लेकिन उन्होंने इंडस्ट्री में जितने भी साल काम किया खूब नाम कमाया। लेकिन मोटापे और बढ़े वजन के कारण शिल्पा शिरोडकर ने खूब रिजेक्शन भी झेला। शिल्पा शिरोडकर ने हाल ही दिए इंटरव्यू में बॉलीवुड में अपने सफर को लेकर चौंकाने वाले खुलासे कर बताया कि 90 के दशक में इंडस्ट्री के लोग उन्हें मोटी बुलाते थे। भला कौन चाहेगा कि उस-के हाथ से छैयां छैयां गाना निकले जिसमें शाहरुख खान थे। लेकिन फराह खान उस गाने के साथ आईं और उन्होंने कहा कि वहां मुझे इस गाने में लेना चाह रहे थे लेकिन अब नहीं क्योंकि उन्हें लगता है कि वह मोटी हैं। इसलिए उन्होंने मलाइका अरोड़ा को साइन कर लिया है। शिल्पा से पूछा गया कि क्या उनका मोटापा करियर में रोड़ा बना? और अगर वह आज यानी 2023 में डेब्यू करतीं तब कैसा रिएक्शन होता? इस पर शिल्पा ने बताया कि मुझे यह तो याद नहीं कि मेरे वजन या फिर मैं जैसी दिखती थी उसकी वजह से मेरी सक्सेस या फिर मुझे मिले प्यार का पैमाना तय हुआ। नब्बे के दशक में इन चीजों के कोई मायने नहीं थे। हम एक समय पर एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करते थे। कई शिफ्ट में काम करते थे। अगर मुझे आज के समय में डेब्यू करना होता तब मुझे लगता है कि आज मुझे काम ही नहीं मिलता। शिल्पा ने बताया कि आज अगर वह इंडस्ट्री में काम कर रही हैं तब इसके पीछे मिथुन चक्रवर्ती का हाथ है। वहीं अनिल कपूर ने भी उनकी बहुत मदद की थी। शिल्पा ने उस वक्त को याद करते हुए कहा मुझे याद है कि 90 के दशक में एक तेलुगू फिल्म की कास्टिंग चल रही थी और अनिल कपूर हैदराबाद में शूटिंग कर रहे थे। वह मेरी फोटो एल्बम लेकर प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के पास गए और मुझे वह फिल्म मिल गई। मैं आज इस इंडस्ट्री में काम कर रही हूं तब इसकी वजह मिथुन दा (चक्रवर्ती) हैं। जब मेरे हाथ से सौतन की बेटी और बोनी कपूर की फिल्म जंगल निकली तब इंडस्ट्री ने मुझे मनहूस बता दिया था। लेकिन दादा था जिन्होंने मुझे भ्रष्टाचार में रोल दिलवाया और इंडस्ट्री में मेरे खूबसूरत सफर की शुरूआत हुई।

# पठान मूवी में शाहरुख को मिलेगा दंबग खान का साथ

शाहरुख खान की पठान को रिलीज होने में कुछ दिन ही बचे हैं। इसके बाद किंग खान और फिल्म मेकर्स एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं इस हिट कराने के लिए। यशराज फिल्म्स ने हाल ही में घोषणा की थी कि इस स्पाई यूनिवर्स फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर 10 जनवरी को रिलीज होगा। प्रोडक्शन हाउस ने वादा किया था कि ट्रेलर में एक्शन थ्रिल और शाहरुख दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम का धांसू एक्शन देखने को मिलेगा। पठान को लेकर खबर आई हैं कि फिल्म में सलमान खान का कैमियो है। रिपोर्ट्स की माने तो यश राज फिल्म्स के एक सूत्र ने उन्हें बताया यही सस्पेंस है।

आदित्य चोपड़ा अपनी फिल्म का सस्पेंस बनाकर रखना चाहते हैं इसलिए उन्होंने फिल्म के दो ट्रेलर एडिट करवाए हैं। एक में सलमान खान के साथ तब दूसरा उनके बिना। रिपोर्ट्स के अनुसार आदित्य चोपड़ा का आइडिया है सिर्फ सलमान खान को दिखाना वहां उनके बारे में कुछ रिवील नहीं करना चाहते हैं। ऐसा करने से लोगों का फिल्म की कहानी में इंटरेस्ट बना रहेगा। आदित्य चोपड़ा ने शाह रुख और सलमान खान के बीच फिल्म के बेस्ट सीन शूट किए हैं। फिलहाल तब दर्शक ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

# केजीएफ प्रसिद्ध सीरीज जेम्स बांड की तर्ज पर विकसित होगी

**मुंबई (ईएमएस)।** बीती 8 जनवरी को भारतीय सिनेमा के नए सुपर स्टा यश ने अपना 37वाँ जन्मदिन मनाया। उनके जन्मदिन के मौके पर उन्हें सुपर स्टार बनाने वाली फिल्म केजीएफ के निमार्ता होम्बले फिल्म्स ने उन्हें बधाई देने के साथ ही मीडिया को इस बात का हिंट दिया कि केजीएफ का तीसरा भाग 2025 में फ्लोर पर जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि इस फिल्म सीरीज को हॉलीवुड की प्रसिद्ध सीरीज जेम्स बांड की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। जिस तरह से जेम्स बांड की भूमिका के लिए अभिनेता बदलते रहते हैं ठीक उसी तरह से रॉकी भाई की भूमिका के लिए भी अभिनेता का बदलाव होता रहेगा। फिलहाल फिल्म के केजीएफ को निर्देशित करने वाले प्रशांत नील इन दिनों अभिनेता प्रभास को लेकर बनाई जा रही सालार को पूरा करने में व्यस्त हैं इसके बाद वहां केजीएफ 3 पर काम करना शुरू करने वाले हैं। केजीएफ के निमार्ता विजय किरणगंदूर का ये भी कहना है कि केजीएफ को वहां पांच पार्ट्स में बनाएंगे और ये भी हो सकता है पांचवें पार्ट के बाद लीड हीरो को रिप्लेस कर दिया जाए। गौरतलब है कि यश ने केजीएफ करने से पहले 9 फिल्मों में काम किया था लेकिन उन्हें असली स्टारडम 2018 में आई फिल्म केजीएफ से मिला। इस फिल्म ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। उनका किरदार रॉकी भाई लोगों के दिलों में राज करने लगा। फिल्म ने 250 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। इस फिल्म के हिन्दी वर्जन ने प्रदर्शन के समय शाहरुख खान की फिल्म जीरो से बॉक्स ऑफिस पर टकराव मोल लिया था। जीरो को दर्शकों ने जहाँ पर नकार दिया था वहीं अभिनेता यश की फिल्म केजीएफ चैप्टर-1 को दर्शकों ने तहे दिल से स्वीकार किया। फिल्म ने हिन्दी बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। इसी फिल्म के साथ कन्नड़ सिनेमा को देशभर में पहचान मिली थी।

# राजामौली को मिला सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का खिताब

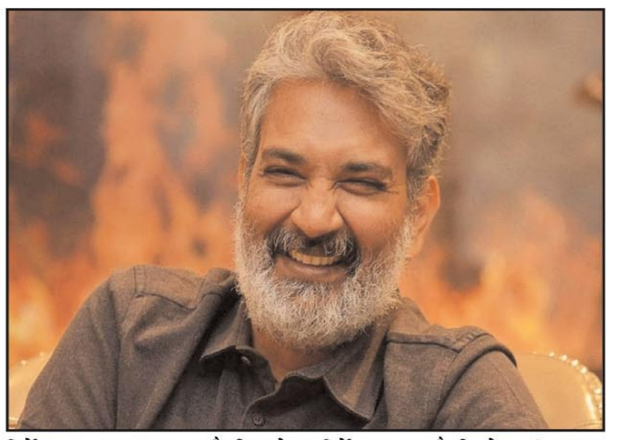

निर्देशक एसएस राजामौली को उनकी फिल्म आरआरआर के लिए न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्किल में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का खिताब मिला है। भारतीय सिनेमा के लिए ये वाकई एक स्वर्णिम पल है। निर्देशक एसएस राजामौली यहां अपनी पत्नी रामा राजामौली और बेटे एसएस कार्तिकेय के साथ यह सम्मान हासिल करने पहुंचे थे। इस अवॉर्ड को हासिल कर निर्देशक एसएस राजामौली ने भारतीय सिनेमा का स्थान विश्व मंच पर आगे बढ़ाया है। यही नहीं दिलचस्प बात यह है कि इस अवॉर्ड को हासिल करने मंच पर पहुंचे निर्देशक राजामौली को यहां शानदार स्टैंडिंग ओवेशन मिला। फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली को इस दौरान न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल अवॉर्ड में स्टैंडिंग ओवेशन मिला। इस दौरान फिल्म निर्देशक ने एक बेहद शानदार विनिंग स्पीच भी दी। फिल्म निर्देशक ने कहा सिनेमा एक मंदिर की तरह है। आरआरआर के साथ मुझे पश्चिम में वैसा ही सम्मान मिला जैसा कि भारतीयों ने दिया। यह मेरे लिए एक खुशी का पल है। जो मैंने इस वक्त यहां महसूस किया। मैं चाहता हूं कि मेरे दर्शक भी यही महसूस करें।

# रुखसाना कौसर की बायोपिक में दिखाई देगी श्रद्धा कपूर

लंबे समय से सिनेमा परदे से दूर रही अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अगली फिल्म तू झूठी मैं मक्कार को लेकर काफी चचाओं में हैं। इस फिल्म में वे पहली बार रणबीर कपूर के साथ दिखाई देगी। लव रंजन के निर्देशन में बन रही यह फिल्म काफी लंबे समय से चचाओं में है। कुछ दिन पूर्व ही लव रंजन ने इस फिल्म का शीर्षक जारी किया था। तू झूठी मैं मक्कार के अतिरिक्त श्रद्धा कपूर की चर्चा सिने गलियारों में एक और फिल्म को लेकर हो रही है। यह एक बायोपिक है जिसमें श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। श्रद्धा कपूर के करियर में यह दूसरी बायोपिक होने जा रही है। इससे पहले वे हसीना पार्कर के रूप में दर्शकों के सामने आ चुकी हैं। श्रद्धा कपूर अपनी आने वाली फिल्म में कश्मीर की बहादुर लडकी रुखसाना कौसर की भूमिका निभाएंगी। वर्ष 2009 में रुखसाना ने लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी अबू ओसामा को कुल्हाड़ी से मार डाला था। इसके बाद फायरिंग करते हुए उन्होंने अन्य आतंकियों को भी खदेड़ दिया था। इस घटना के बाद रुखसाना को लोग एक मिसाल मानने लगे। उनकी बहादुरी का किस्सा चर्चित हुआ। इस वीरता के लिए रुखसाना और उनके भाई को 2010 में कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया था।

# अभिनेत्री कंगना रनौत ने बताया फिल्म इमरजेंसी को एक म्यूजिकल ड्रामा

**मुंबई (ईएमएस)।** बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत का कहना है कि उनकी आगामी फिल्म इमरजेंसी 1977 के राष्ट्रीय आपातकाल पर आधारित है जो एक म्यूजिकल ड्रामा है और इसमें पांच गाने हैं। शनिवार को कंगना ने सोशल मीडिया पर इमरजेंसी के सेट से एक बीटीएस पिक्चर साझा की और कैप्शन में लिखा कि आज सेट पर कोरियोग्राफर. निर्देशक इसे आसानी से ले सकते हैं। वैसे हमारे पास इमरजेंसी में 5 गाने हैं यह एक म्यूजिकल ड्रामा है।

मुझे नहीं पता कि लोग इमरजेंसी में गाने की उम्मीद क्यों नहीं करते हैं मुझे संगीत पसंद है मेरे पास 10 मिनट से ऊपर का सबसे लंबा गाना हो सकता है। इंटरवल ब्लॉक और महान संगीत के लिए जीवी प्रकाश और कृतिमहेश को टैगिंग किया गया है। इससे पहले अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पेज के जरिए जानकारी दी थी कि म्यूजिक कंपोजर जीवी प्रकाश और गीतकार मनोज मुंतशिर को इमरजेंसी के संगीत के लिए अनुबंधित किया गया है। कंगना न केवल आगामी फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं बल्कि इसका निर्माण और निर्देशन भी कर रही हैं।

**कंगना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में होंगी -** कंगना रनौत द्वारा निर्देशित इमरजेंसी में वह पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका भी निभाएंगी। यह फिल्म स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी राजनीतिक घटना की कहानी बताएगी जब देश में आपातकाल उनके द्वारा लगाया गया था। आपातकाल की 21 महीने की अवधि 1975 से 1977 तक लागू की गई थी। आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद द्वारा संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत प्रचलित आंतरिक अशांति के कारण जारी की गई थी। इमरेंजीस को 21 मार्च 1977 को वापस ले लिया गया था।

# मां काजोल संग सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची न्यासा

एक्ट्रेस काजोल रविवार को बेटी न्यासा संग मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन के लिए पहुंची जहां से दोनों मां-बेटी की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। काजोल और न्यासा देवगन की जोड़ी बॉलीवुड इंडस्ट्री की बेस्ट मां-बेटी की जोड़ियों में से एक हैं।

दोनों मां बेटी को अक्सर सिटी में एक साथ स्पॉट किया जाता है। हाल ही में काजोल अपनी बेटी न्यासा संग मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन के लिए पहुंची जहां दोनों मां-बेटी की खूबसूरत तस्वीरें मीडिया के कैमरे में कैद हो गई। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं।

# माही श्रीवास्तव के गाने 'मुझे रोटी बनाने नहीं आता है' को मिले 13 लाख व्यूज

**मुंबई, (हि.स.)।** भोजपुरी सिनेमा जगत की सुपरसिंगर नेहा राज और बोल्ड एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव की जोड़ी का भोजपुरी वर्ल्ड में कोई तोड़ नहीं है। इसी कड़ी में नेहा और माही के नए गाने 'मुझे रोटी बनाने नहीं आता है' को अब तक 13 लाख व्यूज मिल चुके हैं। ये गाना वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यू-ट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इस गाने में एक बड़े घर की बेटी का चित्रण किया गया है, जो शादी के बाद ससुराल में आकर क्या सोचती है। यह भूमिका माही ने बखूबी निभाई है, नेहा ने भी अपनी आवाज से दर्शकों को दीवाना बना दिया है। इस गाने को लेकर निमार्ता रत्नाकर कुमार ने बताया कि ये गाना आम भोजपुरी गानों से जरा हटके है। इसमें बहुत से मजेदार मूवमेंट है, जो दर्शकों को वाओ कहने पर मजबूर कर देते हैं। ये गाना हर उस नवविवाहिता के लिए है जो शादी के बाद की समस्याओं का सामना करती हैं। वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स प्रस्तुत 'मुझे रोटी बनाने नहीं आता है' के निमार्ता रत्नाकर कुमार हैं। इसकी गायिका नेहा राज है। इस गाने के लिरिक्स अर्जुन शर्मा ने लिखे हैं। इसका म्यूजिक आर्या शर्मा ने दिया है। इसका निर्देशन भोजपुरिया ने किया है। कोरियोग्राफर गोल्डी जायसवाल, बॉबी जैक्सन, एडिटिंग पंकज सॉ और डीआई रोहित ने किया है।

## सूडोकु नवताल- 6309

★★★✯☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | 1 | | | | 2 | 5 | |
| 2 | | | | | | | | 9 |
| 5 | | | 1 | | 7 | 4 | | |
| 9 | 5 | | | 4 | | | 2 | |
| | | 3 | 9 | | 6 | 7 | | |
| | 7 | | | 8 | | | 1 | 5 |
| | | 7 | 2 | | 5 | | | 1 |
| 6 | | | | | | | | 7 |
| | 1 | 5 | | | | 6 | 9 | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल -6308 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | 4 | 2 | 3 | 6 | 1 | 8 | 7 |
| 8 | 7 | 3 | 1 | 4 | 5 | 2 | 9 | 6 |
| 6 | 1 | 2 | 8 | 7 | 9 | 3 | 5 | 4 |
| 1 | 6 | 7 | 9 | 8 | 2 | 4 | 3 | 5 |
| 3 | 8 | 5 | 4 | 1 | 7 | 6 | 2 | 9 |
| 2 | 4 | 9 | 6 | 5 | 3 | 7 | 1 | 8 |
| 7 | 5 | 6 | 3 | 9 | 1 | 8 | 4 | 2 |
| 4 | 2 | 1 | 5 | 6 | 8 | 9 | 7 | 3 |
| 9 | 3 | 8 | 7 | 2 | 4 | 5 | 6 | 1 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्दजाल - 7056

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| न | ख | रे | बा | ज | द | रि | सि | या | र | क |
| दा | वि | ल | ग | व | जी | ग | चा | इ | ता | प |
| कि | स्से | बा | ज | बा | छ | ची | ल | रा | क | त्ते |
| री | ज | र | दो | पु | धो | खे | बा | ज | त | बा |
| क | खु | दो | भा | लू | लं | का | ज | ग | व | ज |
| अ | द | फि | प | य | ख | पू | ना | हि | र | को |
| खा | ले | म | क | या | झां | र | जां | बा | ज | ल |
| ड़े | र्ज | ल्जा | ई | रे | से | क | गो | लो | श | ण |
| बा | बा | म | न | ब्र | बा | य | री | श | प | क |
| ज | दु | आ | प | व | ज | ज | ऐ | बें | हा | त |
| क | ब | ल्ले | बा | ज | ल | गा | य | द | प | थ |

*शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'बाज' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.*

बल्लेबाज, झांसेबाज, चालबाज, जांबाज, किस्सेबाज, अखाड़ेबाज, फिकरेबाज, नखरेबाज, पत्तेबाज, धोखेबाज

**शब्दजाल - 7055 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | रा | अं | धे | रा | उ | जा | ला | झ | क | चि |
| खा | ली | भ | रा | रिं | लै | ता | भ | शा | को | चि |
| ट | र | ह | झि | दा | चि | सिं | हा | र | जी | त |
| प | म | दा | च | ल | क | ड़ | नि | दा | र | प |
| ट | पा | र | स्व | र्ग | न | र्क | चि | स | र | ट |
| ह | स | प | ए | दा | ह | ला | पू | झ | न | ती |
| ट | दू | बु | अ | डी | म | ट | ह | रा | ह | क |
| बा | र | वा | ला | क | चो | सौ | न | ट | आ | ट |
| स | थो | तें | व | ह | ज | टी | ने | दा | र | धा |
| र | ल | प | ति | रं | ट | ऐ | बें | न | रु | थो |
| त | ड़ | म | र्द | औ | र | त | ख | ला | ह | ट |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग- 6009

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 2 | | 3 | 5 | 1 | |
| 2 | 32 | 4 | 39 | 7 | 34 | 4 |
| | 1 | | 4 | | 5 | 2 |
| | 30 | 3 | 38 | 6 | 31 | |
| 1 | 2 | | 6 | | 7 | |
| 3 | 27 | 2 | 25 | 1 | 31 | |
| | 6 | 1 | 4 | | 3 | 5 |

*प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.*

**अष्टयोग 6008 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 6 | 1 | 4 | 2 | 3 | 5 |
| 2 | 28 | 4 | 33 | 7 | 35 | 4 |
| 1 | 2 | 5 | 6 | 4 | 7 | 3 |
| 5 | 28 | 3 | 38 | 6 | 34 | 1 |
| 4 | 2 | 6 | 3 | 5 | 1 | 7 |
| 3 | 31 | 2 | 31 | 1 | 30 | 6 |
| 6 | 1 | 7 | 4 | 3 | 5 | 2 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# दिग्गज फुटबॉलर गैरेथ बेल ने सिर्फ 33 साल की उम्र में लिया संन्यास, लिखा भावुक संदेश

**नई दिल्ली ।**

वेल्स के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी गैरेथ बेल ने संन्यास का एलान किया। महज 33 साल की उम्र में उन्होंने क्लब और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास का एलान किया है। बेल वेल्स के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने अपने देश के लिए रिकॉर्ड मैच खेले और गोल करने के मामले में भी कई रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने वेल्स को दो यूरोपीय चैंपियनशिप जिताई। इसके साथ ही उन्होंने अपनी टीम को यूरो 2016 के सेमीफाइनल में पहुंचाया, और 1958 के बाद से पहली बार विश्व कप में भी पहुंचाया। लॉस एंजिल्स के फॉरवर्ड खिलाड़ी पहले साउथेम्प्टन, टोटेनहैम और रियल मैड्रिड के लिए खेल चुके थे। उन्होंने 29 नवंबर को इंग्लैंड के साथ वेल्स के विश्व कप ग्रुप स्टेज मैच के दौरान अपना आखिरी मुकाबला खेला। बेल ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास का एलान करते हुए भावुक संदेश लिखा।

उन्होंने अपने फुटबॉल करियर के कई ऐतिहास पलों की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा सावधानीपूर्वक काफी विचार करने के बाद, मैं क्लब और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से तत्काल संन्यास की घोषणा करता हूं। मैं अपने पसंदीदा खेल को खेलने के अपने सपने को साकार करने के लिए अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली महसूस करता हूं। इसने मुझे वास्तव में मेरे जीवन के कुछ बेहतरीन पल दिए हैं। 17 सीजन में सबसे अधिक ऊंचा, जिसे दोहराना असंभव होगा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अगले अध्याय में मेरे लिए क्या है। साउथेम्प्टन में मेरे पहले मैच से लेकर एलएएफसी के साथ मेरे आखिरी मुकाबले तक और इसके बीच की हर चीज ने एक क्लब करियर को आकार दिया, जिसके लिए मुझे बहुत गर्व और आभार है। अपने देश के लिए 111 बार खेलना और कप्तानी करना वास्तव में एक सपने के सच होने जैसा है। इस यात्रा में अपनी भूमिका निभाने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना असंभव सा लगता है। मैं अपने जीवन को बदलने और अपने करियर को इस तरह से आकार देने में मदद करने के लिए बहुत से लोगों का ऋणी महसूस करता हूं, जब मैंने पहली बार नौ साल की उम्र में शुरुआत की थी तो मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि यहां तक पहुंचूंगा। मेरे पिछले क्लबों, साउथेम्प्टन, टोटेनहम, रियल मैड्रिड और अंत में एलएएफसी।

## न्यूज ब्रीफ

### बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मैच मिस कर सकते हैं स्टार्कः तेज गेंदबाज ने कहा-शायद, मैं खेल नहीं पाऊंगा

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले महीने 9 फरवरी से शुरू होने जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मुकाबला मिस कर सकते हैं। कारण, उनकी अंगुली की चोट है। जो उन्हें साउथ अफ्रीका-ऑस्ट्रेलिया बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन लगी थी। स्टार्क ने कहा- आशंका है (मैं पहले टेस्ट में नहीं खेल पाऊंगा)। देखते हैं महीने के अंत में स्थिति कैसी रहती है। मेरे दूसरे टेस्ट से उपलब्ध रहने की संभावना है। स्टार्क ने कहा, उम्मीद करता हूं कि अगर वे चाहते हैं कि मैं खेलूं तो मैं दूसरे टेस्ट के लिए वहां रहूंगा। हम देखेंगे कि अंगुली की स्थिति कैसी रहती है। स्टार्क के अलावा कैमरन ग्रीन के खेलने पर भी संशय है। ग्रीन भी मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में अंगुली फ्रैक्चर करा बैठे थे। उनकी अंगुली में एनरिक नॉर्किया की बाउंसर लगी थी। इन दोनों के अलावा भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खेलने पर भी संशय है। एक ओर मिचेल स्टार्क चोट के कारण पहला टेस्ट छोड़ने की बात कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर जसप्रीत बुमराह के पूरी सीरीज से बाहर होने की खबर है। दावा किया है कि भारतीय पेसर इस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड के नागपुर में खेलने की संभावना है। यह 2017 से एशिया में उनका दूसरा टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिडनी में तीसरे और अंतिम टेस्ट के दौरान हेजलवुड अच्छी फॉर्म में थे। उन्होंने पहली पारी में चार विकेट चटका कर मेहमान टीम को फॉलोऑन के लिए मजबूर करने में अहम भूमिका निभाई। टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने भी हेजलवुड का नागपुर टेस्ट में खेलना तय बताया है।

### सऊदी अरब में रोनाल्डो का पहला मैच मेसी के खिलाफ, 19 जनवरी को होगी दिग्गजों की टक्कर

**पेरिस ।** पुर्तगाल के स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो सऊदी अरब में अपना पहला मैच पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के खिलाफ खेलेंगे, जिसमें उनके सामने अर्जेंटीना के पुराने प्रतिद्वंद्वी लियोनल मेसी होंगे। पीएसजी ने कहा कि उनकी टीम 19 जनवरी को रियाद में रोनाल्डो के नए क्लब अल नास्र और अल हिलाल की संयुक्त टीम के साथ दोस्ताना मैच खेलेगी। अल नास्र के लिए अपने पहले लीग मैच के लिए रोनाल्डो को 22 जनवरी का इंतजार करना होगा जब उनका सामना अल इत्तिफाक से होगा। वैश्विक फुटबाल नियमों के अनुसार 37 साल के रोनाल्डो दो मैचों के निलंबन की अपनी सजा पूरी करेंगे। विश्वकप से पहले इंग्लिश फुटबाल संघ ने उन पर नवंबर में एक समर्थक का फोन हाथ मारकर गिराने पर दो क्लब मैचों के निलंबन की सजा सुनाई थी। पीएसजी की टीम दो दिन के लिए सऊदी अरब का दौरा कर रही है। पीएसजी क्लब में प्रायोजक कतर से हैं। बेल्जियम के पूर्व कोच राबर्टो मार्टिनेज अब पुर्तगाल के नए कोच बन गए हैं। इससे पहले फर्नांडो सांतोस थे जिन्होंने विश्वकप में मोरक्को के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद पद छोड़ दिया था। सांतोस ने दो मैचों में रोनाल्डो को दूसरे हाफ में उतारा था। माना जा रहा है कि पुर्तगाल के बाहर होने में इस निर्णय की बड़ी भूमिका रही। रोनाल्डो भी इससे बेहद नाखुश थे। मार्टिनेज ने कहा कि मैं हर खिलाड़ी से बात करूंगा। शुरुआत पिछले विश्वकप के 26 खिलाड़ियों से होगी और इसमें रोनाल्डो भी शामिल हैं। वह 19 साल से पुर्तगाल की टीम में हैं और सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि मेरा दायित्व सभी खिलाड़ियों को मौका देना है।

### एक दिन में 24 अंडे खाते हैं हारिस रउफः बोले-गेंद की रफ्तार बढ़ाने के लिए आकिब भाई ने दिया था डाइट प्लान

**कराची।** पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रउफ 150 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। उनकी गेंदबाजी की तारीफ पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री और पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली भी कर चुके हैं। रउफ ने अपनी रफ्तार का खुलासा करते हुए कहा कि वह अपनी गेंदों की रफ्तार बढ़ाने के लिए रोजाना 24 अंडे खाया करते थे। ऐसा करने के लिए उनसे आकिब जावेद ने कहा था। जावेद पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच रह चुके हैं। रउफ ने कहा, जब मैं अकादमी पहुंचा तो उस समय मेरा वजन 72 किलोग्राम था। आकिब भाई ने मुझे कहा कि हाईट के हिसाब से वजन 82-83 किलोग्राम होना चाहिए। उन्होंने मुझे एक डाइट प्लान दिया। उन्होंने मुझसे सुबह, दोपहर और रात के खाने में 8-8 अंडे खाने के लिए कहा। मैंने वहां ढेर सारी अंडे की कैरेट देखीं तो ऐसा लगा यह अकादमी नहीं बल्कि पॉल्ट्री फॉर्म है। मैंने उस डाइट प्लान को फॉलो किया और अब मेरा वजन 82 किलोग्राम है।

## हॉकी- ओलिंपिक जैसी कामयाबी वर्ल्ड कप में नहीं

# भारत अब तक सिर्फ एक बार चैंपियन बना, 48 साल से कोई मेडल नहीं

**नई दिल्ली ।**

भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 जनवरी से 15वें हॉकी वर्ल्ड कप की शुरुआत होगी। 29 जनवरी तक खेले जाने वाले वर्ल्ड कप की मेजबानी भारत को चौथी बार मिली है। हॉकी में स्वर्णिम इतिहास के बावजूद भारत इस टूर्नामेंट में अब तक विशेष कामयाबी हासिल नहीं कर सका है। ओलिंपिक में 8 बार गोल्ड मेडल जीतने वाला भारत सिर्फ 1975 में हॉकी का वर्ल्ड चैंपियन बन पाया। तब से 48 साल बीत चुके हैं और भारत को हॉकी वर्ल्ड कप में तीसरा स्थान तक नसीब नहीं हुआ है। इस स्टोरी में हम जानेंगे कि वर्ल्ड कप में हमारा प्रदर्शन कमजोर क्यों रहा है। साथ ही यह भी देखेंगे कि इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा चार बार खिताब जीतने वाला पाकिस्तान इस बार हिस्सा क्यों नहीं ले रहा है

**जब हम खेल में कमजोर हो रहे थे तब यह टूर्नामेंट शुरू ही हुआ** - वर्ल्ड कप में भारत के कमजोर प्रदर्शन के पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि जब इस टूर्नामेंट की शुरुआत हुई लगभग उसी समय हमारा खेल ढलान पर आने लगा था। भारत 1920 से लेकर 1960 के दशक तक हॉकी प्लेइंग कंट्रीज में सबसे मजबूत रहा था। लेकिन, 1970 के दशक से धीरे-धीरे भारतीय खेल के स्तर में गिरावट आने लगी थी। पहला हॉकी वर्ल्ड कप ही 1971 में आयोजित हुआ। पहले एडिशन में भारत ने ब्रॉन्ज जीता था। दूसरे वर्ल्ड कप में हमें सिल्वर मिला और तीसरे एडिशन में हम चैंपियन बने। इसके बाद भारत के हाथ कुछ नहीं लगा।

**एस्ट्रोटर्फ ने स्थिति और भी खराब कर दी** - 70 के दशक में हॉकी का खेल घास के मैदान से शिफ्ट होकर एस्ट्रो टर्फ की ओर शिफ्ट होने लगा था। 80 का दशक आते-आते घास पर हॉकी का आयोजन बंद होने लगा। भारत को इसका सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। घास पर खेल धीमा होता था और ड्रिबलिंग स्किल और पासिंग का बेहतर होना ज्यादा जरूरी थी। एशियाई खिलाड़ी ड्रिबलिंग और पासिंग में माहिर थे। इसलिए जब तक खेल घास पर हुआ भारत और पाकिस्तान हॉकी में सुपर पावर बने रहे।पहले पांच वर्ल्ड कप घास के मैदान पर हुए। इनमें चार खिताब एशियाई देशों ने जीते। तीन बार पाकिस्तान चैंपियन रहा था और एक बार भारत। लेकिन, एस्ट्रो टर्फ पर हॉकी तेज होती थी। इसमें स्किल से ज्यादा पावर और स्टैमिना अहम हो गया। एस्ट्रो टर्फ आने के बाद पाकिस्तान सिर्फ एक बार टूर्नामेंट जीत पाया और भारत पूरी तरह से खाली हाथ रहा।

**कॉमनवेल्थ गेम्स में एक भी गोल्ड नहीं** - 1998 में पहली बार पुरुष हॉकी को कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल किया गया। तब से सातों गोल्ड मेडल ऑस्ट्रेलिया ने ही जीते। भारत ने 3 बार सिल्वर मेडल जीते और 2 बार चौथे स्थान पर रहा। इंग्लैंड ने सबसे ज्यादा 4 बार ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। हम इस बार के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स का फाइनल मुकाबला भी हार गए थे।

**टोक्यो ओलिंपिक से बदली है स्थिति** - लंबे समय तक संघर्ष करने के बाद अब भारतीय टीम अब एस्ट्रो टर्फ की रफ्तार का मुकाबला करने में सक्षम होने लगी है। टोक्यो ओलिंपिक (2021) में भारत ने ब्रॉन्ज जीता। 31 साल बाद भारत ने ओलिंपिक में कोई मेडल जीता। अब उम्मीद की जा रही है कि वर्ल्ड कप में भी टीम बेहतर खेल दिखलाएगी।

**इस बार पाकिस्तान नहीं कर सका क्वालिफाई** - एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट होता है। इसमें टॉप-4 में रहने वाली टीमें वर्ल्ड कप का टिकट हासिल करती है। पाकिस्तान की टीम पिछले एशिया कप में टॉप-4 में नहीं पहुंच पाई, लिहाजा वह वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी।

**इस बार टीम इंडिया इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के ग्रुप में** - 13 जनवरी से शुरू होने वाले इस बार के वर्ल्ड कप में भारत, इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स ग्रुप-4 में है। 16 टीमों को 4 अलग-अलग ग्रुपों में बांटा गया है। 22 जनवरी से नॉकआउट स्टेज शुरू होगा। 24 और 25 जनवरी को क्वार्टर फाइनल मुकाबले होंगे। 27 जनवरी को दोनों सेमीफाइनल मुकाबले होंगे। 29 जनवरी को शाम 7 बजे भुवनेश्वर में फाइनल मैच खेला जाएगा। टूर्नामेंट के मैच दोपहर 1, 3, 5 और शाम 7 बजे से होंगे। मैच में 15-15 मिनट के 4 क्वार्टर खेले जाएंगे।

# ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर ने आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता

**नई दिल्ली**

**आस्ट्रेलिया की आलराउंडर एश्ले गार्डनर ने दिसंबर 2022 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर आफ द मंथ का पुरस्कार अपने नाम किया, क्योंकि बल्ले और गेंद से उनके योगदान ने उनकी टीम को भारत में टी20 श्रृंखला जीत दिलाने में मदद की। उनके प्रदर्शन का मतलब यह भी था कि वह अब आलराउंडरों की टी20 प्लेयर रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। एश्ले न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और इंग्लैंड की चार्ली डीन की चुनौतियों को पार करते हुए 2022 में राचेल हेन्स (जो मार्च में जीती), एलिसा हीली (अप्रैल) और ताहलिया मैकग्रा (जुलाई) के नक्शेकदम पर चलते हुए पुरस्कार जीतने वाली चौथी आस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ी बन गईं।**

उन्होंने कहा, दिसंबर के लिए प्लेयर आफ द मंथ का खिताब पाकर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं, विशेष रूप से यह देखते हुए कि इस समय खेल में बहुत सारी शानदार क्रिकेटर हैं। हमारा भारत दौरा एक अविश्वसनीय रूप से यादगार था और कठिन परिस्थितियों में सीरीज जीतना सुखद था। पुरस्कार जीतने पर एश्ले ने कहा, हमारे लिए आने वाले कुछ महीने रोमांचक हैं। इसलिए उम्मीद है कि हम उस फॉर्म को पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज और आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में आगे ले जा सकते हैं। उनके लिए 2022 दिसंबर शानदार स्तर पर समाप्त हुआ क्योंकि उन्होंने 166.66 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 115 रन दर्ज किए और भारत के खिलाफ कठिन टी20 श्रृंखला जीत में 18.28 की औसत से सात विकेट लिए। डीवाई पाटिल स्टेडियम में एक रोमांचक सुपर ओवर में दूसरा टी20 हारने के बाद,एश्ले ने 4-1 से श्रृंखला जीत के रास्ते में शेष तीन मुकाबलों में से प्रत्येक में दो विकेट लेकर अच्छी गेंदबाजी भी की। उन्होंने शायद ब्रेबोर्न स्टेडियम में फाइनल मैच के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला प्रदर्शन बचाया था। उन्होंने 32 गेंदों में नाबाद 66 रन बनाकर बचाव योग्य कुल स्कोर बनाया। उन्होंने गेंदबाजी में दो विकेट झटके, जिसमें खतरनाक शेफाली वर्मा का विकेट भी शामिल था, जिसने भारत को लक्ष्य का पीछा करने से रोक दिया और 54 रन की शानदार जीत हासिल की।

# पांच महीने बाद वापसी कर रहीं पीवी सिंधू , मलयेशिया ओपन में खिताब पर होगी निगाह

**क्वालालंपुर ।**

चोट ठीक होने के बाद स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू पांच महीने बाद फिर से मैदान पर उतर रहीं हैं। उनके लिए शुरू हो रही मलयेशिया ओपन चैंपियनशिप में चुनौती आसान नहीं होगी। इसके अलावा अन्य भारतीय खिलाड़ियों लक्ष्य सेन और एच एस प्रणय की निगाह नए साल में जीत से शुरुआत करने पर होगी। पिछला वर्ष भारतीय बैडमिंटन के लिए अच्छा रहा था। इस वर्ष भी भारतीय खिलाड़ी उसी सिलसिले को जारी रखना चाहेंगे। मई से पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन अवधि शुरू हो जाएगी। रैंकिंग अंक दांव पर होंगे। मलयेशिया ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन, मलयेशिया के ली जि जिया के अलावा अकाने यामागुची, तेई जू यिंग भी इस सुपर 1,000 टूर्नामेंट में भाग लेंगे। दो बार ओलंपिक पदक जीत चुकीं सिंधू टखने की चोट से फिट होने के बाद लौट रही हैं। उनका पहला मैच पूर्व विश्व चैंपियन स्पेन की कैरोलिना मारिन के साथ होगा। सिंधू ने पिछला मुकाबला अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में खेला था। मारिन के साथ उनकी अच्छी टक्कर होने की संभावना है। मारिन ने पिछली तीन भिड़ंत में सिंधू को हराया है। उनका भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ 9-5 का जीत-हार का रिकॉर्ड है। महिला एकल में साइना नेहवाल, आकर्षी कश्यप और मालविका बनसोड भी रेस में शामिल हैं। साइना की पहली टक्कर चीन की हेन युई, आकर्षी की चीन ताइपे की सू वेन चेई और मालविका की कोरियाई एन से यंग से होगी। पुरुष एकल में दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य का सामना पहले दौर में दुनिया के 8वें नंबर के खिलाड़ी हमवतन प्रणय से होगा। इस बीच दुनिया के पूर्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत पहले दौर में जापान के गैर वरीय केंता निशिमोतो से मुकाबला करेंगे। यदि श्रीकांत ये मैच जीतते हैं तो दूसरे दौर में उनके सामने पांचवीं वरीता के जोनाथन क्रिस्टी होंगे। गत चैंपियन एक्सेलसन भी इसी क्वार्टर में हैं। युगल में राष्ट्रमंडल चैंपियन दुनिया के पांचवें नंबर के सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के सामने पहले मैच में दक्षिण कोरिया की चोई सोल ग्यू और किम वेन हो की जोड़ी होगी। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सात्विक-चिराग यदि शुरुआती दौर की बाधा पार करते हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनके सामने स्थानीय दावेदार आरोन चिया और सोह वूई यिक होंगे।

# पाकिस्तान ने जीता कराची वनडे: न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया, नसीम को 5 विकेट; रिजवान, बाबर, फखर के अर्धशतक

**कराची।**

टेस्ट सीरीज 0-0 से ड्रॉ कराने के बाद पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को पहला वनडे 6 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड से मिले 256 रन के टारगेट को पाकिस्तान ने 48.1 ओवर में हासिल कर लिया। उनके लिए विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, कप्तान बाबर आजम और ओपनर फखर जमान ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले नसीम शाह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। 3 वनडे की सीरीज का दूसरा मैच 11 जनवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में ही खेला जाएगा।

**कोई भी कीवी बड़ी पारी नहीं खेल सका** - टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले ही ओवर में ओपनर डेवोन कॉन्वे को नसीम ने गोल्डन डक पर बोल्ड कर दिया। कप्तान केन विलियमसन (26) ने फिन एलन के साथ 37 रन जोड़े। लेकिन, एलन भी 29 रन बनाकर पावरप्ले में ही चलते बने।

मिडिल ऑर्डर में डेरिल मिचेल ने 36, विकेटकीपर टॉम लैथम ने 42, ग्लेन फिलिप्स ने 37, मिचेल सेंटनर ने 21 और टिम साउदी ने 15 रन बनाए। माइकल ब्रेसवेल ने सबसे ज्यादा रन 43 बनाए। वहीं, लॉकी फर्ग्यूसन एक रन बनाकर नॉटआउट रहे और हेनरी शिप्ले शून्य के स्कोर पर आउट हो गए।

पाकिस्तान के लिए नसीम शाह ने 5 विकेट लिए। डेब्यू कर रहे लेग स्पिनर उसामा मिर ने कप्तान विलियमसन और लैथम के विकेट लिए। मोहम्मद नवाज और मोहम्मद वसीम को एक-एक सफलता मिली। पाकिस्तान की दमदार गेंदबाजी के आगे न्यूजीलैंड 50 ओवर में 9 विकेट पर 255 रन ही बना सका।

**रिजवान की पारी से जीता पाकिस्तान** - 256 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने पावरप्ले में इमाम-उल-हक (11) का विकेट गंवा दिया। फिर फखर जमान (56) ने बाबर आजम (66) के साथ 78 रन की पार्टनरशिप की। फखर के आउट होने के बाद बाबर ने मोहम्मद रिजवान (77) के साथ 60 रन जोड़े। रिजवान ने हारिस सोहेल (32) के साथ 64 रन की पार्टनरशिप की और टीम को जीत की ओर ले गए। आखिर में रिजवान ने आगा सलमान (13) के साथ टीम को जीत दिला दी। पाकिस्तान ने 48.1 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 258 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए माइकल ब्रेसवेल ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। टिम साउदी और ग्लेन फिलिप्स को 1-1 सफलता मिली।

# फ्रांस के ह्यूगो लोरिस ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया, बना चुके हैं ये रिकॉर्ड

**पेरिस ।**

फ्रांस फुटबॉल टीम के कप्तान ह्यूगो लोरिस ने 36 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने यह फैसला 2022 फीफा विश्व कप में अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल हारने के तीन सप्ताह के बाद लिया है। मैंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म का फैसला किया है, इस भावना के साथ कि मैंने सब कुछ दे दिया है। मुझे लगता है कि यूरो कप क्वालिफाइंग राउंड की शुरुआत से ढाई महीने पहले अब इसकी घोषणा करना महत्वपूर्ण है।

लोरिस ने नवंबर 2008 में 21 वर्ष की उम्र में उरुग्वे के खिलाफ एक दोस्ताना मैच में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। वह विश्व कप में फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने लिलियन थुरम के 142 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। फाइनल में उतरने के साथ ही लोरिस 145 मैचों में फ्रांस की टीम का हिस्सा रहे। 2022 फीफा विश्व कप के फाइनल में फ्रांस ने अर्जेंटीना से फुल टाइम और फिर एक्सट्रा टाइम तक 3-3 से ड्रॉ खेलने के बाद पेनल्टी शूटआउट में मैच गंवाया था। अर्जेंटीना ने फ्रांस पर शूटआउट में 4-2 से जीत हासिल की थी।

**लगातार दो विश्व कप के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे कप्तान हैं लोरिस** - ह्यूगो लोरिस अपनी टीम को लगातार दो विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने वाले चौथे कप्तान हैं। सबसे पहले यह उपलब्धि जर्मनी के कार्ल हींज रुमेनिगे ने हासिल की थी। उन्होंने जर्मनी को 1982 और 1986 के विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया, लेकिन दोनों ही फाइनल में उन्हें हार मिली।महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना ने भी अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में लगातार दो बार विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया।

जहां 1986 में अर्जेंटीना विजेता बनी, जबकि 1990 में उसे जर्मनी से हार सहनी पड़ी। डुंगा ने भी 1994, 1998 में ब्राजील को अपनी कप्तानी में दो बार फाइनल में पहुंचाया। 1994 में ब्राजील विजेता बना और 1998 में उसे फ्रांस ने फाइनल में हराया। लोरिस के पास लगातार दो विश्व कप जीतने वाले पहले कप्तान बनने का मौका था, लेकिन वह इससे चूक गए। लोरिस ने कहा- मैं वास्तव में विश्व कप के बाद से संन्यास के बारे में सोच रहा था।

पूर्व नीस और लियोन के गोलकीपर लोरिस की कप्तानी में फ्रांस ने रूस में 2018 विश्व कप में जीत हासिल की। वह यूरो 2016 सहित कुल सात मेजर टूर्नामेंट में खेले। यूरो 2016 के फाइनल में मेजबान फ्रांस पुर्तगाल से से हार गया था। विश्व कप में फ्रांस के बैक-अप गोलकीपर 37 वर्षीय रेनेस, अनुभवी स्टीव मंडंडा और वेस्ट हैम युनाइटेड के अल्फोंस अरेओला थे। हालांकि, फ्रांस के स्टार्टर के रूप में लोरिस के स्थान पर एसी मिलान के 27 वर्षीय माइक मेगनन का टीम में आना तय है, जो चोट के कारण विश्व कप से चूक गए थे।

लोरिस ने कहा- एक समय आता है जब आपको एक राह चुनने की जरूरत होती है। मैंने हमेशा कहा है कि फ्रांसीसी राष्ट्रीय टीम किसी एक व्यक्ति की नहीं है। मुझे लगता है कि एक गोलकीपर है जो तैयार है (मैगनन)। साथ ही मुझे अपने लिए अपने परिवार के लिए और अपने बच्चों के लिए थोड़ा और समय चाहिए। 14 से भी ज्यादा वर्षों तक फ्रांस का गोलकीपर होना एक बड़ी बात है, लेकिन यह मानसिक रूप से थका देने वाला भी है और मुझे उम्मीद है कि खुद के लिए कुछ समय निकालने से मुझे कुछ और वर्षों के लिए क्लब लेवल पर खेलने का मौका मिलेगा।

## कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

## क्या है ये हाइलेंडर सिंड्रोम

हाइलेंडर सिंड्रोम सुनने में तो बाकी अजीब बीमारियों की ही तरह लगता है, लेकिन ये सिंड्रोम बड़ा ही अजीब और विरला है। इस सिंड्रोम से पीड़ित किसी व्यक्ति की उम्र बेहद ज्यादा हो जाने के बाद भी वह किसी बच्चे जैसा ही दिखाई पड़ता है। हालांकि हाइलेंडर सिंड्रोम पर अभी भी शोध हो रहे हैं और इसके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। कोरिया के ह्योमिन शिन हाइलेंडर सिंड्रोम से पीड़ित हैं।

# प्राकृतिक तरीकों से करें जुकाम का उपचार

सर्दियों में नजला-जुकाम होना आम है, पर इससे निजात पाना कई बार आसान नहीं होता।

### कुछ घरेलू उपचार के तरीके

सुहागे को तवे पर फुला कर बारीक पीस कर शीशी में भर लें।

**नजला**-जुकाम होने पर आधा ग्राम (बच्चों के लिए आधी मात्रा) गरम पानी के साथ दिन में तीन बार लें। पहले दिन से आराम आना शुरु हो जाएगा।

**विशेष**: सुहागे को फुलाने या खील बनाने के लिए सुहागे को बारीक कूट कर लोहे को स्वच्छ कड़ाही में या तवे पर डालें और तेज आंच में इतना पकाएं कि पिघलने के पश्चात् सूख जाए। यह धीरे-धीरे फूलने लगेगा। फूलने के बीच लोहे की छुरी से इसे उलट-पुलट करते रहें। सारा सुहागा फूलने के बाद पीस लें।

### काली मिर्च और बताशा

सात काली मिर्च और सात बताशे पाव भर जल में पकाएं। चौथाई रहने पर इसे गरमागरम पी लें और सारा शरीर ढ़क कर दस मिनट तक लेट जाएं। सुबह खाली पेट और रात सोते समय दो दिन प्रयोग करें। जुकाम के अलावा खांसी, हल्की हरारत और शरीर के दर्द में भी आराम मिलता है। ज्वर सहित जुकाम होने पर सात तुलसी की पत्तियां भी काढ़ा बनाते समय डाल दें और यह काढ़ा दिन में दो बार लें।

### तुलसी की चाय

ताजा तुलसी की पत्तियां 7 से 11 तक (अथवा छाया में सुखाई गई तुलसी की पत्तियों का चूर्ण एक ग्राम या चौथाई चम्मच), ताजा अदरक दो ग्राम (या सूखी सौंठ का चूर्ण आधा ग्राम), काली मिर्च (कुटी हुई) सात नग-तीनों

वस्तुओं को 200 ग्राम उबलते हुए पानी में दो मिनट उबालें। फिर नीचे उतारकर दो मिनट ढ़क दें। अब छानकर इसमें उबला हुआ दूध 100 ग्राम और मिश्री या चीनी एक-दो चम्मच डालकर गरम-पी लें। पांच-दस मिनट सो जाएं। इससे सर्दी का सिर दर्द, नाक में सर्दी, जुकाम, श्वास नली में सूजन एवं दर्द (ब्रोनकाइटिस), साधारण बुखार, मलेरिया, बदहजमी आदि रोग दूर होते हैं। बच्चों को चाय में आधी मात्रा दें। दिन में दो बार आवश्यकतानुसार दो-तीन दिन लें। गले के रोगों और श्वसन प्रणाली की झिल्ली पर स्वास्थ्यकर प्रभाव डालने की तुलसी में अद्भुत क्षमता है। जमा हुआ कफ ढ़ीला होकर निकल जाता है।

### जुकाम में नाक बंद होना

10 ग्राम अजवायन को एक साफ कपड़े की पोटली में बांध कर तवे पर गर्म कर लें। फिर इसे बार-बार सूंघने से जुकाम में आराम होता है, बंद नाक खुल जाती है, गंदा पानी निकल जाता है व सिर का भारीपन मिट जाता है।

### छाती का दर्द/पसली चलना

अजवायन एक चम्मच को 250 ग्राम पानी में उबालें, चौथाई शेष रहने पर काढ़े को छान कर रात को पीकर सो जाएं। दिन में दो बार नियमित पीने से 5-7 दिन में छाती का दर्द नष्ट होता है। यह काढ़ा दो चम्मच की मात्रा से दिन में दो बार कुछ दिन देने से पसली चलना भी ठीक होता है।

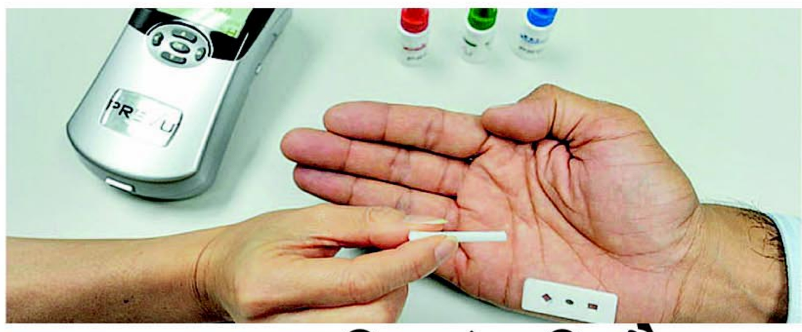

# स्वास्थ्य की कुंजी है आपके हाथों में

**आज** की तेज रफ्तार जीवनशैली में खुद को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी हो गया है। आप कुछ मूलभूत बातें ध्यान में रखें और समय-समय पर डॉक्टर से रूटीन चेकअप कराते रहें तो कई बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

स्वस्थ शरीर के कुछ मूलभूत पैमाने होते हैं, जिन्हें परख कर आप अपने स्वास्थ्य की जांच कर सकते हैं और भविष्य में होने वाली किसी बड़ी बीमारी या उसके खतरे से खुद को बचाए रख सकते हैं।

### कितना हो आपका वजन

किसी भी व्यक्ति का आदर्श वजन उसके मसल्स, मोटापे आदि पर निर्भर करता है। आदर्श वजन होने का अर्थ यह नहीं है कि हर स्थिति में व्यक्ति के शरीर का वजन भी एक जैसा रहे, बल्कि समय व परिस्थिति के मुताबिक वजन में परिवर्तन होते रहना स्वाभाविक है। आदर्श वजन में आपकी उम्र और लंबाई के आधार पर आपका कुछ निश्चित वजन होना चाहिए।

### शोध के अनुसार

आपके आदर्श वजन के लिए अंतराराष्ट्रीय मानक बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स को माना जाता है। इसके अनुसार एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए 23 से 30 बीएमआई तक रखा गया है। 23 से कम अंडरवेट और 30 से अधिक बीएमआई को ओवरवेट की श्रेणी में रखा गया है। अंडरवेट यानी कम वजन होने पर आपके पूरे शरीर की कार्यशैली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। याददाश्त कम होती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती है। ओवरवेट होने की स्थिति में मोटापा, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, जोड़ों में दर्द और लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

### हीमोग्लोबिन की कमी

हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन का सही स्तर होना बहुत जरूरी है। हीमोग्लोबिन की कमी से आप एनीमिया और कुपोषण की चपेट में आ सकते हैं। महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 से 16 के बीच होना चाहिए, जबकि पुरुषों में 14 से 18 के बीच। शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण का कार्य आयरन ही करता है, जो शरीर के अंगों को सुडौल और शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए शरीर में आयरन संतुलित मात्र में होना चाहिए। आयरन की कमी या अधिकता दोनों ही शरीर के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से थकान होना, सांस फूलना, हाथ-पैरों में सूजन आदि की समस्या होती है। इससे रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और एनीमिया हो सकता है।

### कोलेस्ट्रॉल का नियंत्रण जरूरी

शरीर में अतिरिक्त चर्बी जहां नुकसान देती है, वहीं वसा की कमी के कारण कई सेल्स और हार्मोस बनने बंद भी हो सकते हैं। हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं, जिन्हें गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल और बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल की श्रेणी में रखा गया है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर का एलडीएल 130 से नीचे और एचडीएल महिला में 40 से ज्यादा और पुरुष में 50 से ज्यादा होना चाहिए।

### रक्तचाप रहे नियंत्रित

स्वस्थ व्यक्ति का रक्तचाप नियंत्रण में रहना बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर का ऊपरी रक्तचाप यानी सिस्टोलिक 130 और नीचे का रक्तचाप यानी डाइस्टोलिक 80 होना चाहिए। ये दोनों रक्तचाप कम या ज्यादा हों तो उच्च या निम्न रक्तचाप की स्थिति होती है।

### ध्यान दें

उच्च रक्तचाप की स्थिति में व्यक्ति को हाइपरटेंशन, हार्ट प्रॉब्लम, किडनी रोग, नर्व सिस्टम पर बुरा असर, मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव, आई साइट कम होना और सिरदर्द जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। निम्न रक्तचाप में घबराहट, पसीना आना, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आने जैसी समस्याएं दिखती हैं।

# सही पॉश्चर दूर कर सकता है आपके दर्द

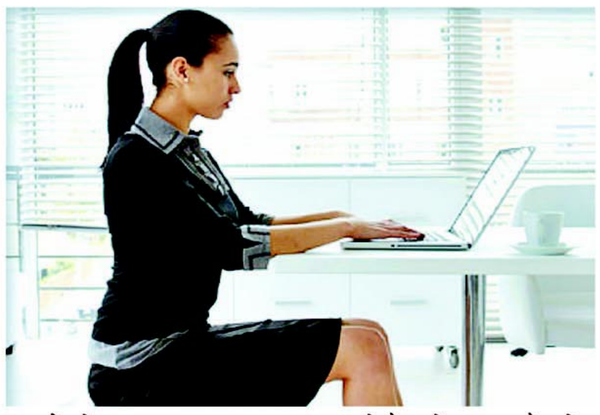

**जो** लोग कम्प्यूटर पर लगातार काम करते हैं, उन्हें अमूमन बैक पेन, कलाई या कमर के दर्द की शिकायत हो जाती है। ऐसा न हो, इसके लिए जरूरी है कि कुछ सावधानियां बरती जाएं।

### कुर्सी से चिपकी रहे पीठ

कम्प्यूटर के सामने बैठते वक्त हमारी पीठ एकदम सीधी हो। खासतौर से हमारी रीढ़ की हड्डी। वह कुर्सी से पूरी तरह से चिपकी हुई हो। कुर्सी पर इस तरह से बैठें कि रीढ़ की हड्डी और कुर्सी के बीच जगह न बचे। कोशिश करें कि हिप्स तक का हिस्सा कुर्सी से चिपका हुआ हो।

### स्ट्रेट गर्दन, स्ट्रेट चेहरा

हमारी गर्दन भी स्ट्रेट होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को आगे की ओर निकाल लेते हैं, यह गलत है। गर्दन कंधों से ऊपर होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को कंधे के बीच में धंसा लेते हैं। यह भी गलत है, इससे भी समस्या हो सकती है। इसी तरह से यह भी ध्यान रखें कि चेहरा बाहर की ओर निकला हुआ न हो। चेहरा सामान्य अवस्था में होना चाहिए। अगर चेहरा कंधों से बाहर निकला है तो गर्दन पर दबाव पड़ेगा, जो अच्छा नहीं है।

### सीधी रखें अपनी कलाई

अगर आप कलाई के दर्द से बचना चाहते हैं तो कोशिश करें कि हाथ माउस या कीबोर्ड की दिशा में एकदम सीधा हो। अगर आप उसे कोहनी से मोड़कर रखेंगे तो आपकी कलाई में दर्द होने की पूरी संभावना है।

### फुटरेस्ट पर रखें पैर

ये भी कोशिश करें कि आपकी कुर्सी के आगे फुट सपोर्ट या सपोर्टिंग स्टूल हो, जिस पर आप पैरों को फैला कर रख सकें। पैरों को 90 डिग्री के कोण पर रखते हुए काम करने से पैरों में दर्द हो सकता है।

### शरीर के पास रखें हाथ

हाथ और कोहनी को शरीर के पास रखें, ताकि शरीर को पूरा सपोर्ट मिल सके। शरीर और हाथ के बीच दूरी होगी तो मांसपेशियों में दर्द हो सकता है

# स्टैमिना की स्पेशल डायट

**मॉडर्न** लाइफस्टाइल में चाहे कामकाजी युवा हो, स्टुडेंट हो या हाउसवाइफ सब शरीर की औसत शक्ति से ज्यादा मेहनत करते हैं। इसीलिए एक्स्ट्रा स्टैमिना की जरूरत होती है। एक्स्ट्रा स्टैमिना तब मिलता है, जब हम उसके लिए स्पेशल डायट लें। जो लोग इस पहलू को नहीं समझते, वे कई तरह की शिकायतों का सामना करते हैं। मसलन छोटे-छोटे काम करके ही थक जाते हैं। सीढ़ियां चढ़ने पर सांस चढ़ने लगती है। कई बार समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग अचानक से चक्कर खाकर गिर जाते हैं या बेहोश हो जाते हैं। ऐसी कौन -सी चीजें हैं, जिन्हें नियमित रूप से खाने से हमारी स्टैमिना पावर बढ़ जाती है।

### विटामिन सी

ऐसे फलों का नियमित सेवन करना चाहिए, जिनमें विटामिन सी पाया जाता हो। एक्सपर्ट मानते हैं कि अंगूर ऐसे फलों में बेस्ट हैं। अंगूर से न सिर्फ शरीर में एनर्जी बनती है, बल्कि दिन भर एनर्जी का संतुलित लेवल शरीर में बना रहता है।

**विटामिन बी**: अनाज तो हम सब खाते हैं। अगर हम ऐसे अनाज खायें, जिनमें विटामिन बी अच्छी मात्रा में हो तो हमारा स्टैमिना और अच्छा हो सकता है।

**गेहूं की घास**: दूध में गेहूं की छोटी घास मिला कर खाएं तो यह भी हेल्दी नाश्ता माना जाता है। कहते हैं कि इसमें सब्जियों के मुकाबले 25 गुना अधिक पौष्टिक तत्व होते हैं।

### ओट

ओट का सेवन हम सुबह या शाम के नाश्ते में कर सकते हैं। ओट पानी या दूध के साथ मिला कर खाया जाता है।

### मूंग की दाल

मूंग की दाल हम उबाल कर या तल कर खा सकते हैं। इसे स्प्राउट के रूप में भी खा सकते हैं। इसका सूप बना कर पी सकते हैं।

### स्क्वैश

फलों से बने स्क्वैश पीने से भी शरीर में हारमोंस और ब्लड शुगर का लेवल ठीक रहता है। स्क्वैश और जूस में यह अंतर होता है कि जूस केवल रस होता है, जबकि स्क्वैश में फलों का पल्प भी होता है, जिससे ये ज्यादा पौष्टिक होते हैं।

# बेहद खतरनाक है फोबिया

**यदि** आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

### क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

### कैसे-कैसे फोबिया

### चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

### एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

### एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

### फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

### उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

### कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

### बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढ़ांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

### सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

### मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

## रेसिपी

### कोकोनट पछड़ी

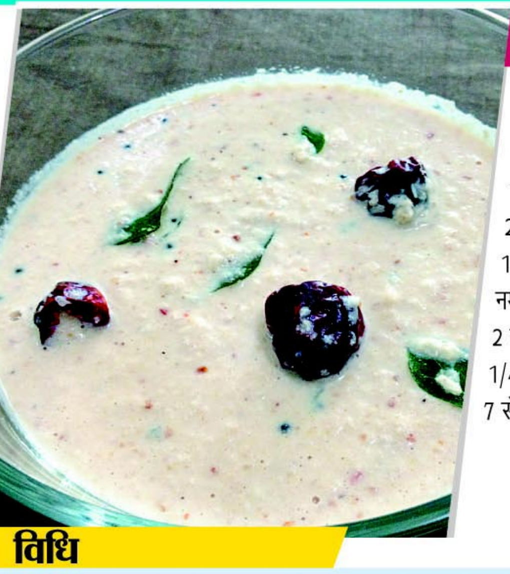

**सामग्री**

3/4 कप ताजा दही, फेंटा हुआ
1/3 कप ताजा कसा हुआ नारियल
2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च
1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक
नमक स्वादअनुसार
2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल
1/4 टी-स्पून सरसों
7 से 8 कड़ी पत्ते

**विधि**

दही, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक को साथ में परोसने के बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक छोटे पॅन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ते डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। तड़के को दही-नारियल के मिश्रण के उपर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तुरंत परोसें।

### गौंद के लड्डू

**सामग्री**

3 टेबल-स्पून गौंद
4 1/2 टेबल-स्पून घी
1 1/4 कप गेहूं का आटा
1/2 कप पीसी हुई शक्कर
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर
घी, तलने के लिए

**विधि**

एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में 31/2 टेबल-स्पून घी गरम करें, गेहूं का आटा डालकर, मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 6 मिनट तक भुन लें। पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तलने के लिए घी गरम करें और गौंद के फूलने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें। पीसी हुई शक्कर, तले हुए गौंद, इलायची पाउडर, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून घी और भूने हुए आटे को एक गहरे बाउल मे अच्छी तरह मिला ले। मिश्रण को 15 भाग में बांटकर गोले बना लें। परोसें या हवा बद डब्बे में रखकर संग्रह करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**